3 राजधानी
लोकसभा चुनाव के लिए पुलिस सतर्क

6 अभिमत
वैश्विक आतंकवाद का बढ़ता खतरा

11 विदेश
खारकीव में रूस के ड्रोन हमले में चार की मौत

12 स्पोर्ट्स
पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को हराया

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 148
नई दिल्ली, शुक्रवार, 5 अप्रैल, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

पड़ोसियों से भारत के रिश्ते पहले से कहीं बेहतर

राष्ट्रीय-10

सीएए पर मोदी और ममता में जुबानी जंग

सौगर सेनगुप्ता। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव रैलियों को संबोधित किया। इसी क्रम में केंद्र सरकार द्वारा नागरिक संशोधन अधिनियम (सीएए) के लागू किए जाने को लेकर राजनीति तेज हो गई। जहां प्रधानमंत्री ने जनता से इस कानून के महत्व पर भरोसा जताने को कहा, वहीं मुख्यमंत्री ने लोगों से विवादास्पद अधिनियम पर सतर्क रहने का संदेश देते हुए कहा कि यह कई लोगों की नागरिकता छीन लेगा। टीएमसी प्रमुख की माथाभग्गा शहर में चुनावी रैली के कुछ ही घंटों बाद लगभग 28 किमी दूर प्रधानमंत्री ने कूच बिहार में रैली की। प्रधानमंत्री ने सीएए के खिलाफ अफवाह फैलाने के लिए इंडिया गठबंधन के सहयोगियों पर हमला करते हुए कहा कि यह कानून उन लोगों को नागरिकता प्रदान करने के लिए पेश किया गया था जो मां भारती के आदर्शों को मानते हैं, उनकी सराहना करते हैं और उनमें आस्था रखते हैं।

पीएम मोदी ने बंगाल में आतंक का राज कायम करने के लिए टीएमसी पर हमलावर होते हुए कहा, जहां महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित हुईं और जिसका संदेशखाली एक ज्वलंत उदाहरण है, प्रधानमंत्री ने महिला मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा, भारत ने इस भयावता को देखा कि वहां उनके साथ क्या हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा, संदेशखाली में महिलाएं और गरीब के साथ गलत करने वाले टीएमसी के दोषियों को बचाने और पूरी कोशिश की गई, लेकिन यह मेरी गारंटी है कि उन्होंने जो कुछ भी किया है उससे वे कभी बच नहीं पाएंगे, उन्हें इसके किए की सजा के रूप में अपना पूरा जीवन जेल में बिताना होगा।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का मुद्दा उठाते लोगों से इस अधिनियम के प्रति सावधानी बरतने को कहा, उन्होंने कहा कि कहीं ऐसा न हो कि यह उन्हें राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर के भंवर में फंसा दे और हिरासत शिविरों में डाल देने का कारण न बन जाए। बनर्जी ने कहा, यह लोगों को तय करना है कि वे सीएए के माध्यम से नागरिकता के लिए आवेदन करेंगे या नहीं, क्योंकि इससे वे एनआरसी के प्रति असुरक्षित हो जाएंगे। मैंने पहले ही कहा है कि सीएए केवल सिर है और एनआरसी पूंछ है। एक बार जब आप इसमें पंजीकरण करा लेंगे तो आप मान लें कि आप भारत के नागरिक नहीं हैं और फिर आप खुद को हिरासत शिविरों में डाले जाने के लिए उत्तरदायी होंगे, जैसा कि असम में हुआ, जहां लोगों को अपने ही देश में हिरासत शिविरों में कैद कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर बंगाल के कूच बिहार में खचाखच भरी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि देश में एक मजबूत और स्थिर सरकार ही भारत को दुनिया की तीसरी सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बनाएगी, इसके लिए पीएम मोदी ने जनता का साथ मांगा। प्रधानमंत्री ने पिछले एक दशक में उनकी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा, भारत और उसके साथ-साथ बंगाल को दुनिया की तीसरी सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बनाना महत्वपूर्ण है और ऐसा करने के लिए देश को एक मजबूत और स्थिर सरकार की जरूरत है, न कि कमजोर गठबंधन की।

मोदी ने कहा, लोगों ने आजादी के बाद 6-7 दशकों तक कांग्रेस मॉडल देखा और फिर उन्होंने भाजपा मॉडल को देखा है, जिसने कश्मीर से धारा-370 को हटाने और अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के लिए निर्णायक रूप से काम किया, जो पिछले 500 वर्षों से लंबित था। उन्होंने यह याद दिलाते हुए कहा कि कैसे दुनिया यह कहती है कि मोदी एक मजबूत नेता हैं जो मजबूत निर्णय लेते हैं और उन्होंने जो भी निर्णय लिए वह भारत के 140 करोड़ लोगों के लिए थे जिनकी वह सेवा करते हैं। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर अपनी गारंटी की पुष्टि करते हुए कहा कि भारत को एक मजबूत राष्ट्र बनाने के अलावा वह अपनी गारंटी को पूरा करना जारी रखेंगे।

पीएम मोदी ने 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने के अपने सपने पर जोर देते हुए कहा, कहा जहां दूसरों की आशा समाप्त होती है वहां मोदी की गारंटी शुरू होती है। मोदी की गारंटी में लोगों को मुफ्त राशन, 40 लाख पक्के घर और शौचालय, आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा शामिल है जो बीमाधारक को पूरे देश में मुफ्त इलाज, बिजली और पानी लेने हर घर तक पेयजल लाइन का काम पूरा हुआ है। अपनी गारंटी के तहत भ्रष्टाचार के खिलाफ अपना अभियान जारी (शेष पेज 9)

यूपी में खोई 16 सीटें पाने को भाजपा लगाएगी पूरा जोर

बिस्वजीत बनर्जी। लखनऊ

2019 के चुनावों के दौरान उत्तर प्रदेश में खोई हुई 16 लोकसभा सीटों को पुन: प्राप्त करने के लिए एक दृढ़ प्रयास में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इन महत्वपूर्ण निर्वाचन क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई एक जटिल रणनीति तैयार की है। चुनावी गतिशीलता और सावधानीपूर्वक योजना पर पार्टी का निरंतर ध्यान राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में खोई हुई जमीन वापस पाने की उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। लखनऊ में गिरि इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज की नोमिता पी कुमार ने टिप्पणी की, भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो हमेशा चुनावी मोड में रहती है। चुनाव जीतना या हारना इस पार्टी के लिए सबसे कम मायने रखता है, और जैसे ही चुनाव खत्म होता है, पार्टी नेतृत्व मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू करता है।'

यह भावना चुनावी चुनौतियों के प्रति भाजपा के सक्रिय दृष्टिकोण और पिछली असफलताओं से सीखने के उसके अटूट दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। राजनीतिक विश्लेषक राजेश एन बाजपेयी ने भाजपा के विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण पर जोर देते हुए कहा, 'अगर भाजपा कुछ सीटें हार जाती है, तो वह वोटिंग पैटर्न की गतिशीलता को समझने के लिए चुनाव परिणामों - बूथ दर बूथ - का बारीकी से विश्लेषण करती है ताकि वह अगले चुनाव में इसे सुधार सके।' यह सावधानीपूर्वक मूल्यांकन प्रक्रिया भाजपा की रणनीतिक योजना और निर्णय लेने का आधार बनती है। 2019 के चुनावों में एनडीए गठबंधन की 64 सीटों की जीत के बाद, भाजपा ने ओबीसी और दलित बहुल क्षेत्रों पर विशेष जोर देने के साथ एक व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू की। इस आत्मनिरीक्षण ने उम्मीदवार चयन, जमीनी स्तर पर संगठन, लक्षित अभियान और रणनीतिक (शेष पेज 9)

'सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामले जल्द निपटाएं'

पीटीआई। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने न्यायाधीशों से कहा है कि वे सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों को प्राथमिकता दें ताकि उनका शीघ्र और प्रभावी निपटारा सुनिश्चित किया जा सके। उच्च न्यायालय को उसकी रजिस्ट्री द्वारा सूचित किया गया कि वर्तमान में उच्च न्यायालय की एकल पीठ के समक्ष सांसदों और विधायकों से जुड़े 34 मामले या अपील लंबित हैं, जिनमें सुनवाई पर रोक के आदेश दिए गए हैं और ये छह महीने से अधिक अवधि से जारी हैं।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी. एस. अरोड़ा की खंडपीठ ने रजिस्ट्री को उन 34 मामलों को संबंधित एकल पीठ से स्थानांतरित करते हुए अन्य पीठ को सौंपने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने दो अप्रैल को पारित एक आदेश में कहा, प्रधान न्यायाधीश द्वारा पारित निर्देशों के अनुरूप हम रजिस्ट्री को निर्देश देते हैं कि वह इस आदेश को ऐसे मामलों के लिए नियुक्त न्यायाधीशों को सौंपे, ताकि सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित सभी आपराधिक मामलों, अपील, पुनरीक्षण याचिकाओं को प्राथमिकता दी जा सके। मौजूदा कार्यसूची के अनुसार न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा की अदालत सांसदों और विधायकों के मामलों पर सुनवाई के लिए उच्च न्यायालय में निर्दिष्ट विशेष अदालत है।

न्यायमूर्ति शर्मा के समक्ष बृहस्पतिवार को सांसदों, विधायकों के मामलों को सुनवाई के लिए रखा गया तो उन्होंने कहा कि वह अब उन पर सुनवाई नहीं कर सकती, क्योंकि उन्हें एक न्यायिक आदेश मिला है, जिसके अनुसार कुछ मामले इस अदालत से स्थानांतरित कर दिए गए हैं। इसके बाद अदालत ने उन मामलों को दूसरी तारीख के लिए सूचीबद्ध कर दिया। जिला अदालतों में सांसदों, विधायकों से जुड़े लंबित मामलों के संबंध में, उच्च न्यायालय ने संबंधित निर्दिष्ट अदालतों को निर्देश दिया कि वे सबसे पहले सांसदों और विधायकों के खिलाफ मृत्युदंड या आजीवन कारावास की सजा वाले आपराधिक मामलों को और उसके बाद पांच साल या उससे अधिक की सजा वाले मामलों को प्राथमिकता दें। इसी तरह क्रम से अन्य मामलों की सुनवाई के लिए कहा गया है। पीठ ने कहा, हम सभी न्यायाधीशों से अनुरोध करते हैं कि वे असाधारण और बाध्यकारी कारणों को छोड़कर संबंधित मामलों की सुनवाई स्थगित करने से बचें। पीठ ने मामले को 20 मई को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। उच्च न्यायालय (शेष पेज 9)

कांग्रेस से पलायन के बीच अमेठी से रॉबर्ट वाड्रा पर दांव लगाने की अटकलें हुईं तेज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में बृहस्पतिवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनाद तावड़े पार्टी में नए शामिल गौरव वल्लभ, अनिल शर्मा तथा उपेंद्र यादव के साथ संवाददाता सम्मेलन में। फोटोः रंजन डिमरी

आम चुनावों के करीब आने के कारण सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को पलायन का डर सता रहा है, वहीं पार्टी के प्रथम परिवार के एक अन्य सदस्य रॉबर्ट वाड्रा के पूर्व गांधी-नेहरू परिवार के गढ़ रहे अमेठी से चुनावी मैदान में उतरने की अटकलें लगाई जा रही हैं। वर्तमान में इसका प्रतिनिधित्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी कर रही हैं जिन्होंने 2019 के लोकसभा चुनावों में पूर्व कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी को हराया था। जिस दिन तीन बड़े नेताओं- संजय निरुपम, गौरव वल्लभ और अनिल शर्मा ने पार्टी छोड़ी, ऐसी खबरें आईं कि प्रियंका गांधी के पति को अमेठी लोकसभा से मैदान में उतारा जा सकता है, क्योंकि राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से उत्तर प्रदेश की सीट से फिर से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया और केरल के वायनाड से अपना नामांकन दाखिल किया जिसका वह अब प्रतिनिधित्व करते हैं।

गौरव और शर्मा कांग्रेस छोड़ने के कुछ घंटों बाद बृहस्पतिवार को भाजपा में शामिल हो गए, जबकि निरूपम ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि वह लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। वल्लभ ने कहा कि वह न तो सनातन विरोधी नारे लगा सकते हैं और न ही दिन-प्रतिदिन 'धन सृजनकर्ताओं' को गाली दे सकते हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के एजेंडे के प्रति अपने समर्थन के कारण सत्तारूढ़ दल में शामिल हो रहे हैं। बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा भी राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए। एक मुखर कांग्रेस प्रवक्ता के रूप में देखे जाने वाले वल्लभ ने पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखा अपना इस्तीफा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया था। उन्होंने कहा कि पार्टी जिस दिशाहीन तरीके से आगे बढ़ रही है, उससे वह सहज महसूस नहीं कर रहे हैं।

इसके अलावा, कांग्रेस से निकाले जाने के एक दिन बाद, पूर्व सांसद संजय निरूपम ने सबसे पुरानी पार्टी पर हमला बोला और दावा किया कि पार्टी नेतृत्व में 'जबरदस्त अहंकार' है। निरूपम ने आगे दावा किया कि कांग्रेस अब इतिहास बन गई है और उसका कोई भविष्य नहीं है और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) तीन 'बीमार इकाइयों' का विलय है। विपक्षी एमवीए में कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं। निरूपम ने कहा, कांग्रेस में पांच शक्ति केंद्र हैं- गांधी परिवार के तीन सदस्य, एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और (पार्टी महासचिव) के सी वेणुगोपाल। उन्होंने दावा किया, नेहरूवादी धर्मनिरपेक्षता, जिसमें समाज में धर्म के लिए कोई जगह नहीं है, समाप्त हो चुकी है। निरुपम ने अपने भविष्य के कदम के बारे में बताने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि वह लोकसभा चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। निरूपम, जिनकी नजर मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा क्षेत्र पर थी, संसदीय चुनावों के लिए शिवसेना (यूबीटी) को सीट लेने की अनुमति देने से कांग्रेस से नाराज हैं।

केरल त्रिकोणीय चुनावी घमासान को तैयार

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

केरल में 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए जंग की रेखाएं खींच दी गई हैं क्योंकि नामांकन दाखिले के अंतिम दिन अंतिम उम्मीदवार ने भी अपना पर्चा दाखिल कर दिया है। राज्य से 20 सीटें दांव पर हैं और केरल में मुख्य मुकाबला सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफ, कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन और भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के बीच है। एनडीए की चुनौती सिर्फ तीन या चार निर्वाचन क्षेत्रों तक सीमित है जबकि शेष 16 सीटों पर लड़ाई एलडीएफ और इंडिया गठबंधन के बीच है। मुस्लिम लीग और विभिन्न इस्लामी पार्टियों ने चुनाव आयोग से मतदान का दिन बदलने को कहा है क्योंकि शुक्रवार मुस्लिम समुदाय के लिए असुविधाजनक है। वे बताते हैं कि यहां तक कि सीपीआई (एम), जो बिना किसी हिचकिचाहट के बंद/हड़ताल का आह्वान करती है, शुक्रवार को बंद का आह्वान करके समुदाय को परेशान नहीं करने का प्रयास करती है।

केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन, जो अटिंगल में भाजपा के उम्मीदवार हैं, को बुधवार को झटका लगा जब करावरम पंचायत के दो वरिष्ठ सदस्यों ने अपने पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया। करावरम अट्टिंगल निर्वाचन क्षेत्र का एकमात्र स्थानीय निकाय है जो भाजपा के नियंत्रण में है। इससे पहले, अट्टिंगल नगर पालिका के दो भाजपा पार्षदों ने मुरलीधरन को अट्टिंगल में उम्मीदवार बनाए जाने के विरोध के कारण पार्टी छोड़ दी थी।

केंद्रीय मंत्री, जिन्हें केरल के पी. जॉय और प्रकाश दोनों अपनी आसान पहुंच के लिए जाने जाते हैं, जबकि उत्तरी केरल के रहने वाले मुरलीधरन हमेशा पार्टी कार्यकर्ताओं से दूर रहते हैं। 2019 के लोक सभा चुनावों में, प्रकाश ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सीपीआई (एम) के ए संपत के खिलाफ 38,247 वोटों के अंतर से जीत हासिल की, जबकि भाजपा की शोभा सुरेंद्रन ने 2,48,000 वोट (24.9 प्रतिशत) पाकर आश्चर्यचकित कर दिया। पार्टी कैडर उम्मीद कर रहे थे कि पार्टी शोभा को इस चुनाव में एटिंगल से मैदान में उतारेगी क्योंकि उन्होंने मतदाताओं के साथ अच्छा तालमेल स्थापित कर लिया है। एक टिप्पणीकार सुधीर दामोदरन ने कहा, मुरलीधरन ने राज्यसभा के माध्यम से केंद्रीय मंत्रिपरिषद में जगह बनाई थी और अभी तक राज्य से एक भी पंचायत चुनाव नहीं जीता है।

पास के तिरुवनंतपुरम निर्वाचन क्षेत्र में, शशि थरूर धीरे-धीरे अभियान में आगे बढ़ रहे हैं, हालांकि वह भाजपा के केंद्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर से पीछे चल रहे हैं। राजीव चन्द्रशेखर के स्वामित्व वाला टीवी समाचार चैनल (एशियानेट) एक प्रसिद्ध सीपीआई (एम) समर्थक चैनल है और अपने नरेंद्र मोदी विरोधी हमले के कारण लोकप्रिय है। राहुल गांधी, जिन्होंने बुधवार को वायनाड में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, एक रोड शो के बाद दिल्ली लौट आए, जिसमें हजारों इंडिया गठबंधन कार्यकर्ताओं ने युवा नेता के साथ एकजुटता व्यक्त की। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा, यह पहले से तय निष्कर्ष है क्योंकि वह इस बार भी रिकॉर्ड अंतर से जीतने (शेष पेज 9)

लोकसभा चुनाव को लेकर असमंजस में मेरठ के मतदाता

दीपक कुमार झा। मेरठ

तेजी से बढ़ी आर्थिक संपन्नता, रैपिड रेल जैसे बुनियादी ढांचों का विकास तथा दिल्ली-एनसीआर के विस्तारित भाग रूप में कॉलोनियों को विकसित करने के लिए लाइन लगाए डेवलपर्स के बीच 'क्रांति के शहर' मेरठ इस बार लोकसभा चुनाव को लेकर थोड़ा भ्रम की स्थिति में है। हालांकि इस शहर ने भाजपा के राजेंद्र अग्रवाल को लगातार तीन बार संसद भेजा है। क्षेत्रीय दिग्गज जो पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों के एक बड़े स्वीकृत आधार का दावा करते हैं, उनकी जगह अब प्रसिद्ध टेली-सीरियल रामायण के 'राम' अरुण गोविल ने ले ली है, जिससे स्वयंसेवकों के भीतर थोड़ी अनिच्छा पैदा हो गई है, जो मौजूदा सांसद के प्रति अपनी निष्ठा की कसम खाते हैं। मेरठ में मतदान दूसरे चरण में 26 अप्रैल को होगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सप्ताह की शुरुआत में मेरठ से अपने उत्तर प्रदेश के अभियान की शुरुआत कर चुके हैं।

कुछ निवासियों ने अपनी चिंता व्यक्त की और जानना चाहा कि क्या अरुण गोविल यहां मेरठ में नीतीश भारद्वाज की तरह काम करेंगे। एक अन्य लोकप्रिय टेली-सीरियल महाभारत के कृष्ण का किरदार नितीश भारद्वाज ने निभाया है, जिन्होंने जमशेदपुर से भाजपा के सांसद के रूप में राजनीतिक शुरुआत की और फिर उन्हें पड़ोसी मथुरा में स्थानांतरित होना पड़ा और उनके दोनों कार्यकालों के दौरान शहरों में उनके पोस्टर लगे जिसमें कहा गया था कि उनका लोकसभा सांसद लापता हो गया है। चूँकि वह निर्वाचित होने के बाद कभी वापस नहीं आये। अपनी ओर से 72 वर्षीय गोविल ने कहा कि वह राजनीति करने के लिए नहीं बल्कि मेरठ के लोगों की सेवा करने के लिए लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं जहां उनका जन्म और पालन-पोषण हुआ। पिछले साल के प्रभु राम को त्रिकोणीय मुकाबले का सामना करना पड़ेगा और इसलिए दो अन्य - बसपा के देवरीत त्यागी और इंडिया गठबंधन समर्थित समाजवादी पार्टी की सुनीता वर्मा के खिलाफ बढ़त हासिल होगी।

दिलचस्प बात यह है कि सपा ने मेरठ से दो बार अपना उम्मीदवार बदला। सबसे पहले, इसने भानु प्रताप सिंह को मैदान में उतारा, लेकिन बाद में उनकी जगह अतुल प्रधान को टिकट दिया और फिर प्रधान की जगह सुनीता वर्मा को निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतारा, जो एक विविध जनसांख्यिकीय को दर्शाता है और 64 प्रतिशत हिंदुओं और आधे मुसलमानों के साथ उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण निर्वाचन क्षेत्र बना हुआ है। 2019 के आम चुनावों में मेरठ में (शेष पेज 9)

प्रधानमंत्री मोदी का रोड शो कल, तैयारी पूरी

मालीवाड़ा से लेकर चौधरी मोड़ तक होगी यात्रा, रैली में एक लाख लोग हो सकते हैं शामिल

पायनियर समचार सेवा। गाजियाबाद

छह अप्रैल को मालीवाड़ा से लेकर चौधरी मोड़ तक पीएम नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित रोड शो को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारी चल रही हैं। पीएम के रोड शो को देखते हुए मार्ग की सफाई से लेकर अतिक्रमण को हटाया जा रहा है तो वहीं मार्ग में लगे सभी पेडों की कटाई-छंटाई कर उन्हें छोटा कर दिया गया है ताकि काफिले को गुजरने में दिक्कतें न हो।

इसके अलावा रंगाई पुताई के साथ ही बिजली की लाइनों को भी दुरूस्त किया जा रहा है। भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग के समर्थन में पीएम नरेन्द्र मोदी मालीवाडा से चौधरी मोड़ तक रोड शो करेंगे। इस रोड शो में करीब एक लाख लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही हैं। रोड शो को सुरक्षा चाकचौबंद रखने व अन्य व्यवस्थाओं को लेकर शुक्रवार को भी ट्रायल किया गया था। पुराना बस अड्डा से लेकर चौधरी मोड़ तक के पूरे मार्ग को रंगाई-पुताई कर संवारा जा रहा है। तो वहीं बिजली के केबल के अतिरिक्त अन्य तारें वहां से हटा दी गई हैं। इसके अलावा सड़क किनारे रेहडी-पटरी लगाने वालों को भी सख्त ताकीद है कि वह शुक्रवार से अपनी दुकानें न लगाएं और अपनी रेहडी को भी मार्ग से हटा लें।

इसके अलावा दुकानदारों से भी कहा गया है कि कोई भी सामान दुकान के बाहर न रखें। पूरे रोड पर 50 से भी अधिक कैमरे लगाए जा रहे हैं। हर दस मीटर की दूरी पर एकसाथ चार-चार ट्यूब लाइट लगाई गई हैं तो वहीं अतिरिक्त रूप से रंगबिरंगी लाइट भी डिजाइन कर लगाई जा रही हैं ताकि रोड शो के दौरान पूरा मार्ग रोशनी से जगमगाता रहे।

पूरे रोड के गड्ढों को भरकर सड़क को बनाया जा रहा है। फुटपाथों को भी सही किया जा रहा है। कालकागढ़ी चौक पर लगा आई लव गाजियाबाद के साइन बोर्ड भी हटा दिया गया है। क्योंकि यहां पर मंच बनाया जाएगा ऐसे में अतिरिक्त स्थान के चलते इस बोर्ड को हटा दिया गया है। सड़कों व डिवाइडरों की भी दिन में कई-कई बार धुलाई कराई जा रही है।

विभागीय अधिकारी लगातार यहां व्यवस्थाओं को लेकर मॉनीटिरिंग की जा रही है। अधिकारी लगातार मार्ग का निरीक्षण कर रहे हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी के रोड को लेकर स्थानीय निवासियों को अभी से परेशानी शुरू हो गई है। दरअसल बिजली की तारों के अलावा रोड व कालका गढी चौक से जाने वाले अन्य केबल व वाई फाई के केबल को हटा दिया गया है। इन तारों के हटने से स्थानीय क्षेत्रों में टीवी व इंटरनेट बंद हो गया है। डाटा ऑपरेटरों ने बाकायदा इसको लेकर अपने ग्राहकों को मैसेज जारी किया है, रोड शो होने के चलते रविवार से पहले टीवी और वाई फाई संचालित नहीं हो पाएंगे। इसकी वजह से तीन दिन तक स्थानीय लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। इतना ही नहीं रोड शो के चलते शनिवार को नेहरू नगर से लेकर पुराने शहर के लोगों के बीच आवागमन भी बंद रहेगा। अम्बेडकर रोड को शुक्रवार को ही आवागमन के लिए बंद रखने की तैयारी चल रही है इसकी वजह से लाखों लोगों को समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

हर दो मीटर पर तैनात रहेंगे भाजपा कार्यकर्ता

गाजियाबाद। भाजपा लोकसभा प्रत्याशी अतुल गर्ग के समर्थन में शनिवार को होने वाले मोदी के रोड शो को लेकर भाजपा ने आज एक और बैठक की। बैठक को लोकसभा प्रभारी मानवेंद्र सिंह ने संबोधित किया। अम्बेडकर रोड पर मालीवाडा चौक से चौधरी मोड़ तक होने वाले रोड शो लेकर भाजपा संगठन पूरी तरह से गम्भीर है। करीब एक किमी लंबे रोड शो के लिए दो मीटर पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। बैठक में महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा, जिलाध्यक्ष सत्यपाल प्रधान, केबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर, क्षेत्रीय मन्त्री आशीष वत्स, पूर्व महापौर अशु वर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं को दी। बैठक में महापौर सुनीता दयाल, विधायक अजीत पाल त्यागी, नन्दकिशोर गुर्जर, सहप्रभारी सुभाष भाटी, सभी महामंत्री, सभी मंडलों के अध्यक्ष व प्रभारी, नगर निगम के पार्षद, मंडल प्रभारी, पांचों विधान सभा संयोजक व प्रभारी आदि उपस्थित रहे।

चुनावी दंगल में ताल ठोंकने वाले तीन प्रमुख दलों के प्रत्याशी करोड़पति

डॉ महेश शर्मा

पायनियर समचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर चुनावी दंगल में ताल ठोंकने वाले तीन प्रमुख दलों के प्रत्याशी करोड़पति हैं। प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाली इस क्षेत्र के करोड़पति प्रत्याशियों के बीच चुनावी मुकाबला हो रहा है। ऐसे में चुनाव में पैसे का जमकर उपयोग होने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। आम मतदाताओं के अलावा चुनाव आयोग की भी इस चुनाव पर पैनी नजर रहेगी।

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉ महेश शर्मा और उनकी पत्नी की कुल संपत्ति 83.82 करोड़ है। भाजपा से लोकसभा प्रत्याशी डॉ महेश शर्मा और उनकी पत्नी डॉ उमा शर्मा के पास करीब 83.82 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति हैं।

इसमें से डॉ महेश शर्मा के पास चल.अचल संपत्ति करीब 58.68 करोड़ रुपये है, जबकि उनकी पत्नी के नाम 25.14 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। 2019 में दंपती के पास 47.87 करोड़ रुपये संपत्ति थी। वहीं 2014 में कुल संपत्ति 44.49 करोड़ रुपए थी। डॉ महेश के पास 7 मकान हैं। नोएडा के सेक्टर.15ए में एक, सेक्टर.19 में चार, नोएडा सेक्टर.27 में एक दिल्ली के न्यू अशोक नगर में एक मकान है।

2019 में इसकी संख्या 6 थी, लेकिन 2024 में इसमें एक मकान का इजाफा हुआ है। महेश शर्मा ने एक नया मकान सी 481 सेक्टर 19 में खरीदा है। नामाकंन में दिए ब्यौरे में भाजपा प्रत्याशी और उनकी पत्नी के पास तीन वाहन बताए गए हैं।

भाजपा प्रत्याशी डॉ महेश शर्मा के नाम टोयोटा फारचूनर कार है। जिसकी कीमत 40 लाख रुपये है। पत्नी के नाम टोयोटा इनोवा और मारुति जिप्सी आदि हैं। इनकी कीमत 30.77 लाख रुपये है। कुल कीमत करीब 70.77 लाख रुपये हैं। डॉ महेश शर्मा को जेवरात का शौक है। इनके पास 4.64 लाख रुपये के जेवरात हैं। इनमें पांच तोला सोना व 25 तोला चांदी व अन्य शामिल हैं। पत्नी के पास 37.07 लाख रुपये के जेवरात हैं, जिसमें 44 तोला सोना, 100 तोला चांदी व अन्य शामिल हैं। इसमें एक खास बात है कि 2019 में भी भाजपा प्रत्याशी रहे डा महेश शर्मा और उनकी पत्नी ने जेवरात का यही ब्यौरा नामाकंन में लिखा था।

बसपा प्रत्याशी 8.83 करोड़ संपत्ति के मालिक

राजेंद्र सोलंकी

बसपा प्रत्याशी राजेंद्र सोलंकी की कुल संपत्ति 8.83 करोड़ रुपए है। इसमें इनकी स्वयं की संपत्ति 5.78 करोड़ और पत्नी 3.05 करोड़ है। बसपा प्रत्याशी की आय का एक मात्र साधन पेंशन है। जिसके जरिए इनकी वार्षिक आय 3.46 लाख जबकि पत्नी की वार्षिक आय 12.60 लाख है। राजेंद्र सोलंकी की अचल संपत्ति 5.44 करोड़ जबकि पत्नी के पास 3 करोड़ की अचल संपत्ति है। इन दोनों के पास कोई जेवरात नहीं है, केवल एक कार है। बसपा प्रत्याशी एमए पास है। उनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

डॉ महेन्द्र नागर के पास 8.75 करोड़ की संपत्ति

डॉ. महेंद्र नागर

समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी डॉ महेन्द्र नागर के पास कुल संपत्ति 8.76 करोड़ की है। इसमें डॉ महेंद्र नागर की स्वयं की संपत्ति 3 करोड़ 81 लाख 21 हजार 550 है, जिसमें मोटर यान, जेवरात, एलआईसी पॉलिसी, शेयर, बैंक खाता में जमा और नगदी शामिल है। डॉ महेन्द्र नागर के ऊपर बैंक से 19 लाख रुपये का ऋण बकाया है। स्थायी संपत्ति यानी अचल संपत्ति 2 करोड़ 53 लाख 50 हजार रुपये आंकी गयी है। महेन्द्र नागर की पत्नी पुष्पा नागर की चल संपत्ति 63 लाख 1 हजार 644 है। इनकी अचल संपत्ति 1 करोड़ 79 लाख, स्वतरू से अर्जित की गयी सम्पत्ति में 10 लाख रुपये आंकी गयी है। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र में इन्हीं तीन करोड़पति प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। इनमें से कौन करोड़पति प्रत्याशी बाजी मारेगा इसका सभी को बेसब्री से इंतजार है।

गौतमबुद्ध नगर सीट पर दो महिलाओं समेत 24 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

नोएडा। गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट से सांसद पद के लिए चुनाव लड़ रहे अब तक कुल 24 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन किया जा चुका है। सांसद बनने की दौड़ में दो महिलाएं भी शामिल है। आज राजलोक पार्टी के प्रत्याशी श्यौराज सिंहए निर्दलीय जंगरूप सिंह तथा आजाद अधिकार सेना पार्टी के प्रत्याशी यतेन्द्र शर्माए निर्दलीय बबलीए निर्दलीय प्रत्याशी महेश कुमार सोनीए अखिल भारत हिंदू महासभा पार्टी रणवीर चौधरी ने नामांकन.पत्र दाखिल किया। लोकसभा सामान्य निर्वाचन.2024 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 13.गौतमबुद्ध नगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए विभिन्न दलों के प्रत्याशियों के द्वारा कुल 52 नामांकन प्रपत्र प्राप्त किये जा चुके हैं। अब तक भाजपा सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, बहुजन समाज पार्टी के राजेंद्र सिंह सोलंकीए इंडिया गठबंधन के डॉक्टर महेंद्र नागरए अखिल भारतीय परिवार पार्टी के मनीष कुमार द्विवेदीए भारतीय राष्ट्रीय जनसत्ता पार्टी के नरेश नौटियालए जय हिंद नेशनल पार्टी के राजीव मिश्राए लोकतांत्रिक जनशक्ति पार्टी की कुमारी शालूए सुपर पावर इंडियन पार्टी के रण सिंह डुडीए निर्दलीय शिवम आशुतोषए रोदास गुप्ताए मोहम्मद मुमताज आलमए रितु सिन्हाए इखलाकए नेशनल पार्टी के किशोर सिंहए सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी ;सुभाष पार्टीद्ध के नारावेदश्वरए निर्दलीय संजीव कुमारए प्रवीण शर्माए महकार सिंहए निर्दलीय बबलीए निर्दलीय महेश कुमार सोनीए अखिल भारत हिंदू महासभा पार्टी रणवीर चौधरी ने नामांकन किया।

महिला ने पिस्टल लगाकर रौब झाड़ने वाले बाउंसर को सरेराह चप्पल से पीटा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा शहर में एक बाउंसर को पिस्टल लगाकर लोगों पर रौब झाड़ना उस वक्त भारी पड़ गया, जब एक दंपती के साथ हुए विवाद में महिला ने उसकी चप्पलों से पिटाई कर दी।

बताया जा रहा है कि बाजार में कार खड़ी करने को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया था। जिसके बाद बात मारपीट तक पहुंच गई।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला नोएडा के सेक्टर.20 कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर.18 का है। जहां कार खड़ी करने को लेकर दंपती और बाउंसर युवक के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में जमकर मारपीट होने लगी। कार सवार महिला ने पति से मारपीट करने वाले बाउंसर की चप्पल से पिटाई कर दी। भरे बाजार मारपीट होने से मौके पर अफरातफरी मच गई।

पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफशांतिभंग की धारा में कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार शाम सेक्टर.18 स्थित सावित्री मार्केट में बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन हो रहा था। इसी दौरान हरियाणा के पानीपत निवासी अमित बजाज अपनी पत्नी निवेदिता बजाज के साथ सावित्री मार्केट पहुंचे। दंपती ने मार्केट में सड़क किनारे कार खड़ी कर दी।

युवक अमेजन की पैकिंग में बेचता था गांजा, गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कोरोना के दौरान नौकरी जाने से करने लगा था तस्करी

क्राइम ब्रांच ने एक ग्रेजुएट युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि आरोपी अमेजन की पैकिंग में गांजा बेचता था। जिस से किसी को शक ना हो और सब उसको डिलीवरी बॉय समझा करते थे आरोपी पहले मेक माई ट्रिप में नौकरी करता था। लेकिन कोरोना काल में जब उसकी नौकरी चली गई तो उसने गांजे की तस्करी शुरू कर दी।

क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर अब्दुल सिद्दीकी ने बताया की गाजियाबाद क्राइम ब्रांच ने शिवम मिश्रा नाम के एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ है कि शिवम मिश्रा पहले मेक माई ट्रिप कंपनी में नौकरी करता था। लेकिन कोरोना काल में उसकी नौकरी छूट गई जिसके कारण उसे पैसे की किल्लत हुई। शिवम की इसी दौरान दिल्ली निवासी गांजा तस्कर बॉस्को से मुलाकात हुई। बोस्को ने शिवम को बताया कि गांजा की तस्करी और बिक्री में मोटा मुनाफा है। शिवम मिश्रा ने पहले बोस्को से छोटे पैकेट लेकर दिल्ली बॉर्डर और गाजियाबाद में सप्लाई शुरू कर दी। उसके बाद जब काम बड़ा तो उसने दिल्ली के अन्य तस्करों से भी माल लेकर सप्लाई शुरू कर दी।

पुलिस पूछताछ में पता चला है कि शिवम अमेजॉन की पैकिंग में पैक करके मोटरसाइकिल से एनसीआर क्षेत्र में कॉरपोरेट ऑफिस, कॉलेज और फैक्ट्री के आसपास गांजा बेचा करता था। शिवम 10 ग्राम की पुड़िया 800 से हजार रुपए में बेचा करता था। शिवम अमेजॉन की पैकिंग इसलिए करता था कि इसको डिलीवरी बॉय समझा जाए।

प्रपत्र नं. 14
[विनियम 33(2) देखें]
रजि. ए/डी द्वारा, दस्ती असफल होने पर प्रकाशन द्वारा

वसूली अधिकारी कार्यालय–I/II
ऋण वसूली अधिकरण
चंडीगढ़ (डीआरटी 3)

भूतल, एससीओ 33–34–35
सेक्टर–17–ए, चंडीगढ़ – 160017

मांग नोटिस
प्रकाशन

ऋण वसूली और दिवालियापन अधिनियम, 1993 की धारा 25 से 28 और आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 2 के तहत नोटिस।

आरसी/805/2018 02.02.2024

आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
बनाम
संदीप कुमार शर्मा

सेवा में,
(सीडी 1) संदीप कुमार शर्मा पुत्र पिताम्बर नाथ भारद्वाज, निवासी : मकान नं. 3036, टॉप फ्लोर, सैक्टर–20–डी, चंडीगढ़

यह सूचित किया जाता है कि पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली न्यायाधिकरण चंडीगढ़ (डीआरटी 3) द्वारा ओए/1897/2017 में पारित आदेशों के अनुसरण में जारी वसूली प्रमाण पत्र के अनुसार रु. **14,03,160.91 (रु. चौदह लाख तीन हजार एक सौ साठ और पैसे इक्यान्वे मात्र)** की राशि और दिनांक 25.06. 2015 से पेंडेंट–लाइट और @ 12.00% भविष्य के ब्याज के साथ भुगतान तक और **रुपये 59,650/– (रु. उनसठ लाख छह सौ पचास मात्र)** की लागत आपके खिलाफ देय है (संयुक्त और अलग–अलग/पूर्ण/सीमित रूप से)

2. आपको इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर उपरोक्त राशि का भुगतान करने का निर्देश देते हुए दिया गया है। ऐसा न करने पर बैंकों और वित्तीय संस्थानों को देय ऋणों की वसूली अधिनियम, 1993 और उसके तहत नियमों के अनुसार वसूली की जाएगी।

3. जबकि अधिकरण की संतुष्टि के अनुसार यह दिखाया गया है कि सामान्य तरीके से आपकी तामील करना संभव नहीं है, इसलिए इस प्रकाशन द्वारा यह नोटिस दिया गया है कि आप **29–07–2024 को सुबह 10.30 बजे** इस अधिकरण के समक्ष उपस्थित हों।

4. आपको सुनवाई की अगली तारीख को या उससे पहले एक हलफनामे पर अपनी संपत्ति का विवरण घोषित करने का आदेश दिया जाता है।

5. उपरोक्त राशि के अतिरिक्त, आप भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी होंगे:

(क) इस तरह के ब्याज के रूप में प्रमाण पत्र / निष्पादन कार्यवाही की इस सूचना के तुरंत बाद शुरू होने वाली अवधि के लिए देय है।

(ख) इस नोटिस और वारंट और अन्य प्रक्रियाओं और देय राशि की वसूली के लिए की गई अन्य सभी प्रक्रियाओं की तामील के संबंध में किए गए सभी लागत, शुल्क और व्यय।

मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर के तहत 02.02.2024 को दिया गया।

वसूली अधिकारी
ऋण वसूली अधिकरण,
चंडीगढ़ (डीआरटी 3)

प्रतिलिपिः–
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
शाखा कार्यालयः चंडीगढ़, जिसे अब आईसीआईसीआई बैंक लि. के रूप में जाना जाता है, एससीओ–129–130, प्रथम तल, सेक्टर–9–सी, चंडीगढ़

आपको निर्देश दिया जाता है कि प्रमाण पत्र देनदार (ओं) द्वारा किए गए भुगतान, यदि कोई हो, तो प्रमाण पत्र–देनदार (ओं) से इस मामले में देय सभी ऋणों के समेकित खाते में जमा किया जाए और वसूली अधिकारी को नियमित रूप से भुगतान की स्थिति के साथ तैनात रखा जाए।

इस प्रकार रखा गया समेकित खाता वसूली अधिकारी के सत्यापन के अधीन होगा।

आपको उपरोक्त मामले के संबंध में कुल दावे का अद्यतित विवरण और संपत्ति के विवरण का पूरा विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया जाता है, जिससे ऋण की वसूली की जानी है।

LOST & FOUND

I, Jitender Kumar Juneja, S/o Smt. Bimla Rani Juneja R/o K-37, Kailash Colony, New Delhi, have lost the Original Allotment Cum Demand Notice Letter, DDA File No. F2/60/2004/LSB/R, In Book Serial No.11640 in Block No.I, Vol.No.1650 at Pages 170 to 178 dt. 18/08/2005 of Our Property DDA Land situated in Plot No.92, Pocket-2, Jasola, New Delhi. Anybody find out please contact 9958948111

PUBLIC NOTICE

My Clients **Harish Sehgal** S/o Manohar Lal Sehgal & his wife **Sunita Sehgal** W/o Harish Sehgal R/o **A8A, Shivangi Kunj, Opp BG-1, Paschim Vihar, New Delhi-63** have debarred & disowned their Son **Manish Sehgal** and his wife **Swati Sehgal** from their movable and immovable properties due to their misbehavior to my clients. My Clients have also severed all their relation with them. If anybody deals with them in any manner they do so at their own risk.
Ramesh Chander (Adv) Ch. 68, Western Wing, Tis Hazari

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **लीलाधर मेघवाल और मेघवाल मंजू** को **09.01.2024** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLLAJ00207175** की राशि **रू.36,77,704.43 /- (रुपए छत्तीस लाख सतहत्तर हजार सात सौ चार और तैंतालीस पैसे मात्र)** और **19.12.2023** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप धारा (4) के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **02.04.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.36,77,704.43 /- (रुपए छत्तीस लाख सतहत्तर हजार सात सौ चार और तैंतालीस पैसे मात्र) 19.12.2023** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

फ्लैट नं. 1608 , जिसका सुपर एरिया 890 स्के.फीट, सोलहवीं मंजिल पर, ब्लॉक आई2, ईको विलेज 4 से पहचाने जाने वाले प्रोजेक्ट में,प्लॉट नं.जीएच-01 पर स्थित, सेक्टर 16-बी, गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा-201308, उत्तर प्रदेश

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

दिनांक: 02.04.2024
स्थान : ग्रेटर नोएडा

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **राजेश मलिक और राज कुमार उर्फ राजकुमार मलिक** को **09.01.2024** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLNOI00204318** की राशि **रू.38,96,084.85 /- (रुपए अडतीस लाख छियानवे हजार चौरासी और पचासी पैसे मात्र)** और **19.12.2023** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप धारा (4) के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, 2002 के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **02.04.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.38,96,084.85 /- (रुपए अडतीस लाख छियानवे हजार चौरासी और पचासी पैसे मात्र) 19.12.2023** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

युनिट नं. 1804 , मापित सुपर एरिया 890 स्के.फीट, अठारहवीं मंजिल पर, टॉवर -आई-1 में, ईको विलेज 4 से पहचाने जाने वाले प्रोजेक्ट में,प्लॉट नं.जीएच-01 पर स्थित, सेक्टर 16-बी, ग्रेटर नोएडा-201308, उत्तर प्रदेश

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड

दिनांक: 02.04.2024
स्थान : ग्रेटर नोएडा

एमिटी विवि में पेंटाथॉन का ग्रैंड फिनाले संपन्न

नोएडा। भारत के पहले राष्ट्रीय भेद्यता मूल्यांकन और प्रवेश परीक्षण वीएपीटी एनसीआईआईपीसी-एआईसीटीई पेंटाथॉन 2024 जो कि शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है इस साइबर सुरक्षा कार्यक्रम, 48 घंटे की नॉन.स्टॉप प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में पूरे भारत से 27 टीमों ने भाग लिया, जिसमें देश के प्रसिद्ध संस्थानों से 61 व्यक्तिगत प्रतिभागी शामिल थे। समापन भाषण देते हुए,नेशनल क्रिटिकल इंफ ॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर एनसीआईआईपीसी के महानिदेशक डॉ नवीन कुमार सिंह, आईपीएस ने कहा, मैं उन सभी को बधाई देना चाहता हूं।

सार्वजनिक सूचना

कि यह सामान्य नोटिस में लाना है कि मैं मनीषा अग्रवाल पत्नी दीपक गुप्ता विवरण वाली प्रॉपटी की स्वामी हूँ पता - मकान ए-4, गली नं0 1, निकट मोनी बाबा मन्दिर गरी मैदी नॉर्थ ईस्ट दिल्ली- 110053। मैने यह संपत्ति विक्रय विलेख संख्या 2823 खण्ड संख्या 5496 दिनांक 24/09/2022 के मध्य खरीदी है। मैने हीरा सिंह के नाम पर जीवित सदस्य प्रमाण पत्र खो दिया है। यह इसको पुष्टि करें कि हम पूर्ण स्वामी है। किसी को कोई विवाद हो तो कृपया 15 दिन में श्री अशोक सिंह मोबाईल नं. 9312306881 को सूचित करे।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given by Ms. Jyoti Lohia and Ms. Pooja Lohia that The Original Allotment, Possession Letter and Lease Deed dated 15.05.2015 registered as Doc no. 9980 issued by GDA in favour of Mr. Ashish Deshmukh for Plot No. 789/816-B, area measuring 2000 sq. mtrs, situated in Khasra No. 789, Village Bishrakh, Jalalpur, Greater Noida, Pargana and Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, UP., has been lost/Misplaced. Further Ms. Jyoti Lohia and Ms. Pooja Lohia will be taking financial assistance from Aditya Birla Finance Ltd. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048
Contact #011-49774545

मेट्रो ट्रेन के कोच में खाने पीने से लेकर संगीत तक का ले मजा

नोएडा। नोएडा शहर में मेट्रो ट्रेन के एक्वा लाइन रूट पर अनोखी शुरुआत हुई है। अब आप नोएडा में मेट्रो ट्रेन के कोच में खूब मजा ले सकते हैं। जी हां ठीक सुना अपने, आप नोएडा में मेट्रो ट्रेन के कोच में खाने पीने से लेकर संगीत तथा पार्टी करने तक का मजा ले सकते हैं।

नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा के बीच में एक्वा लाइन के नाम से मेट्रो ट्रेन चलाई जाती है। इसी एक्वा लाइन पर नोएडा शहर का सेक्टर 137 भी पड़ता है। नोएडा के सेक्टर-137 मेट्रो स्टेशन पर बाकायदा मेट्रो ट्रेन के कोच के अंदर एक शानदार रेस्टोरेंट खोला गया है। नोएडा में मेट्रो कोच के अंदर खोला गया यह रेस्टोरेंट पूरे उत्तर प्रदेश में किस प्रकार का पहला प्रयास है। मेट्रो कोच रेस्टोरेंट में आप खाने-पीने से लेकर पार्टी करने तथा म्यूजिक सुनने का मजा ले सकते हैं। यहां वीडियो में देखें मेट्रो कोच वाले रेस्टोरेंट का नजारा। नोएडा के सेक्टर 137 मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो कोच वाला रेस्टोरेंट शुरू कर दिया गया है। नोएडा प्रधिकरण के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस रेस्टोरेंट का औपचारिक उद्घाटन 19 अप्रैल को नोएडा प्राधिकरण के डॉ. लोकेश कुमार एम करेंगे।

माफिया रवि काना गैंग के 11 सदस्यों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में फरार चल रहे कुख्यात स्क्रैप माफिया रवि काना गैंग के 11 सदस्यों के खिलाफन्यायालय में चार्जशीट दाखिल कर दी है।

इस गैंग के 14 लोगों की पुलिस अब तक गिरफ्तारी कर चुकी है। रवि काना और उसकी महिला मित्र काजल झा सहित पांच लोगों के खिलाफ अभी जांच जारी है। रवि और काजल अभी फरार हैं। उनके घर की पुलिस ने कुछ दिन पूर्व कुर्की की है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने लुक आउट नोटिस जारी किया है। चर्चा है कि दोनों विदेश भाग गए हैं। थाना बीटा.2 के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने 1 जनवरी वर्ष 2024 को रवि नागर उर्फ़रविंद्र सिंह उर्फरवि काना, राजकुमार नागर, तरुण छोकर, अमन, विशाल, अवध उर्फ बिहारी उर्फ अमर सिंह, महकी नागर, अनिल, विक्की, अफसार, राशिद अली, आजाद नागर, प्रहलाद, विकास नागर, कुमारी काजल झा और मधु नागर के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया था।

घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही पुलिस ने अब तक कार्रवाई करते हुए इस गैंग के 14 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि इस गैंग का सरगना रवि नागर और उसकी महिला मित्र काजल झा अभी भी फरार हैं।पुलिस ने इस मामले में रवि काना गैंग के 11 लोगों के खिलाफकोर्ट में चार्जशीट दायर की है।

पर्यटकों को लुभाने के लिए बनेगा फूलों वाला पार्क

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा उत्तर प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण शहर है। नोएडा शहर को उत्तर प्रदेश की औद्योगिक राजधानी भी कहा जाता है। नोएडा उत्तर प्रदेश का प्रवेश द्वार भी है। इन्हीं सारी विशेषताओं के कारण उत्तर प्रदेश सरकार का बड़ा फोकस नोएडा शहर पर है। अब योजना बनाई गई है कि नोएडा में दुनिया के सुंदर शहर दुबई जैसा आकर्षण पैदा किया जाए। ऐसा कुछ किया जाए कि नोएडा में पर्यटन शुरू हो जाए। नोएडा प्राधिकरण ने नोएडा में दुबई जैसा आकर्षण पैदा करने के लिए विचार-विमर्श शुरू कर दिया है।

नोएडा शहर को दुबई की तरह आकर्षित बनाने के लिए एक अनोखा पार्क बनाने के साथ ही साथ नोएडा में पर्यटकों को लाने पर विचार चल रहा है। इस विचार में मेडिकल पर्यटन का विचार भी शामिल है। साथ ही नोएडा में बड़े मेले आयोजित करने पर भी विचार किया जा रहा है। सबसे पहले नोएडा के एक पार्क को दुबई के सबसे चर्चित पार्क मिरेकल गॉर्डन जैसा बनाने की योजना को आगे बढ़ाने पर बातचीत शुरू हो गई है। सबको पता है कि दुबई में दुनिया के सबसे सुंदर पार्कों में से एक है मिरेकल गॉर्डन। मिरेकल गॉर्डन में एक साथ करोड़ों रंग-बिरंगे फूल खिले हुए होते हैं। मिरेकल गॉर्डन को देखने दुनिया भर के लोग दुबई जाते हैं। इसी मिरेकल गॉर्डन जैसा पार्क नोएडा में बनाने की योजना बनाई जा रही है।

नोएडा प्राधिकरण ने इस योजना पर विचार विमर्श कर दिया है। सब कुछ ठीक.ठाक रहा तो नोएडा में जल्दी ही मिरेकल गॉर्डन जैसा बेहतरीन पार्क देखने को मिलेगा। साथ ही डियर पार्क के रूप में एक पार्क का विकसित करके उस पार्क में हिरन छोड़ने की योजना पर भी नोएडा प्राधिकरण विचार कर रहा है।

जेवर एयरपोर्ट के आसपास हरियाली बढ़ाने का काम शुरू

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के पास विकसित हो रहे जेवर एयरपोर्ट के आसपास चारों तरफहरियाली नजर आएगी। जेवर एयरपोर्ट के आसपास विकसित हो रहे यमुना सिटी में यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण यीडा ने एक दो ही नहीं कम से कम 100 पार्क बनाने का काम शुरू कर दिया है। यीडा ने जेवर एयरपोर्ट के ठीक बगल में 14 एकड़ के बड़े क्षेत्रफल पर यमुना सिटी का सेंट्रल पार्क बनाया जाएगा। जेवर एयरपोर्ट के पास बनने वाले सेंट्रल पार्क का नाम किसी महापुरुष के नाम पर रखा जाएगा। यीडा के सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि जेवर एयरपोर्ट के आसपास बड़े क्षेत्रफल में हरियाली विकसित की जाएगी।

आप विधायक अपने निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करें: केजरीवाल

पत्नी सुनीता ने पढ़ा सीएम का संदेश, जेल से दिए निर्देशों की दी जानकारी, लोगों की दिक्कतें पूछकर समाधान करें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि अरविंद केजरीवाल ने तिहाड़ जेल से एक संदेश भेजकर आम आदमी पार्टी के सभी विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में रोजाना जाने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि लोगों को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े।

सुनीता ने डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने संदेश में कहा कि भले ही वह जेल में हैं, लेकिन दिल्ली के दो करोड़ लोग उनका परिवार हैं और उन्हें कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

सुनीता ने मुख्यमंत्री का संदेश पढ़ते हुए कहा, हमें सरकारी कामकाज के अलावा उनकी समस्याओं का भी समाधान करना होगा। अब समाप्त कर दी गई दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए मुख्यमंत्री 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं। केजरीवाल ने अपने संदेश में कहा, मेरे जेल में होने से दिल्ली के लोगों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। दिल्ली के दो

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का संदेश पढ़ती उनकी पत्नी सुनीता।

करोड़ लोग मेरा परिवार हैं, मेरे परिवार में किसी को भी किसी भी कारण से दुखी नहीं होना चाहिए। ईश्वर सब पर कृपा करें।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि जेल में रहने के बावजूद मुख्यमंत्री को खुद से ज्यादा दिल्ली के दो करोड़ लोगों की चिंता है।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अपनी पत्नी से बात की और इस दौरान उनके जरिए आम आदमी पार्टी के सभी विधायकों को एक संदेश भेजा। केजरीवाल ने 21 मार्च को अपनी गिरफ्तारी के बाद ईडी की हिरासत से और फिर तिहाड़ जेल से कई संदेश भेजे हैं।

मुख्यमंत्री ने 23 मार्च को अपने पहले संदेश में दिल्ली की महिलाओं को आश्वासन दिया था कि वह उन्हें 1,000 रुपए मासिक सम्मान राशि देने का वादा पूरा करेंगे। बयान में कहा गया है कि अपने सभी संदेशों में उन्होंने दिल्ली के दो करोड़ लोगों की सेवा करने का संकल्प दोहराया है। केजरीवाल ने जल मंत्री आतिशी और स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज को भेजे अपने संदेश में उनसे सीवर और पानी की समस्याओं का समाधान करने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों और क्लीनिकों में दवाओं और प्रयोगशाला परीक्षणों की कोई कमी न हो।

सीएम की फोटो लगाने पर सियासी घमासान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल गुरुवार को एक बार फिर कैमरे के सामने आकर पति का संदेश पढ़ा। संदेश को सुनाते समय सुनीता के पीछे दीवार पर शहीद भगत सिंह और बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के बीच केजरीवाल की जेल वाली तस्वीर लगी नजर आई। यह पहली बार है आम आदमी पार्टी ने दोनों महापुरुषों के बीच केजरीवाल की तस्वीर लगाई है। इसको लेकर सियासी घमासान मच गया। भाजपा ने इस मुद्दे पर आक्रामक रुख अपना लिया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी को शर्म आनी चाहिए कि वह केजरीवाल की फोटो को शहीद ए आजम भगत सिंह और डॉ बीआर आंबेडकर की फोटो के बीच में लगा रही है। उन्होंने पार्टी से केजरीवाल की तस्वीर तुरंत हटाने की मांग की है। साथ ही कहा कि आम आदमी पार्टी को लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाना बंद करना चाहिए जो केजरीवाल की फोटो को राष्ट्रभक्तों की तस्वीरों के बीच में लगाकर कर रहा है। सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता को मुख्यमंत्री के आधिकारिक कमरे और कुर्सी से बैठने और राजनीतिक संदेश जारी करने की अनुमति देकर राजनीतिक शैली को लघुकृत किया है। सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल को भ्रष्टाचार का आरोपी माना जाता है और उनकी फोटो महापुरुषों के बीच में लगाकर आम आदमी पार्टी ने महान राष्ट्रभक्तों की गरिमा को अपमानित किया है।

मुख्यमंत्री को पद से हटाने की याचिका पर सुनवाई से इनकार

- पीठ ने कहा कि ऐसी ही एक जनहित याचिका खारिज कर दी थी इसलिए वह कोई अलग रुख नही अपना सकती

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने का अनुरोध करने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया।

उच्च न्यायालय ने कहा कि कई बार राष्ट्रीय हित को निजी हित के ऊपर तरजीह देनी होती है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने कहा, कई बार राष्ट्रीय हित को निजी हित से ऊपर रखना पड़ता है लेकिन यह उनका व्यक्तिगत फैसला है। हमें एक अदालत के तौर पर कानून के अनुसार चलना होगा। आपका समाधान यहां नहीं, कहीं और है। आप सक्षम प्राधिकरण के पास जाइए। पीठ ने कहा कि उसने हाल में ऐसी ही एक जनहित याचिका खारिज कर दी थी जिसमें केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने का अनुरोध किया गया था और इसलिए वह कोई अलग रुख नहीं अपना सकती है।

याचिकाकर्ता विष्णु गुप्ता के वकील ने कहा कि चूंकि अदालत ने इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है तो उन्हें याचिका वापस लेने का निर्देश दिया गया है और वह उपराज्यपाल के समक्ष अपनी अर्जी लेकर जाएंगे। अदालत ने याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने की अनुमति देते हुए उसका निस्तारण कर दिया।

चुनाव आयोग में भाजपा के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने दर्ज कराई शिकायत

- आपत्तिजनक पोस्टरों में मुख्यमंत्री की फोटो का इस्तेमाल किया : आतिशी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता और कैबिनेट मंत्री आतिशी ने दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी से भाजपा द्वारा दिल्ली भर में लगाए गए आपत्तिजनक पोस्टरों के संबंध में शिकायत दर्ज कराई है।

बता दें कि, कुछ पोस्टरों में भाजपा ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की फोटो का इस्तेमाल किया गया है।

आतिशी ने कहा कि, ये बेहद चिंता का विषय कि, 6 दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक भाजपा द्वारा लगाए गए आपत्तिजनक होर्डिंग्स-पोस्टरों पर कोई कोई एक्शन नहीं हुआ है। आतिशी ने साझा किया कि, शिकायत के बाद मुख्य चुनाव अधिकारी ने आश्वासन दिया कि आयोग इस मामले में एक्शन लेगा। उन्होंने कहा यदि इस मामले में एक्शन नहीं हुआ तो हम मुख्य चुनाव आयोग में जाएंगे। उन्होंने कहा कि आप की लीगल टीम ने 6 दिन पहले चुनाव आयोग से इस पोस्टर्स-हॉर्डिंग्स की शिकायत की और इस बाबत आज हम दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी से मिलकर आए है।

उन्होंने कहा कि, इस विषय में मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा हमें आश्वस्त किया गया है कि, इस मामले में एक्शन होगा। आतिशी ने कहा कि अगर इसके बाद भी इस मामले में कार्रवाई नहीं की गई तो पार्टी चुनाव आयोग का रूख करेगी। यह भी चिंता का विषय है कि, चुनाव आयोग आजकल विपक्षी पार्टियों को समय नहीं दे रहा है। ये लोकसभा चुनाव बहुत गलत कारणों की वजह से एक ऐतिहासिक चुनाव बनते जा रहा है। वह चुनाव आयोग को बताना चाहती हैं कि इस देश के संविधान ने चुनाव आयोग को इस देश के लोकतंत्र को बचाए रखने, बनाए रखने की जिम्मेदारी दी है। वहीं दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है की यह आश्चर्यजनक है की मंत्री आतिशी भाजपा पर विवादित बयान देतीं हैं और चेतावनी के बावजूद माफी नही मांगती हैं। वह चुनाव आयोग से ना सिर्फ अपनी शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की आपेक्षा करती है बल्कि चुनाव आयोग पर परोक्ष रूप से पक्षपात का आरोप भी लगा देती हैं।

तिहाड़ में किताबें पढ़ने और योग कर समय बिता रहे सीएम

- कोर्ट के निर्देश पर मुख्यमंत्री को मेज, कुर्सी और इलेक्ट्रिक केतली मुहैया कराई गई है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल की अपनी कोठरी में अपना ज्यादातर वक्त ध्यान लगाने, किताबें पढ़ने और योग करने में बिता रहे हैं। केजरीवाल को तिहाड़ की जेल संख्या दो के जनरल वार्ड संख्या तीन में 14 फुट लंबी और आठ फुट चौड़ी कोठरी में रखा गया है।

जेल के सूत्रों के अनुसार, केजरीवाल दिन में ज्यादातर समय किताबें पढ़ते हैं और योग करते हैं तथा हर दिन दो बार ध्यान लगाते हैं। वह हर दिन सुबह और शाम करीब डेढ़ घंटे योग करते हैं और ध्यान लगाते हैं।

जेल में उन्हें जो किताबें उपलब्ध कराई गई है उनमें हिंदू महाकाव्य रामायण और महाभारत और हाऊ प्राइम मिनिस्टर्स डिसाइड शामिल हैं।

उन्हें अक्सर अपनी कोठरी में कुर्सी पर बैठकर इन किताबों को पढ़ते और कुछ लिखते हुए देखा जाता है। जेल के एक अधिकारी ने बताया कि केजरीवाल कैदियों के लिए बने पुस्तकालय में उपलब्ध किताबें भी पढ़ सकते हैं लेकिन अभी उन्होंने कोई और किताब नहीं मांगी है। मुख्यमंत्री को उनकी कोठरी में एक टीवी

उपलब्ध कराया गया है जिसमें 20 चैनल हैं। लेकिन वह टीवी देखना ज्यादा पसंद नहीं करते हैं। अदालत के निर्देश पर केजरीवाल को एक मेज, एक कुर्सी और बिजली से चलने वाली एक केतली मुहैया कराई गई है। मुख्यमंत्री को अपनी कोठरी की सफाई के लिए एक झाड़ू, एक बाल्टी और कपड़े का एक टुकड़ा भी उपलब्ध कराया गया है जो जेल नियमावली के अनुसार सभी कैदियों को दिया जाता है।

सुरक्षा कारणों से केजरीवाल को अन्य कैदियों से मिलने की अनुमति नहीं है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और तमिलनाडु विशेष पुलिस कर्मियों का एक त्वरित प्रतिक्रिया बल चौबीसों घंटे उनके वार्ड के बाहर तैनात है।

सामान्य आदमी की तरह केजरीवाल से मिल सकते हैं मान : जेल अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने कहा है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान जेल में बंद दिल्ली के अपने समकक्ष और आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल से एक सामान्य व्यक्ति के तौर पर मुलाकात जंगला में मिल सकते हैं। मान ने एक दिन पहले तिहाड़ जेल के अधिकारियों को पत्र लिखकर केजरीवाल से मिलने की अनुमति मांगी थी। मुलाकात जंगला लोहे की एक जाली होती है जो जेल के अंदर एक कमरे में कैदी को आगंतुक से अलग करती है। आगंतुक और कैदी जाली के एक-दूसरी ओर बैठकर एक दूसरे से बात कर सकते हैं। अधिकारियों ने पंजाब के मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से तिहाड़ के महानिदेशक संजय बनिवाल को पत्र भेजे जाने की पुष्टि की और कहा कि मान के कार्यालय को जल्द ही जवाब दिया जाएगा। एक अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर कहा, मान केजरीवाल से मिल सकते हैं, लेकिन मुलाकात यह तिहाड़ जेल के मुलाकात जंगला में एक सामान्य व्यक्ति की तरह हो सकती है। मान मुख्यमंत्री हैं और उन्हें जेड प्लस सुरक्षा मिली हुई है, लिहाजा अधिकारी सुरक्षा प्रबंध कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सीएमओ के पत्र में मुलाकात के लिए समय मांगा गया है और तिहाड़ प्रशासन से जेल परिसर में आवश्यक प्रबंध करने का अनुरोध किया गया है। दिल्ली की एक अदालत ने आप के संयोजक केजरीवाल को एक अप्रैल को न्यायिक हिरासत में भेज दिया था, जिसके बाद से वह जेल नंबर दो में बंद हैं। मुख्यमंत्री ने पांच लोगों के नाम दिए हैं, जो उनसे जेल में मुलाकात कर सकते हैं। इनमें उनकी पत्नी, दो बच्चे, निजी सचिव बिभव कुमार और आप के राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि केजरीवाल को आगंतुकों की सूची में मान का नाम भी जोड़ना होगा। जेल नियमावली के अनुसार, एक कैदी 10 आगंतुकों के नाम दे सकता है। इनमें से तीन लोग हफ्ते में दो बार एक ही समय में कैदी से मुलाकात कर सकते हैं। केजरीवाल ने दो अप्रैल को जेल से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अपने बच्चों से बात की थी।

एलजी कार्यालय ने केन्द्रीय गृह सचिव को लिखा पत्र

- आप सरकार के वकीलों पर कोर्ट को गुमराह करने का लगयाा आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल और आम आदमी पार्टी की सरकार में फिर ठन गई है। उपराज्यपाल कार्यालय ने अदालतों में पैरवी के दौरान दिल्ली सरकार द्वारा उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए केन्द्रीय गृह सचिव अजय भल्ला को पत्र लिखा गया है।

एलजी के प्रमुख सचिव आशीष कुंद्रा की ओर से केन्द्रीय गृह सचिव अजय भल्ला को लिखे गये पत्र में कई ऐसे मामलों का जिक्र किया गया है जिसमें दिल्ली सरकार के वकीलों द्वारा अदालत को गुमराह किया गया है। ऐसे में इस पत्र का उद्देश्य गृह मंत्रालय को आम आदमी पार्टी द्वारा विभिन्न अदालतों में गैरजरुरी मुकदमेबाजी के संबंध में दिल्ली के घटनाक्रम से अवगत कराना है। पत्र में कहा गया है कि हाल ही में बड़े ही सोचे-समझे तरीके से न्यायालयों को गुमराह करने का प्रयास किया गया है, जिसका स्पष्ट उद्देश्य पूर्व-निर्धारित याचिकाएं दायर करके जास्टिस डिलीवरी सिस्टम को प्रभावित करना है। इस पत्र में एलजी दफ्तर की ओर से ऐसे कुछ मामलों का जिक्र करते हुए स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है।

पत्र में कहा गया है कि उच्च न्यायालय व अधीनस्थ कोर्ट में बुनियादी ढांचे के अपग्रेडेशन से संबंधित एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी को पूरा करने के लिए फंड जारी करने में अत्यधिक देरी पर राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई थी।

जल बोर्ड धनशोधन मामले में आरोप पत्र की प्रति देने का निर्देश

नई दिल्ली। अदालत ने दिल्ली जल बोर्ड के ठेके देने में कथित अनियमितताओं से संबंधित धनशोधन मामले में आरोपियों को आरोप पत्र की एक प्रति प्रदान करने का प्रवर्तन निदेशालय को बृहस्पतिवार को निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान दो आरोपियों बोर्ड के पूर्व मुख्य अभियंता जगदीश अरोड़ा और ठेकेदार अनिल को बुधवार को पारित अदालत के आदेशों के अनुसार, जेल अधिकारियों द्वारा अदालत के समक्ष पेश किया गया। वे वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं।

बुधवार को आरोप पत्र पर संज्ञान लेते हुए अदालत द्वारा जारी किए गए समन के अनुपालन में, एक अन्य आरोपी तेजिंदर सिंह भी अदालत के सामने पेश हुए जबकि चौथे आरोपी एनबीसीसी के पूर्व महाप्रबंधक डी के मित्तल ने आज व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया। अदालत ने दस्तावेजों की जांच के लिए मामले की सुनवाई 20 अप्रैल को तय की है।

घर में लगी आग, बीमार बुजुर्ग महिला और कुत्ते को बाहर निकाला

नई दिल्ली। बहुमंजिला इमारत में एक फ्लैट में आग लगने के बाद पुलिस ने एक बीमार महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बुजुर्ग महिला ऑक्सीजन-सपोर्ट पर थी। शुरुआती जांच में पता चला है कि एयर कंडीशनर से चिंगारी निकलने के कारण फ्लैट में आग लगी थी। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि त्रिलोकी कॉलोनी स्थित अपने घर में फंसी हुई थी। पुलिस टीम को सूचित किया गया था कि कूल्हे में फ्रैक्चर के कारण महिला अपने बिस्तर से हिलने-डुलने में असमर्थ है। महिला धुएं के कारण उसे सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। जब आग को बुझाया जा रहा था, तभी पुलिस की एक टीम महिला के बेटे के साथ उस कमरे में दाखिल हुई, जहां वह फंसी हुई थी और उसे सुरक्षित बाहर निकाला।

संजय सिंह ने मंदिर में की पूजा, बापू को भी दी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तिहाड़ जेल से रिहा होने के एक दिन बाद आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सासंद संजय सिंह ने बृहस्पतिवार को अपनी पत्नी के साथ कनॉट प्लेस में स्थित हनुमान मंदिर में पूजा की। सिंह को धन शोधन के मामले में उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को जमानत दे दी।

संजय सिंह ने मंदिर में पूजा करने के बाद कहा भगवान हनुमान के आशीर्वाद से उन्हें जमानत मिल गई। वह अपनी पत्नी के साथ यहां हनुमान के दर्शन करने आए थे। वह अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के जल्द जेल से बाहर आने के लिए प्रार्थना की है। सिंह 13 अक्टूबर, 2023 से यहां उच्च सुरक्षा वाली तिहाड़ जेल में बंद थे। बुधवार को जैसे ही वह जेल से बाहर आए आप कार्यकर्ताओं ने उन्हें माला पहनाई। इसके बाद वह

बापू की समाधि पर प्रार्थना करते संजय सिंह व अन्य।

अपने समर्थकों का अभिवादन करने के लिए अपने वाहन के ऊपर चढ़ गए। इस बीच सिंह ने राजघाट जा कर महात्मा गांधी को भी श्रद्धांजलि दी। बाद में वह जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और वरिष्ठ आप नेता सत्येंद्र जैन के परिवार से भी मिले। बुधवार को रिहा होने के बाद सिंह और उनकी पत्नी अनीता ने केजरीवाल की पत्नी सुनीता से उनके आवास पर मुलाकात की।

संक्षिप्त समाचार

बूटकैंप लांच करते हुए प्रोफेसर टीजी सीताराम व अन्य।

इनोवेशन, डिजाइन एंड आंत्रप्रिन्योरशिप बूटकैंप जारी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर टीजी सीताराम ने बृहस्पतिवार को इनोवेशन, डिजाइन एंड आंत्रप्रिन्योरशिप बूटकैंप लांच किया। इसके जरिये देश के 14 राज्यों के 18 केंद्रों पर पीएमश्री स्कूलों और गैर-पीएमश्री स्कूलों के छात्रों, शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को प्रशिक्षित किया जाएगा। बूटकैंप 4 से 10 अप्रैल को आयोजित होगा। इस दौरान शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के अतिरिक्त सचिव विपिन कुमार, एआईसीटीई के सदस्य सचिव प्रोफेसर राजीव कुमार, सीबीएसई के निदेशक डॉ. बिस्वजीत साहा, एनसीईआरटी के शैक्षिक सर्वेक्षण प्रभाग और परख की प्रमुख प्रोफेसर इंद्राणी भादुरी भी ऑनलाइन माध्यम से मौजूद रहे।

अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे एबीवीपी कार्यकर्ता

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विधि संकाय द्वारा फीस वृद्धि, खराब इन्फ्रोस्ट्रक्चर, वाईफाई की समस्या, शौचालय समस्या, क्लास रूम में सीटों का अभाव, वॉटर कूलर की समस्या, पिंक टॉयलेट, सेनेटरी वेंडिंग मशीन आदि समस्याओं को लेकर कैंपस लॉ सेंटर, एलसी 1 एवं एलसी 2 के कार्यकर्ता संयुक्त रूप से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं । एबीवीपी की मांग है कि जब तक प्रशासन द्वारा बढ़ाई गई फीस को कम नहीं किया जाता और समस्याओं के निवारण हेतु एक अवधि तय नहीं की जाती तब तक वह अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे रहेंगे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के दिल्ली प्रांत के सह मंत्री आशीष सिंह ने कहा बताया कि पूर्व में इन मांगों को लेकर संकाय प्रशासन को कई बार ज्ञापन सौंपा गया किंतु अभी तक उसपर कोई संज्ञान नहीं लिया गया।

लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली पुलिस सतर्क

- सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सम्मेलन, प्रचार के दौरान वीआईपी कार्यक्रमों को पेशेवर तरीके से संभालने की रणनीतियों पर चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनावों में सुरक्षा को लेकर बैठक की अध्यक्षता करते सीपी संजय अरोड़ा।

आगामी लोकसभा चुनावों को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए दिल्ली पुलिस ने कमर कसते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विशेष रणनीति तैयार की है। इस संबंध में दिल्ली के पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया और प्रत्याशियों की सुरक्षा पर जोर दिया।

राजधानी के चाणक्यपुरी में बृहस्पतिवार को आगामी लोकसभा चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने को लेकर पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा की अध्यक्षता में सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने चुनाव प्रक्रिया के दौरान संरक्षित व्यक्तियों को व्यापक सुरक्षा कवर प्रदान करने, दिल्ली पुलिस और सीएपीएफ के बीच उचित समन्वय पर जोर दिया। आयुक्त ने दोहराया कि सुरक्षा एजेंसियों को उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए पेशेवर तरीके से योजना बनाकर कार्य करना होगा। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को सुरक्षा और सुरक्षा पहलुओं से समझौता किए बिना उच्च जोखिम वाले गणमान्य व्यक्तियों से जुड़े रोड शो और जन संपर्क कार्यक्रमों के दौरान राजनीतिक हस्तियों द्वारा सार्वजनिक कार्यक्रमों को सुचारू तरीके से संचालित करने पर जोर दिया।

सुरक्षा प्रभाग के विशेष पुलिस आयुक्त दिपेंद्र पाठक ने कहा, चुनाव के दौरान फुल प्रुफ वीआईपी सुरक्षा सुनिश्चित करने में पुलिस के सामने आने वाली चुनौतियों और चुनाव प्रचार के दौरान वीआईपी कार्यक्रमों को पेशेवर तरीके से संभालने की रणनीतियों पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में सुरक्षा व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के अधिकारियों द्वारा प्रस्तुति और विचार-विमर्श शामिल था।

हथियार तस्कर गिरफ्तार, आठ सेमी आटोमेटिक पिस्टल जब्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव से पहले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर आठ अर्ध-स्वचालित पिस्तौल और 80 कारतूस जब्त किए हैं। आरोपी की पहचान अदनान के रूप में हुई है। जो डकैती के मामले में जेल में रहने के दौरान कथित तौर पर अन्य अपराधियों के संपर्क में आया और उनकी विलासितापूर्ण जीवनशैली से प्रभावित हो गया था।

पुलिस उपायुक्त जॉय टिर्की ने कहा, दो अप्रैल को सूचना मिली कि एक अपराधी पूर्वोत्तर के इलाके में अवैध आग्नेयास्त्रों की आपूर्ति कर सकता है। तुरंत एक टीम का गठन किया गया। टीम ने खेतन वाला मंदिर के पास के इलाके में जाल बिछाया। पुलिस टीम ने कंधे पर कैरी बैग लिए हुए एक व्यक्ति को देखा। उसकी पहचान अदनान के रूप में हुई और उसे पकड़ लिया गया। उसकी तलाशी के दौरान आठ अर्ध-स्वचालित पिस्तौल और 80 कारतूस बरामद किए गए। टिर्की ने कहा कि आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पूछताछ के दौरान अदनान ने कथित तौर पर अपना अपराध स्वीकार कर लिया और आगे खुलासा किया कि उसने दिल्ली और एनसीआर के अपराधियों को आपूर्ति करने के लिए उत्तर प्रदेश के खुर्जा जंक्शन से आग्नेयास्त्र खरीदे थे। उसकी मुलाकात हाशिम बाबा से हुई थी जो जेल में है और अदनान के जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद भी लगातार उसके संपर्क में है।

गुरुग्राम में किडनी ट्रांसप्लांट के अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़

बिना ब्लड ग्रुप मिलाए ही कराते थे किडनी ट्रांसप्लांट

सीएम फ्लाइंग स्क्वायड व स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त कार्रवाई

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-39 स्थित होटल बाबिल में अवैध रूप से किडनी ट्रांसप्लांट मामले में जांच करती सीएम फ्लाइंग, स्वास्थ्य विभाग व पुलिस टीम।

गुरुग्राम के सेक्टर-39 स्थित होटल बाबिल में बरामद किए गए पासपोर्ट।

मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में अंतराष्ट्रीय स्तर के किडनी ट्रांसप्लांट गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। सीएम फ्लाइंग स्क्वायड व स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त कार्रवाई में पता चला कि मरीज व डोनर का बिना कोई ब्लड ग्रुप मिलाए ही किडनी ट्रांसप्लांट कर दी जाती थी। इस गिरोह के तार राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित फोर्टिस अस्पताल से जुड़े हैं। गुरुवार को इस कार्रवाई में छापेमारी टीमों ने कई साक्ष्य जुटाए। अवैध रूप से किडनी ट्रांसप्लांट की सीएम फ्लाइंग को गुप्त सूचना मिली थी। स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मिलकर सीएम फ्लाइंग ने सेक्टर-39 स्थित बाबिल नाम के होटल में छापेमारी की। छापेमारी में पता चला कि बांग्लादेश से किडनी डोनर को जयपुर ले जाया जाता था। वहां पर अवैध रूप से किडनी ट्रांसप्लांट कराई जाती थी। गेस्ट हाउस में किडनी ट्रांसप्लांट करा चके व ट्रांसप्लांट कराने वाले चार डोनर व मरीज भी पकड़े गए। जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट के लिए मरीजों से 10-12 लाख रुपये वसूले जाते थे। जो व्यक्ति किडनी डोनेट करता था, उसे मात्र 2 लाख रुपये ही दिए जाते थे। इस अंतरराष्ट्रीय गिरोह का मुख्य आरोपी संचालक मोहम्मद अंसारी फरार है।

अस्पताल के कर्मचारियों की मिलीभगत से होता था काम : आरोपियों से सीएम फ्लाइंग व गुरुग्राम स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके से पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि मोहम्मद अंसारी नामक का युवक सभी लोगों को गुरुग्राम के इस होटल में लेकर आया था। मरीजों को किडनी ट्रांसप्लांट करने के लिए जयपुर के फोर्टिस अस्पताल ले जाया जाना था। दो मरीजों को वहां से किडनी ट्रांसप्लांट करवाकर वापस लाया गया था। खास बात यह है कि किडनी ट्रांसप्लांट का यह खेल बिना मरीज व डोनर का ब्लड ग्रुप मिलाए ही खेला जा रहा था। जो कि मरीज की जान के लिए घातक है। आरोपी मरीज व डोनर के कागजों में हेराफेरी कर देते थे। जयपुर के फोर्टिस अस्पताल के कर्मचारियों की मिलीभगत का भी अंदेशा जताया जा रहा है। इसके लिए पुलिस टीम अस्पताल जाकर जांच-पड़ताल करेगी। गुरुग्राम के सिविल सर्जन डा. विरेंद्र यादव ने इस मामले की पुष्टि करते हुए मीडिया से जानकारी सांझा की। उन्होंने कहा कि मौके पर मरीजों को पकड़ा गया है और उनकी मेडिकल रिपोर्ट देखी गई।

अतिरिक्त निगमायुक्त ने किया जलभराव के संभावित स्थानों का दौरा

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह ने गुरुवार को जलभराव के संभावित स्थानों का दौरा किया। उन्होंने नगर निगम गुरुग्राम द्वारा जलनिकासी के लिए किए जा रहे कार्यों में और अधिक तेजी लाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। डा. सिंह सुबह 11 बजे ओल्ड दिल्ली रोड पर पहुंचे।

गुरुग्राम में जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण करते नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह।

डूंडाहेड़ा के पास नगर निगम गुरुग्राम द्वारा ड्रेन का निर्माण किया जा रहा है। अतिरिक्त निगमायुक्त ने मौके पर पहुंचकर चल रहे कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित सहायक अभियंता प्रेमसिंह को निर्देश दिए कि ड्रेनेज निर्माण कार्य मानसून से पूर्व पूरा किया जाए, ताकि बरसात होने पर पानी की बेहतर निकासी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि अधिकारी निर्माण कार्य में और अधिक तेजी लाएं तथा ड्रेनेज निर्माण के साथ-साथ उसकी सफाई भी सुनिश्चित की जाए। इसके बाद वे बसई-हरसरू रोड पर पहुंचे। वहां पर भी नगर निगम गुरुग्राम द्वारा बरसाती पानी की निकासी के लिए ड्रेनेज का निर्माण किया जा रहा है। डा. सिंह ने यहां उपस्थित अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करवाएं। उन्होंने बसई चौक पर गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे ड्रेनेज निर्माण का भी जायजा लिया। डा. सिंह ने कहा कि मानसून से पूर्व जलनिकासी के सभी पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित होने जाने चाहिएं, ताकि बरसात आने पर पानी की निकासी निर्बाध रूप से हो सके और जलभराव की समस्या ना आए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अगर कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बरती जाती है या देरी की जाती है, तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में शुरू होंगे 6 नए रोजगारपरक कोर्स

गुरुग्राम। बदलते दौर में रोजगारपरक कोर्स की बढ़ती मांग को देखते हुए गुरुग्राम यूनिवर्सिटी ने नई शिक्षा नीति के अनुरूप नए शैक्षणिक सत्र 2024-25 से 6 नए कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया है। जिससे छात्रों को डिग्री के साथ-साथ कौशल का प्रशिक्षण भी मिलेगा। गुरुग्राम विवि के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि नए शैक्षणिक सत्र से गुरुग्राम विवि में मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी (न्यूरोलॉजी), एमएससी जूलॉजी, एमएससी बॉटनी एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, बीबीए एलएलबी (इंटीग्रेटेड), एमए (विज्ञापन एवं जनसम्पर्क) जैसे कोर्स शुरू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ये सभी कोर्स रोजगार उन्मुख और स्किल आधारित होंगे। इन कोर्स के जरिए छात्रों को रोजगार मिलना आसान होगा। समय के साथ जरूरतों में बदलाव होता है। इन जरूरतों को ध्यान में रखकर गुरुग्राम विवि ने नए कोर्स की शुरुआत करने का फैसला किया है। स्किल ओरिएंटेड हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए ये नए कोर्स करियर की दृष्टि से काफी फायदेमंद सिद्ध होंगे। इन सभी पाठ्यक्रमों को यूनिवर्सिटी की एसी और ईसी ने मंजूरी दे दी है।

निरंकारी कॉलेज में दो दिवसीय एथेलिस्ट खेल प्रतियोगिता शुरु

गुरुवार को सोहना में स्थित निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह मैमोरियल कॉलेज में दो दिवसीय एथेलिस्ट खेल प्रतियोगिता का मिशाल जला व रिबन काटकर शुभारंभ करते हुए प्रधानाचार्य डीपी सिंह।

सोहना। शहर में स्थित निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह मैमोरियल कॉलेज में दो दिवसीय एथेलिस्ट खेल प्रतियोगिता शुरु की गई। जिसमें पहले दिन 7 से 8 अलग-अलग प्रतियोगिताएं कराई गई। गुरुवार को स्थानीय निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह मैमोरियल कॉलेज में दो दिवसीय एथेलिस्ट खेलकूद प्रतियोगिता का शुरुआत की गई। जिसका उद्घाटन कॉलेज प्रधानाचार्य डॉक्टर डीपी सिंह ने रिबन काटकर की गई। इस अवसर पर प्रतियोगिता को मिशाल जलाकर शुरु किया। इस अवसर पर कॉलेज प्रधानाचार्य डॉक्टर डीपी सिंह ने कहा कि खेल को खेलों के तरीके से खेलना चाहिए। मनुष्य अनुशासन, दृढ़ता, करुणा और समर्पण की अपनी सीमाओं को परखता है। प्रतियोंगिता में विद्यार्थियों पूरे जोश और बढ़चढ़ कर भाग लिया। पहले दिन खेलो की शुरुआत मार्च पास्ट से की गई। एनएसएस और एनसीसी के विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट में भाग लिया। उसके बाद गुरुवार को 800 मीटर, 200 मीटर की दौड़ के अलावा कॉलेज स्टाफ की 100 मीटर की दौड़ भी कराई गई। जवेलीन थ्रो, लंबी कूद, छोटी कूद, रस्सी कूद आदि अन्य प्रतियोगिताएं कराई गई। पहले दिन सम्पन्न हुई प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किए गए।

पटवारी ने रिश्वत के रूप में लिए दो लाख रुपए

तावडू। नूंह जिले में राजस्व विभाग से एक और भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है।नूंह के घासेड़ा हल्का के सरप्लस पटवारी पर भूमि का मालिकाना हक दिलवाने के नाम पर दो लाख रुपये की लेने का आरोप है। आरोपी पटवारी के विरुद्ध नूंह सदर थाना पुलिस ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। गांव संगेल के रहने वाले हजारी सिंह ने बताया कि वह सरप्लस पटवारी भगतराम को निजी तौर पर जानते थे।करीब दो साल पहले भगत राम पटवारी ने उन्हें बताया कि गांव में जिन व्यक्तियों के नाम सरप्लस भूमि अलोट है वह एसडीम से मिलकर भूमि का मालिकाना हक दिलवा देंगे।जिसकी एवज में उन्होंने दो लाख रुपए प्रति एकड़ की दर से रिश्वत मांगी थी।आरोप है कि बीते साल जून माह में तत्कालीन सरप्लस पटवारी भगतराम को सरकारी क्वार्टर में दो लाख रिश्वत के रूप में दिए थे।दावा है कि रिश्वत के रुपए देने के दौरान उन्होंने एक वीडियो भी बना ली थी। पीड़ित को पटवारी ने उन्हें झूठा आश्वासन दिया था।काम नहीं हुआ तो उन्होंने रुपए लौटने की मांग रखी।लेकिन पटवारी रुपये लौटाने से मना करने लगा। बीते 5 मार्च को हजारी सिंह ने नूंह डीसी को इस संदर्भ में शिकायत दर्ज कराई थी।इस मामले में सदर थाना पुलिस ने आरोपी पटवारी के भगतराम के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। जो अब फरार बताया गया है।

नाबालिग छात्रा का अश्लील वीडियो बनाकर किया वायरल

तावडू। उपमंडल के अंतर्गत एक गांव की 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा का सहपाठी द्वारा इंस्टाग्राम के माध्यम से अश्लील वीडियो बनाने और साथियों के सहयोग से वायरल कर जान से मारने की धमकी और दुष्कर्म करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।नूंह महिला थाना पुलिस ने पांच के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।सभी आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। नूंह पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक तावडू उपमंडल के एक गांव की रहने वाली 14 वर्षीय नाबालिग नवीं कक्षा की छात्रा है। जिसके सहपाठी ने झांसे में लेकर झूठी दोस्ती की।फिर इंस्टाग्राम आईडी के माध्यम से अश्लील वीडियो बनाया।बनाए गए अश्लील वीडियो को अन्य साथियों को साझा कर दिया।आरोप है कि अश्लील वीडियो नाम पर ब्लैकमेल कर नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।साथ ही किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।सभी आरोपियों ने मिलकर अश्लील वीडियो को वायरल करने के नाम पर ब्लैकमेल करने लगे।परेशान नाबालिग छात्रा ने सारी स्थिति परिजनों को बताइ।जिन्होंने आरोपी पक्ष के परिजनों से एतराज जताया तो गंभीरता से नहीं लिया गया। उल्टे उन्हें ही डरा धमकाकर भगा दिया।महिला थाना पुलिस ने पीडित छात्रा की मां के बयान पर पांच आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।जिनमे तीन नाबालिग बताए गए हैं। इस संदर्भ में नूंह महिला थाना प्रभारी माया ने वारदात की पुष्टि तो की लेकिन गिरफ्तारी के सवाल पर चुप्पी साथ ली।

मुंबई पुलिस का फर्जी अधिकारी बन गुरुग्राम की महिला से ठगे 20 लाख रुपये

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम पुलिस द्वारा गिरफ्तार साईबर ठगी के आरोपी।

साइबर ठगों की हिम्मत देखिये कि मुंबई पुलिस का अधिकारी बनकर एक पार्सल को गैर कानूनी बताया। उसे क्लीयरेंस देने के लिए 20 लाख रुपये की ठगी कर ली। हकीकत यह है कि ऐसा कोई पार्सल था ही नहीं। महिला को ठगी का शिकार बनाने वाले तीन आरोपियों को गुरुग्राम पुलिस ने दबोचा है। वे ठगी की रकम लेने के लिए फर्जी बैंक खाते का इस्तेमाल करते थे। सहायक पुलिस आयुक्त साईबर प्रियांशु दीवान ने गुरुवार को बताया कि आरोपी राजस्थान के रहने वाले हैं।

पुलिस के अनुसार 23 मार्च 2024 को थाना साईबर अपराध मानेसर में एक महिला ने शिकायत देकर कहा था कि 22 मार्च को उसके पास किसी अनजान व्यक्ति ने फेडेक्स पार्सल के नाम से कॉल की। उसने मुंबई पुलिस के किसी अधिकारी का नाम लेकर उस अधिकारी से बात करवाई। हालांकि वह अधिकारी फर्जी था।

उसने पीड़ित महिला से कहा कि उसका पार्सल गैर-कानूनी गतिविधि से संबंधित है। इसे पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट देने के लिए 20 लाख रुपये देने होंगे। महिला ने 20 लाख रुपये उनके द्वारा दिए गए बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिए। इस तरह से महिला के साथ साइबर ठगी हो गई। इस मामले में पुलिस ने थाना साईबर अपराध मानेसर के प्रबंधक निरीक्षक सुनील कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दो आरोपियों को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान आशुतोष उर्फ रोहित निवासी बिश्नोईयों की ढाणी मनाना जिला नागौर (राजस्थान) व मोहित निवासी श्याम कॉलोनी परबतसर जिला नागौर (राजस्थान) के रूप में हुई।

दो दिन बाद शुरु हुई गेहूं की सरकारी खरीद

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

स्थानीय अनाज मंडी में सरकारी खरीद के दो दिन बाद तीसरे दिन एजेंसी ने गेहूं खरीदा। खरीद के पहले दिन करीब 390 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई। एक अप्रैल से स्थानीय अनाज मंडी में गेहूं की सरकारी खरीद शुरु हो गई थी। लेकिन गेहूं की आवक कम होने तथा गिला होने के कारण सरकारी एजेंसी ने गेहूं की सरकारी खरीद नहीं की। जिसके कारण किसान मायूस होने लगे थे। लेकिन किसानों द्वारा मंडी में बिक्री के लिए लाया गया गेहूं में नमी की मात्रा अधिक होने के कारण सरकारी एजेंसी खरीद नही कर सकी। मंडी में किसानों द्वारा बिक्री के लिए लाया गया गेहूं दो दिन तक यहा की फड पर सूखाया गया। गेहूं सूखने के बाद ही सरकारी एजेंसी हेफेड ने गेहूं को सरकार द्वारा तय समर्थन मूल्य 2375 रुपये क्विंटल की दर से खरीद लिया।

बुधवार को खरीदा 395 क्विंटल गेहूं : स्थानीय मंडी में सरकार ने हरियाणा वेयर हाउस कॉर्पोरेशन वर्कर्स यूनियन और हेफेड को गेहूं की सरकारी खरीद के लिए लगाया है। बुधवार को हेफेड ने अपने नंबर पर गेहूं की सरकारी खरीद की शुरुआत करते हुए पहले दिन ही 395 क्विंटल गेहू खरीदा। गेहूं की सरकारी का खाता खुलने के साथ ही किसानों के मुर्झाएं चेहरों पर चमक आग गई।

सोहना की अनाज मंडी में सरकारी खरीद के लिए गेहूं की आवक हुई शुरु।

> **अभी** गेहूं की आवक स्थानीय मंडी में कम हो रही है। सरसों का पीक समय चल रहा है। अलगे सप्ताह से गेहूं की आवक में तेजी आएगी। तब तक किसानों द्वारा गेहूं की फसल कट और अच्छे से सूख भी जाएगी।
>
> **(मुकेश कुमारी-खरीद अधिकारी हेफेड़)**

मोटरसाइकिलों की टक्कर में 65 वर्षीय व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

फिरोजपुर झिरका। दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में 65 वर्ष व्यक्ति बुरी तरह से घायल हो गया जिसे फरीदाबाद के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया डॉक्टर के मुताबिक सर में गहरी चोट होने के कारण उनका ऑपरेशन किया गया है 45 घंटे बाद उनकी स्थिति का पता लगेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोज की तरह हरिओम गोयल पुत्र कपूर चंद गोयल उम्र 65 साल शिव मंदिर रोड पर पक्षियों के लिए दाना डालने जाते थे आज भी प्रात: बृहस्पतिवार को 8:00 बजे वह घर से मोटरसाइकिल पर पक्षियों के लिए दाना डालने के लिए जा रहे थे अभी वह झिर रोड पर पहुंचे ही थे पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल मैं उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी जिससे हरिओम गोयल वहीं पर बेहोश हो गए और उनके नाक व

कान से खून बहाना लगा वहां जा रहे किसी व्यक्ति ने उनके घर परिवार पर फोन कर दिया परिवार वालों ने तुरंत ही उन्हें गाड़ी की सहायता से फरीदाबाद के एक निजी अस्पताल में दाखिल करवाया डॉक्टर ने बताया कि उनके सर में गहरी चोट है थोड़ी देर बाद डॉक्टरों ने उनके सर का ऑपरेशन किया और 45 घंटे तक स्थिति सामान्य देखने के लिए कहा है। डॉक्टर के मुताबिक अभी हालत खतरे में है।

छात्राओं को पढ़ाया दांत सुरक्षित रखने का पाठ

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला के छात्राओं को दंत रोग विशेषज्ञ ने दांतों को सुरक्षित रखने का पाठ पढ़ाया। इस अवसर पर छात्राओं की ड्राइंग प्रतियोगिता कराई। प्रतियोगिता में श्रेष्ठ पांच छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा 20 मार्च से शुरु किया स्वास्थ्य मुख पखवाड़े के तहत गुरुवार को नागरिक अस्पताल से दंत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सुनीता दहिया ने छात्राओं को दांतों को सुरक्षित रखने के गुरु बताएं। डॉक्टर सुनीता दहिया ने राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला में जाकर कक्षा प्रथम से पांच में पढ़ने वाली छात्राओं को दंत रोग से लेकर निरोग बनाने के तरीके व सुझाव बताए। दंतों में रोक कैसे और कब लगता है। दंतों के रोग कितने प्रकार के होते है। दंतों में ब्रुस कब,कब करना चाहिए। दांतों को ब्रुस से साफ करने के तरीका तक बताया। ताकि गलत तरीके से ब्रुस करने से मसूढ़ों को नुकसान नहीं हो सके।

इस अवसर पर छात्राओं की ड्राइंक प्रतियोगिता कराई। जिसमे 30 छात्राओं ने भाग लिया। प्रथम पांच स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मनित किया। इसके अलावा ड्राइंग प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रत्येक छात्रा को पुरस्कार रंग और अन्य उपयोगी सामान देकर उत्साहित किया।

इस अवसर पर डॉक्टर सुनीता दहिया द्वारा छात्राओं से सवाल पूछे। जिनका छात्राओं ने जबाव दिया। स्कूल प्रधानाचार्य जयवीर सिंहए उपप्रधानाचार्य प्रीतिए आशा वर्कर्स बाला आदि ने छात्राओं को पुरस्कार दिलाने में सहयोग दिया।

गुरुवार को सोहना के राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला में हुई ड्राइंक प्रतियोगिता में श्रेष्ठ छात्राओं को सम्मानित करते हुए।

एसडीएम संजीव कुमार ने अनाज मंडी तावडू का दौरा कर लिया खरीद प्रक्रिया का जायजा

नूंह। एसडीएम तावडू संजीव कुमार ने वीरवार को नई अनाज मंडी, तावडू का दौरा किया। इस मौके पर उनके साथ डीएसपी तावडू मुकेश कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने अनाज मंडी मे अपनी फसल बेचने आये हुए किसानो से मिलकर उनसे खरीद प्रक्रिया में किसी प्रकार की कोई आ रही समस्या बारे वार्ता की व किसानो को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। सभी आगन्तुक किसान की जा रही खरीद व दी जा रही सुविधाओं से सन्तुष्ट पाये गये। इस दौरान अधिकारीगण नें आगन्तुक किसानों को सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता (स्वीप) की भी उन्हे जानकारी दी तथा उनको आगामी मतदान दिवस 25 मई 2024 को होना है।

तनाव भरे जीवन के बीच अंधेर नगरी नाटक देख लोट-पोट हुए दर्शक

गुरुग्राम। सप्तक कल्चरल सोसाइटी के प्रसिद्ध हास्य नाटक अंधेर नगरी का स्थानीय रंग परिवर्तन स्टूडियो आचार्यपुरी में 12वां सफल मंचन किया गया। तनाव भरे माहौल, जीवन के बीच इस नाटक के माध्यम से कलाकारों ने दर्शकों को खूब हंसाया। रंग परिवर्तन स्टूडियो के संचालक राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के स्नातक महेश वशिष्ठ के मुताबिक इस नाटक का आयोजन शहर के सुधिजनों के विशेष आग्रह पर किया गया। हिंदुस्तान में नाटक के पितामह भारतेंदु हरिश्चंद्र द्वारा लगभग 150 साल पहले लिखे गए अंधेर नगरी का निर्देशन और पुनर्लेखन विश्व दीपक त्रिखा ने किया। सह-निर्देशन अविनाश सैनी ने किया। नौटंकी शैली में प्रस्तुत एक घंटे का यह नाटक दर्शकों की भरपूर तालियां बटोरने में कामयाब रहा। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के 1979 बैच के स्नातक युवराज शर्मा, वरिष्ठ रंगकर्मी अर्जुन वशिष्ठ और वरिष्ठ रंगकर्मी और फिल्म निर्माता विजय भटोटिया नाट्य संध्या में विशिष्ठ अतिथि के रूप में पधारे।

आयोजक महेश वशिष्ठ ने कलाकारों के सजीव अभिनय की सराहना करते हुए निर्देशक विश्व दीपक त्रिखा के काम को भी सराहा। अंधेर नगरी एक ऐसे राज्य की कहानी है, जिसमें मूर्ख और बुद्धिमान, सभी को बराबर माना जाता है। इसीलिए वहां सभी सामान टके सेर मिलता है। फिर चाहे वह सोना हो या भूसा। वहां का राजा चौपट खुद बेवकूफ है। नाटक में चेले की मुख्य भूमिका निभाते

गुरुग्राम में नाटक अंधेर नगरी का विमोचन करते कलाकार।

हुए अविनाश सैनी ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। डॉ. सुरेंद्र शर्मा ने गुरू और मंत्री, ललित खन्ना ने राजा और पान वाले की भूमिका बखूबी निभाई। जगदीप जुगनू ने कारीगर और सब्जी वाले की, उर्वशी विराट ने फूल वाली और फरियादन की तथा चारु ने नटी और नर्तकी की भूमिका अदा की। मिठाई वाला और भिश्ती की भूमिका में शक्ति सरोवर त्रिखा, चने वाला, गडरिया और द्वारपाल की भूमिका में समीर शर्मा, द्वारपाल दो व कसाई के किरदार में मनीष खरे, कल्लू बनिया के रूप में अनिल शर्मा तथा कोतवाल की भूमिका में जुगनू ने दर्शकों के दिलों पर छाप छोड़ी। ज्योति वशिष्ठ ने प्रोडक्शन का कार्य संभाला। संगीत सुभाष नगाड़ा और मेकअप अनिल शर्मा का रहा। लाइट एंड साउंड का संचालन सिद्धार्थ सोसर्ग ने किया।

जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के खिलाफ लोगों का फूटा गुस्सा, मटका फोड़ प्रदर्शन किया, जमकर की नारेबाजी

ललित कुमार गर्ग। पुन्हाना

जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियो व कर्मचारियों की मनमानी लापरवाही के चलते क्षेत्र में गंदे पानी की सप्लाई के साथ लगभग आधा दर्जन से अधिक वार्डो में पेयजल सप्लाई बांधित हुई पड़ी है। लगातार स्थानीय विभाग अधिकारियो से समस्या समाधान की गुहार लगाने के बाद कोई सुनवाई करने की बजाय विभाग के कर्मचारी अनदेखी करने में लगे हुए है।

बीते दिन पटाकपुर रोड स्थित धार्मिक स्थलों के साथ साथ वार्डवासियो को हो रही समस्या को लेकर पहुंचे विभाग के जेई ने समस्या का समाधान करने की बजाय लोगो से झूठे मुक़ददमे में फंसाने की धमकी दे डाली। जिससे लोगो में जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियो व कर्मचारियों के खिलाफ आक्रोश पैदा हो गया। वीरवार को सैकड़ो महिलाओ और

दूषित पेयजल समस्या से परेशान जन स्वास्थ्य विभाग में मटका फोड़ पर प्रदर्शन करते हुए।

पुरुषों की भीड़ नाथियादेवी धर्मशाला से एकत्रित होकर जेई एसडीओ सहित भृष्ट प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जनस्वास्थ्य विभाग कार्यालय पहुंचे, जहाँ आक्रोशित महिलाओ ने मटका फोड़ प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। कार्यालय में एसडीओ व जेई अनुपस्थित मिले। प्रदर्शन की सूचना पाकर पुन्हाना सिटी व थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जिन्होंने प्रदर्शनकारियो का समझाने का प्रयास भी किया, लेकिन उपस्थित भीड़ ने जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियो के आने पर उनकी समस्या समाधान करने के बाद प्रदर्शन समाप्त करने की बात कही। लगभग डेढ़ दो घंटे बीत जाने के बाद उपमंडल अधिकारी (ना.) लक्ष्मी नारायण ने फोन के माध्यम से तथा एसडीओ सुमित सोनी के कार्यालय में आने के बाद जल्द समस्या समाधान के दिये आश्वासन के बाद लोगो ने प्रदर्शन समाप्त किया।समाजसेवी धर्मवीर सैनी, कुँवर पाल सैनी, सुभाष भगत जी, नगर पार्षद रवि साहू, पार्षद खेमचंद सैनी, फूल सिंह दिवाकर, विजेंद्र साहू, राकेश राजस्थानी, भगवत सैनी, महिला दयावती, हेमलता, भगवान देवी आदि ने बताया कि जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियो और कर्मचारियों की मनमानी लापरवाही के कारण पुन्हाना शहर में पूरी तरह पानी की किल्लत बनी हुई है। पटाकपूर मार्ग स्थित धार्मिक स्थलों के अलावा वहां के निवासियो को गंदे पानी की सप्लाई की जा रही थी, पानी इतना गंदा और बदबूदार था कि पीना और नहाना तो दूर बरतनो मे भरने के बाद बदबू उठती है।

विभागीय अधिकारियो को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन यहां के अधिकारी सरकार से आने वाली जनहित नीतियों के नाम पर बिल बनाने और सरकार राशियों को चुना लगाने में व्यस्त रहते है। आरोप है कि गंदे पानी की समस्या को लेकर की गई शिकायतों के बाद जब जेई मौके पर पहुंचे तो उन्होंने अभद्र व्यवहार से पेश आते हुए समस्या समाधान करना तो दूर शिकायत करने वालो के खिलाफ मुक़ददमा दर्ज कराने की धमकी की।

राज्यस्तरीय सांस्कृतिक उत्सव में अनेक कॉलेज के छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

महाविद्यालय में सांस्कृतिक उत्सव उडान 2.0 का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

गुरुवार को सरस्वती महिला महाविद्यलाय पलवल में दो दिवसीय राज्य स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव उडान-2.0 का आयोजन आईक्यूएसी व सांस्कृतिक समिति के अंतर्गत किया गया। सांस्कृतिक उत्सव के मुख्य अतिथि प्रोफेसर दिनेश कुमार, वाइस चांसलर गुरुग्राम विश्वविद्यालय व सम्मानित अतिथि अतुल मंगला, महाविद्यालय प्रधान व अतिरिक्त महाधिवक्ता, हरियाणा रहे।

उत्सव का आरंम्भ मुख्य अतिथि सम्मानित अतिथि, उप प्रधान अनिल मोहन मंगला, सचिव हेमचंद मंगला, डायरेक्टर मनीषा मंगला, महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. वंदना त्यागी द्वारा दिवंगत संस्थापकों की प्रतिमाओं पर मल्यापर्ण करके किया गया। उसके बाद अतिथियों व गणमान्य शिक्षाविदों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित व पुष्प अर्पित किए गए।

छात्राओं द्वारा सरस्वती, वंदना वंदेमातरम व नृत्य की प्रस्तुति दी गई। अतुल मंगला व प्राचार्य द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत स्मृति चिन्ह प्रदान करके किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य के माध्यम से छात्राओं को कठिन परिश्रम, स्वास्थ्य तथा कलात्मकता के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक बताया तथा छात्राओं को कठिन परिश्रम करने के लिए प्रोत्साहित किया। अतुल मंगला के लिए छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास के लिए प्रोत्साहित किया।तत्पश्चात प्राचार्या ने महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट द्वारा महाविद्यालय की उपलब्धियों से अवगत करवाया।

उत्सव के प्रथम दिन मे गीत, भजन, गजल, उर्दू कविता पाठ, हिंदी कविता पाठ, मेंहदी प्रतियोगिता, हिंदी व अंग्रेजी श्रेष्ठ वक्तव्य व सलाद डेकोरेशन आदि प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया। उत्सव में 12 प्रतियोगिताएं व पांच मंचों का आयोजन किया गया। राज्य के लगभग 20 महाविद्यालयों व लगभग 160 विद्यार्थियों ने बढ चढ़कर उत्सव में भाग लिया। उत्सव का मंच संचालन डॉ. सोनिया भारद्वाज व संचालन आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. वंदना त्यागी, संयोजक डॉ. लक्ष्मी गुप्ता, आयोजक सचिव शुभ्रा द्वारा सफतापूर्वक किया गया।

पुलिसकर्मियों को दौड़ा दौड़ाकर जूतों से पीटा, तीन आरोपी गिरफ्तार

स्विमिंग पूल में हुड़दंग मचा रहे युवकों को रोकने गए थे

पुलिस कर्मचारियों की पिटाई का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। पुलिसकर्मी स्विमिंग पूल में हुड़दंग कर रहे युवकों को रोकने गए थे। वहां पर भड़के युवकों ने पुलिस के जवानों को थप्पड़ तो जड़े ही, साथ में जूतों से भी धुनाई की। पुलिस ने इस मामले में तीन युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

जानकारी के अनुसार वारदात थाना खेड़ी पुल इलाके में 21-22 मार्च की रात की बताई गई है। 12 दिन बाद अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो लोगों को इसका पता चला। दरअसल, डायल 112 की टीम को रात 12 बजे सूचना मिली थी कि सेक्टर-86 में स्थित स्विमिंग पूल में शराब पीकर 15 से 20 युवक डीजे बजाकर हंगामा कर रहे हैं। इस पर टीम मौके पर पहुंची और युवकों को डीजे बंद करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने डीजे बंद नहीं किया और पुलिस टीम के साथ गाली गलौच कर मारपीट करने लगे। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में दिखाई दे रहा था कि पुलिस के दो जवान, जोकि डायल 112 की गाड़ी पर तैनात थे, युवकों से बातचीत कर रहे थे। युवक पुलिस से शुरू में तो बहस करते हैं, लेकिन साथ ही धक्कामुक्की भी करने लगते हैं। युवक शराब के नशे में बताए जा रहे हैं। पुलिस उनसे बचने के लिए कई बार पीछे हटती है, लेकिन युवक पुलिस पर हमला कर देते हैं। उन पर थप्पड़-मुक्के तो बरसाते ही हैं, साथ में उनको जूते से मारते हैं।

फरीदाबाद पुलिस के प्रवक्ता सूबे सिंह ने पुलिस कर्मियों से हुई मारपीट की पुष्टि की है। वारदात को लेकर उन्होंने कहा कि वायरल हो रही इस वीडियो के मामले में केस दर्ज कर तीन युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इस वारदात में कुछ पुलिस कर्मियों को भी चोटें आई थी। पुलिस केस से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

मां ने 13 साल की बेटी की हत्या कर खुद फांसी लगा जान दी

पुलिस को मिले सुसाइड नोट में किसी को नहीं ठहराया जिम्मेदार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-29 हुडा सेक्टर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक मां ने पहले अपनी 13 साल की बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी और इसके बाद खुद भी फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। पुलिस यह पता लगाने में लगी है कि महिला ने अपनी बेटी की हत्या और खुदकुशी क्यों की।

जानकारी के मुताबिक 39 वर्षीय यशोदा 29 हुडा सेक्टर के कम्युनिटी सेंटर के पास किराये मकान में रहती थी। उसके पति एन प्रताप गुरुग्राम में हुंडई कंपनी में काम करते हैं। महिला के पास उसकी 13 साल की बेटी वैष्णवी रहती थी, जो कक्षा नौ में पढ़ती थी। बताया जाता है कि दोपहर यशोदा ने पहले अपनी बेटी वैष्णवी की गला घोटकर हत्या की और बाद में खुद भी फांसी के फंदे से लटक कर जान दे दी। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से नीचे उतरवाया और दोनों मां बेटी के शवों को पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान सिविल अस्पताल भिजवाया। मौके पर पहुंची पुलिस को एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है। यह सुसाइड नोट कन्नड़ भाषा में लिखा हुआ है। पुलिस ने सुसाइड नोट को महिला के पति से ही पढ़वाया। जिसमें महिला ने बेटी की हत्या और आत्महत्या के लिए उसने किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। घटना के वक्त महिला का पति एन प्रताप ड्यूटी पर गया हुआ था। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में लगी है कि महिला ने अपनी बेटी की हत्या और उसके बाद खुद आत्महत्या क्यों की।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने निकाली मतदान जागरूक रैली

फरीदाबाद। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार स्वीप एक्टिविटी के तहत मतदाता जागरूकता अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने एरिया में मतदाताओं को 18वीं लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए जागरूकता रैली निकाली। मतदाता जागरूकता रैली में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने महिलाओं को मतदान में भागीदारी देने के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि मतदान हमारा लोकतांत्रिक अधिकार है। इसलिए विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में प्रजातंत्र प्रणाली के जरिये सभी पात्र लोगों को अपना वोट बनवाना चाहिए तथा मतदान जरुर करना चाहिए।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रजातंत्र प्रणाली में मतदान जितना पुरुषों के लिए जरूरी है, उतना ही महिलाओं के लिए भी जरूरी है। यह वोट ही हमें सरकार चुनने की ताकत देता है। सभी मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग करना चाहिये। महिलाएं समाज निर्माण करने में अपना भरपूर सहयोग दे सकती है।

पेंट कंपनी के गोदाम का ताला तोड़कर चार लाख का पेंट चोरी

सीसीटीवी में चोरी करते दिखे युवक

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पेंट कंपनी के गोदाम का ताला तोड़ कर चोरों ने लाखों रुपये का पेंट चोरी कर लिया। चोरों की यह वारदात गोदाम में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। मुंडकटी थाना पुलिस ने गोदाम में ड्यूटी करने वाले कर्मचारी की शिकायत पर चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान के प्रयास हो रहे हैं।

मुंडकटी थाना प्रभारी सुंदरपाल के अनुसार, हताना गांव निवासी लोकेश ने दी शिकायत में कहा है कि वह जेएसडब्लू पेंट्स प्राइवेट कंपनी के बंचारी गांव के निकट स्थित गोदाम में नौकरी करता है। गोदाम से रात के समय चोर ताला तोड़कर 20 लीटर पेंट के 20 ड्रम, चार लीटर के 15 बॉक्स, एक लीटर के 20 बॉक्स चोरी कर ले गए। इनकी बाजार में कीमत करीब 4 लाख रुपए बताई गई है।

लोकेश ने शिकायत में कहा है कि जब वह सुबह ड्यूटी पर पहुंचा तो देखा की गोदाम का एक गेट खुला हुआ था और साइड से जाली भी कटी हुई थी। उसने जब उक्त स्थान पर जाकर देखा तो वहां पर एटीएम की दो पर्ची पड़ी मिली, जो शायद चोरों की हो सकती है।

पुराना स्कूटर खरीदने पर साढ़े तीन लाख की ठगी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

क्विकर ऐप पर दिए गए विज्ञापन के जरिए पुराना स्कूटर खरीदने पर एक व्यक्ति के साथ साढ़े तीन लाख रुपये की ठगी हो गई। आरोपियों ने अपने आप को सैनिक बताते हुए कहा कि उनका तबादला हो गया है इसलिए वह स्कूटर को बेच रहे हैं। ठगों के कहने पर पीड़ित ने दो ऐप को डाउनलोड कर लिया। एप डाउनलोड करने के बाद व्यक्ति के फोन को हैक करके उनके खाते से पैसे निकाल लिए। थाना साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर 11 निवासी संदीप कुमार त्यागी ने बताया कि उन्होंने क्विकर ऐप पर एक पुराना स्कूटर देखा था। उस स्कूटर को खरीदने के लिए उन्होंने अपना नाम व फोन नंबर आरोपियों को मैसेज कर दिए। आरोपियों ने कॉल करके अपना नाम बिजेंद्र कुमार और गजेंद्र सिंह बताया। आरोपियों ने कहा कि वह दिल्ली कैंट से बोल रहे हैं और उनका तबादला होने की वजह से वह स्कूटर को बेच रहे हैं। पीड़ित से आरोपियों ने कहा कि वह केवल 1500 रुपये किराये के दे।

अलग-अलग हादसों में दो की मौत

तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर

पलवल। दो स्थानों पर हुए दो सड़क हादसों में एक बुजुर्ग सहित दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों के परिजनों की शिकायतों पर दुर्घटनाओं को अंजाम देने वाले अज्ञात वाहन चालकों के मुकदमें दर्ज कर शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद उनके परिजनों को सौंप दिया। उटावड़ थाना प्रभारी टेक सिंह के अनुसार, मलाई गांव निवासी शाहिद रजा ने दी शिकायत में कहा है कि वह और उसका भांजा मोहम्मद अबरार उसके पास ही रहता है और दसवीं कक्षा का छात्र है। देर दोनों मामा-भांजे खेत से गेहूं की कटाई कर अपने घर मलाई लौट रहे थे। जब रास्ते में पेट्रोल पंप के सामने से गुजर रहे थे, तभी एक ईको कार तेज रफ्तार से आई और मोहम्मद अबरार में पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही उसके भांजे की मौत हो गई। उटावड़ थाना पुलिस ने मामा की शिकायत पर कार के अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया। चांदहट थाना प्रभारी दलबीर सिंह के अनुसार, कोराली गांव निवासी अतुल भाटी ने दी शिकायत में कहा है कि उसके 52 वर्षीय पिता राकेश कुमार प्राईवेट कंपनी में नौकरी करते थे। तीन अप्रैल को उसके पिता बाइक पर अपनी बहन के घर जाने के लिए कहकर गए थे।

शराब की थोड़ी मात्रा भी लिवर के लिए हानिकारक हो सकती है: डॉ पुनीत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शराब के सेवन से शरीर को होने वाले नुकसान के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए अप्रैल 'अल्कोहल अवेयरनेस मंथ' के रूप में मनाया जाता है। शराब पीने से लिवर पर पड़ने वाले असर पर महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए डॉ. पुनीत सिंगला, डायरेक्टर-लिवर ट्रांसप्लांट एवं एचपीबी सर्जरी, मैरिंगो एशिया अस्पताल फरीदाबाद ने कहा कि शराब पीने से लिवर के अंदर फैट जमा हो सकता है जिसे फैटी लिवर (लिवर का आकार बढ़ना) कहा जाता है।

अगर फैटी लिवर की समस्या बनी रहती है तो लिवर के अंदर सूजन आ जाती है। सूजन बने रहने के कारण यह फाइब्रोसिस या सिरोसिस का रूप ले सकता है। ओपीडी में महीने में लगभग 100 मरीज शराब पीने के कारण लिवर की खराबी के साथ आते हैं। इनमें से लगभग 10 प्रतिशत मरीजों में लिवर फेलियर का पता चलता है और उन्हें लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ती है। ज्यादातर मरीज 25-50 की उम्र के होते हैं। शुरुआत में लिवर खराब होने के लक्षण ज्यादा नहीं दिखाई देते हैं। सिर्फ अल्ट्रासाउंड में फैटी लिवर या लिवर टेस्ट में सूजन का पता चलता है। अगर लिवर फेलियर हो जाता है तो पीलिया, पैरों में सूजन, पेट में पानी, दिमाग पर असर, गफलत, मसल्स कम होना आदि तकलीफ हो सकती हैं।

बहुत लंबे समय तक या बहुत ज्यादा मात्रा में शराब का सेवन लिवर को खराब कर सकती है जिससे लिवर फेलियर हो सकता है और कुछ मरीजों को लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत भी पड़ सकती है। अगर सिर्फ फैटी लिवर है तो समय रहते शराब छोड़ दी जाए, अपनी सेहत का ध्यान रखा जाये तो डॉक्टर की सलाह से आपका लिवर फिर से ठीक हो सकता है। अगर आप शराब ज्यादा मात्रा में पीते हैं तो भी आपके लिवर को नुकसान पहुंचता है। भले ही कम मात्रा में पीते हैं तो भी आपको लिवर को नुकसान पहुंच सकता है।

अलग-अलग स्थानों से युवती सहित चार महिलाएं गायब

पलवल। जिले में विवाहित महिलाओं का संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। गत दिवस दो स्थानों से चार विवाहिता लापता हो गई। संबंधित थानों की पुलिस ने पतियों के बयान पर दो व तीन अप्रैल को मुकदमें दर्ज कर लापता विवाहिताओं की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अभी तक किसी भी लापता का कोई सुराग नहीं लगा सकी थी।

जवाहर नगर कैंप निवासी एक व्यक्ति ने कैंप थाना में दी शिकायत में कहा है कि उसकी 38 वर्षीय पत्नी दुधौला गांव के निकट स्थित एक कंपनी ड्यूटी करती थी। रोजाना की तरफ उसकी पत्नी कंपनी में ड्यूटी पर गई, लेकिन वापस नहीं लौटी। पीड़ित पति ने जब पत्नी देर तक घर नहीं पहुंची तो तलाश शुरू, लेकिन कहीं नहीं मिली।

शत-प्रतिशत मतदान के प्रति जागरुकता लाने के लिए बना सेल्फी प्वाइंट

मतदाताओं को स्वीप अभियान के तहत वोट देने के लिए किया जा रहा है प्रेरित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि 18वीं लोकसभा चुनाव-2024 में जिला में अधिक से अधिक मतदान को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रशासन ने जागरूकता अभियान की विशेष योजना तैयार करके क्रियान्वित की जा रही है। लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए नई पहल की है। इसके लिए सेक्टर-12 लघु सचिवालय में सेल्फी प्वाइंट बनाया गया। जिसके माध्यम से मतदाताओं को वोट देने के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इसके अलावा विगत लोकसभा चुनाव-2019 में फरीदाबाद लोक सभा क्षेत्र में कम मतदान वाले दस दस बूथों को चुना गया है। जहां प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम मतदान वाले दस-दस पोलिंग बूथों को चिन्हित करके इन क्षेत्रों में स्वीप अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रमों का विशेष जोर रहेगा। जहां मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से लोगों को 18वीं लोकसभा चुनाव में अपने मत का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को सौ फीसदी मताधिकार का प्रयोग करने के लिए स्वीप के तहत जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। इन जागरूकता कार्यक्रमों में नागरिकों को उनके वोट के

महत्व के बारे में बताया जा रहा है। लेकिन कुछ इलाके ऐसे रह जाते हैं, जहां पर किसी न किसी कारण वश मतदान प्रतिशत सामान्य से कम रहता है। पिछले लोकसभा चुनाव-2019 में भी जिला में कुछ इलाके ऐसे रहे हैं, जहां पर मतदान सामान्य से कम रहा है। लेकिन अबकी बार प्रशासन का पुरजोर प्रयास है कि इन क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत को बढाया जाए। इसके लिए स्वीप के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए बनाई है विशेष योजना: जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि फरीदाबाद लोक सभा क्षेत्र में 18वीं लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान को लेकर विगत लोकसभा चुनाव में सामान्य से कम मतदान वाले बूथों को चुना गया है। इन बूथों के क्षेत्र में सांस्कृतिक व नुक्कड़ नाटक, जागरूकता रैली व महिला जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्वीप अभियान को लेकर सभी नोडल अधिकारियों को भी निर्वाचन आयोग द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

खरीदा जाएगा किसानों का एक एक दाना : मूलचंद

फरीदाबाद। मंडियों में गेहूं की खरीद खरीद को लेकर भी मूलचंद शर्मा ने कहा कि मंडियों में एक अप्रैल से गेंहू की खरीद शुरू हो चुकी है। किसान धीरे-धीरे मंडियों में अपनी फसल बेचने के लिए पहुंच रहे हैं। किसानों के लिए सभी मंडियों में व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई है। किसानों का एक-एक दाना खरीदा जाएगा। किसी भी किसान को परेशान नहीं होने दिया जाएगा, भुगतान भी समय पर ही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले सांसद पीएम बनाते थे, लेकिन अब प्रधानमंत्री सांसद बनाते हैं। आज देश की जनता सिर्फ दो चीजों को देखकर ही अपना वोट दे रही है। एक प्रधानमंत्री और दूसरा कमल का फूल। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस को छोड़कर बीजेपी में आने वाले लोग भी मजबूत केंडिडेट है। यह लोग देशहित में काम करने के लिए आए हुए हैं।

जीआरपी करेगी ट्रेन से सांसद के पर्स चोरी की जांच

फरीदाबाद। ट्रेनों में बढ़ रही चोरी की घटनाओं से आम लोग ही नहीं अब राज्यसभा सदस्य भी सुरक्षित नहीं। भोपाल से एक माह पूर्व दिल्ली आ रही मध्यप्रदेश से राज्यसभा सदस्य माया नारोलिया का पर्स पलवल में चोरी हो गया था। दिल्ली के निजामुद्दीन स्टेशन पहुंचकर उन्होंने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। निजामुद्दीन जीआरपी ने जीरो एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच फरीदाबाद जीआरपी को दी है। अब फरीदाबाद जीआरपी मामला दर्ज कर जांच करेगी। पुलिस के मुताबिक मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी माया नारोलिया भारतीय जनता पार्टी से राज्यसभा सदस्य हैं। वह भोपाल से दिल्ली जा रही थीं। वह ट्रेन नंबर 12409 गोडवाना एक्सप्रेस में सीट एसी कोच बी नौ में सफर कर रही थी। पलवल रेलवे स्टेशन के समीप उन्होंने पाया कि उनका पर्स गायब है। महिला के मुताबिक पर्स में लगभग 5 तोले का सोने का हार, आधार कार्ड, 5000 रुपये नगद, चश्मा, पैन कार्ड सहित अन्य दस्तावेज थे। महिला के साथ चोरी की घटना करीब एक महीने पहले हुई थी, जिसके बाद उन्होंने जीआरपी निजामुद्दीन को शिकायत दी थी। जीआरपी निजामुद्दीन ने जीरो एफआईआर दर्ज कर फरीदाबाद जीआरपी को जांच के लिए भेज दिया है। अब फरीदाबाद जीआरपी मामला दर्ज कर जांच करेगी। राज्यसभा सदस्य ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

एमवीएन विवि में लोकल चैप्टर का उद्घाटन किया

फरीदाबाद। आईपीजीए के जनरल सेक्रेटरी और एमवीएन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर अरुण गर्ग ने कहा कि आईपीजीए लगभग पिछले 30 वर्षों से फार्मेसी पेशेवरों के उत्थान के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य फार्मेसी स्नातकों की व्यावसायिक स्थिति में सुधार करना और फार्मेसी और संबद्ध व्यवसायों में उनका उचित स्थान सुरक्षित करना है। आईपीजीए लोकल चैप्टर पलवल के अध्यक्ष डॉक्टर योगेंद्र सिंह, जनरल सेक्रेटरी डॉक्टर तरुण विरमानी, उपाध्यक्ष डॉक्टर जयामंती पंडित, ट्रेजर संजीव कुमार, ज्वाइंट सेक्रेटरी बृजेश कुमार, आशीष कुमार और कार्यकारिणी सदस्य डॉक्टर गिरीश, डॉक्टर गीता, डॉक्टर प्रवीण, नेहा डागर और कौशल खटाना को नियुक्त किया गया। इस चैप्टर की शुरुआत लगभग 30 सदस्य बनाकर की गई और सभी सदस्यों ने शपथ ली कि जो आईपीजीए का मुख्य उद्देश्य है हम उसे पूरा करने में सफल प्रयास करेंगे और साथ साथ ही समाज को भलाई के लिए जो भी कार्य जैसे स्वास्थ्य जांच शिविर, जागरूकता रैली, बीमारियों के बारे में अवगत कराना इत्यादि भी करेंगे। उम्मीद है कि आगे भी नए सदस्य इसमें जुड़ेंगे।

राजकीय कॉलेज के विद्यार्थी राष्ट्रीय युवा समारोह में छाए

फरीदाबाद। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित 37वें अंतर्विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युवा समारोह हुनर जोकि पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना में 28 मार्च से एक अप्रैल तक आयोजित किया गया था। पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय फरीदाबाद के विद्यार्थियों ने अपनी कला से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मोहन कृष्ण ने बांसुरी वादन में प्रथम स्थान अर्जित किया। डिंपल सेठी ने तबला वादन में तृतीय स्थान प्राप्त किया, साथ ही साथ डिम्पल ने हरियाणवी आर्केस्ट्रा में बेहतरीन ढोलक वादन किया और आर्केस्ट्रा द्वितीय स्थान पर रहा । इस युवा समारोह में 24 विश्वविद्यालयों के 72 प्रतिभागियों ने एकल वादन में भाग लिया था। मोहन कृष्ण ने कहा कि इस युवा समारोह में जाने के लिए संगीत विभागाध्यक्ष डॉ भूपेन्द्र मल्होत्रा की मेहनत है, उन्होंने हमेशा हम विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। डिंपल सेठी ने बताया कि यदि गुरुजी मेरे साथ हारमोनियम पर नग़मा न बजाते तो यहां तक पहुंचना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन था। प्राचार्या डॉ. रूचिरा खुल्लर ने विजयी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विज्ञान संकाय के छात्र छात्राओं ने कार्यशाला में भाग लिया

फरीदाबाद। राजकीय महाविद्यालय फरीदाबाद की प्राचार्या डॉ. रुचिरा खुल्लर के मार्गदर्शन में, एमएससी भौतिकी, बीएससी जैसे विभिन्न स्ट्रीम के 40 छात्रों ने प्रेक्टिकल स्किल एनहांसमेंट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। प्रो. मीना कपाही के समन्वय से, मानव रचना विश्वविद्यालय द्वारा परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण का आयोजन किया गया। छात्रों के साथ डॉ. नीतू सौरोत और निशा तेवतिया भी थीं। इसकी आयोजन समिति द्वारा एक्सआरडी, जीसी एमएस, आरएफ स्पटरिंग, एफटी आईआर, यूवी स्पेक्ट्रोमीटर जैसे विभिन्न उपकरणों के बारे में बताया गया और चर्चा की गई। ये उपकरण वर्तमान विज्ञान और अनुसंधान में अत्यधिक उपयोगी हैं। विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ कार्यशाला में भाग लिया और विभिन्न प्रश्न भी पूछे। डॉ. अंकिता और डॉ. पारुल जैन ने छात्रों को अपने ज्ञान का विस्तार करने और नए अवसरों के बारे में जानने के लिए ऐसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

अग्रवाल कॉलेज में इंडक्शन, पुरस्कार वितरण का आयोजन

फरीदाबाद। अग्रवाल महाविद्यालय में इतिहास विभाग के तत्वावधान में इंटैक यंग हैरिटेज क्लब द्वारा इंडक्शन व ऑन द स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आनंद मेहता, संयोजक इंटेक फरीदाबाद चैप्टर व प्रधान दयानंद शिक्षण संस्था पधारे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध उद्योगपति व समाजसेवी शरद भसीन, हरप्रीत कौर, गीता मक्कड, संगीता नटराजन व महेश डावर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने की। इस कार्यक्रम में बीए प्रथम वर्ष की नई छात्राओं को इंटेक यंग हैरिटेज क्लब में शामिल करते हुए मुख्य अतिथि ने उन्हें बैज व क्लब पासपोर्ट प्रदान किये। साथ ही, महाविद्यालय स्तर की भारत के विभिन्न ऐतिहासिक धरोहरों पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरुस्कृत किया गया व इंटैक में जुड़े नए छात्रों को इंटैक यंग हैरिटेज क्लब की शपथ दिलाई गई।

विस्तारा एयरलाइन

समस्याओं का सामना

विस्तारा एयरलाइन को कर्मियों की कमी के कारण उड़ानों में व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है। टाटा समूह की विस्तारा एयरलाइन्स अपनी उत्कृष्ट सेवाओं तथा विश्वसनीयता के लिए भारतीय विमानन क्षेत्र में लोकप्रिय रही है। लेकिन हाल में वह उड़ानें रद्द होने या उनमें विलम्ब के कारण परेशानियां झेल रही है। 'विस्तारा' टाटा सन्स और सिंगापुर एयरलाइन्स के बीच संयुक्त उद्यम है जो कर्मियों की कमी के कारण व्यवधान का सामना कर रहा है। इसके कारण यात्री एक जगह फंस जाते हैं और उनको असुविधा होती है। इनमें से कुछ को जल्दी से अपनी यात्रा योजनायें बदलने में कठिनाई होती है। विस्तारा की समस्यायें ऐसे समय सामने आई हैं जब विमानन क्षेत्र कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के प्रभाव से उबर रहा है तथा घरेलू उड़ानों में पुनर्जीवन के संकेत मिलने लगे हैं। विमानन उद्योग बढ़ती मांग पूरी करने के लिए अपनी गतिविधियां बढ़ाने तथा आपरेशनल बाधाओं और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बीच नाजुक संतुलन बनाने का प्रयास कर रहा है। कर्मियों की कमी से संकट का सामना कर रहे विस्तारा ने यात्रियों को आश्वस्त किया है कि वह इस मुद्दे को संबोधित करने तथा उड़ान सेवाओं में बाधाओं को न्यूनतम करने पर ध्यान दे रहा है। एयरलाइन सक्रिय रूप से नए कर्मियों की भर्ती कर उन्हें प्रशिक्षण दे रही है ताकि उसका कार्यबल आपरेशनल आवश्यकताओं के अनुरूप बन सके। उड़ानें रद्द होने या उनमें विलम्ब के कारण प्रभवित यात्रियों के लिए विस्तारा ने पुन: बुकिंग या टिकटों की पुन: फंडिंग के विकल्प दिए हैं। इसके साथ ही वैकल्पिक उड़ान व्यवस्थाओं के रूप में भी सहायता दी जा रही है।

एयरलाइन ने पुन: जोर दिया है कि वह यात्रियों को संतुष्ट रखने तथा व्यवधानों के कारण पैदा असुविधाओं को न्यूनतम करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस स्थिति में नागरिक उड्डयन के महानिदेशक-डीजीसीए ने हस्तक्षेप कर एयरलाइन से उसकी उड़ान कार्रवाइयों, कर्मियों की उपलब्धता तथा यात्रियों पर व्यवधानों का प्रभाव समाप्त करने के उपायों की दैनिक रिपोर्ट मांगी है। कर्मियों की कमी का मुद्दा खासकर कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद विमानन उद्योग की बदलती परिस्थितियों में एयरलाइन द्वारा अपने कार्यबल प्रबंधन की समस्या से जुड़ा है। घरेलू उड़ानों में बाधायें आई हैं जिनमें छंटनी, 'फर्लाग' तथा यात्रा मांग पैटर्नों में परिवर्तन शामिल हैं जिनके कारण यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। इस प्रकरण से प्रभावी कार्यबल प्रबंधन तथा आकस्मिक नियोजन की आवश्यकता उजागर होती है ताकि एयरलाइनें अपनी उड़ानें सहज व निर्बाध रूप से जारी रख सकें। विमानन उद्योग वर्तमान समय में वैश्विक महामारी से पैदा चुनौतियों से निपट कर उभर रहा है, ऐसे में जीवन्त व उपयुक्त प्रशिक्षण प्राप्त कार्यबल बनाए रखना जरूरी है ताकि यात्रियों की बदलती आवश्यकताओं की पूर्ति कर विमानन क्षेत्र का समुचित विकास सुनिश्चित किया जा सके। डीजीसीए को भी इसे प्राथमिकता मानना चाहिए। विस्तारा अब कर्मियों के संकट से जूझते हुए विमानन गतिविधियों में सामान्य स्थिति बनाने का प्रयास कर रही है। यह विमानन उद्योग की जटिल व परिवर्तनशील प्रकृति के लिए भी एक चेतावनी है। विभिन्न एयरलाइनों, नियामकों तथा साझीदारों के बीच प्रभावी सहयोग चुनौतियों से जल्दी निपटने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है कि विमानन इकोसिस्टम बिना किसी बाधा के सुचारु रूप से काम करता रहे।

वैश्विक आतंकवाद का बढ़ता खतरा

मास्को के बाहर आईएसआईएस-के के हमले की दुनिया भर में निन्दा हुई है। इससे दुनिया भर में आतंकवाद के बढ़ते खतरे के प्रति चिन्ता प्रकट हुई है।

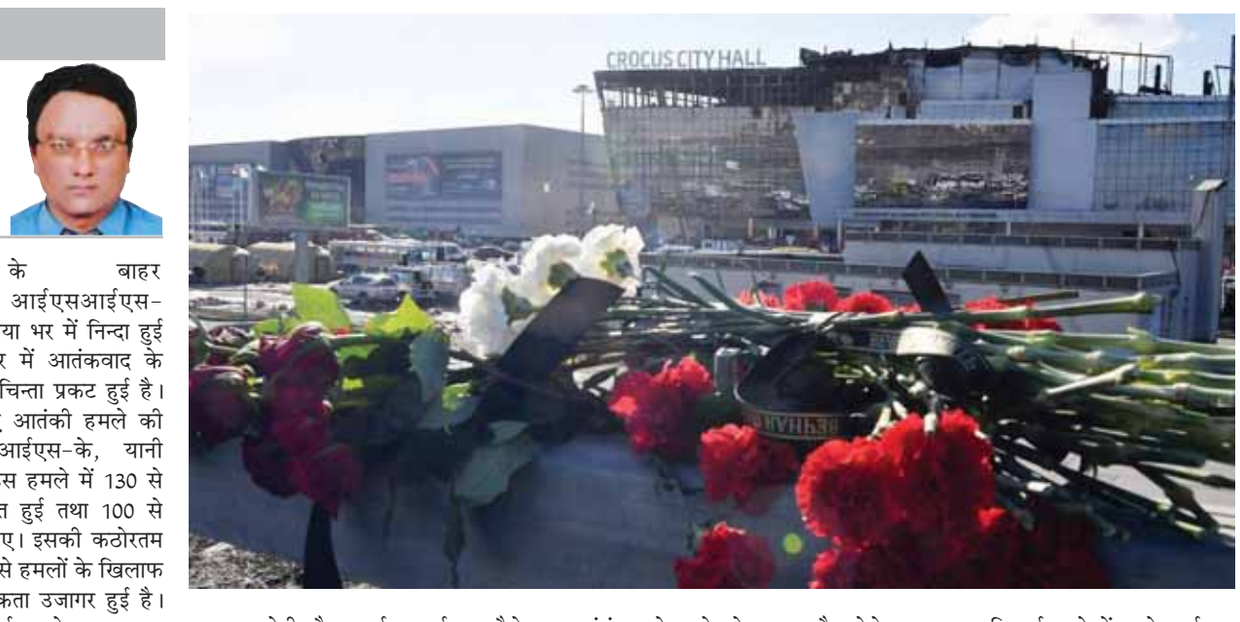

सुधीर हिंदवान
(लेखक, रणनीति विशेषज्ञ हैं)

मॉस्को के बाहर आईएसआईएस-के के हमले की दुनिया भर में निन्दा हुई है। इससे दुनिया भर में आतंकवाद के बढ़ते खतरे के प्रति चिन्ता प्रकट हुई है। मास्को के बाहर हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी आईएसआईएस-के, यानी खुरासान ने ली है। इस हमले में 130 से ज्यादा लोगों की मौत हुई तथा 100 से ज्यादा लोग घायल हुए। इसकी कठोरतम वैश्विक निन्दा तथा ऐसे हमलों के खिलाफ कार्रवाई की आवश्यकता उजागर हुई है। 'खुरासान' आईएसआईएस से अलग हुआ आतंकी समूह है जिसकी जड़ें ईरान, तुर्कमानिस्तान और अफगानिस्तान तक फैली हैं। इस आतंकी हमले ने दुनिया को चार सबक दिए हैं। पहले का संबंध आतंकी हमलों पर होने वाली राजनीति से है। थामस हाब्स ने 'लेवियाथन' में कहा है कि यह व्यापक रूप से मनुष्यों की प्रकृति, लालच और भय से जुड़ा है जो टकरावों को जन्म देता है। विश्व स्तर पर भू-राजनीतिक परिवर्तनों के बावजूद आज भी सत्ता का वैसा ही संघर्ष बना हुआ है जिसके कारण प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध हुए थे।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वाले युग में गैर-राज्य कारकों की गतिविधियां बढ़ी हैं जिनको शीतयुद्ध तथा इसके बाद होने वाले अनेक टकरावों ने बढ़ावा दिया है। दूसरे, आंतरिक टकरावों में विदेशी शक्तियों के हस्तक्षेप के कारण दुश्मनी बढ़ती है तथा आतंकवाद को बढ़ावा मिलता है। इसका एक उदाहरण रूस द्वारा आईएसआईएस के खिलाफ कार्रवाई में सीरिया की असद सरकार का रूस द्वारा समर्थन है। इसके कारण आईएसआईएस आतंकी समूह को बढ़ावा मिला। तीसरे, हो सकता है कि किसी समय अंतरराष्ट्रीय आतंकी समूह निष्क्रिय दिखें, पर वे बाद में नई ऊर्जा के साथ पुन: उभर सकते हैं। इसका उदाहरण मध्य एशियाई गणतंत्रों में आतंकवादी समूहों के गोपनीय संपर्क हैं।

इसके साथ ही आंतकी समूहों के खिलाफ वैश्विक कार्रवाई की आवश्यकता उजागर होती है। आईएसआईएस जैसे आतंकी समूहों के खिलाफ बदले की किसी कार्रवाई में पड़ोसी देशों का सहयोग जरूरी है ताकि उनको बढ़ने से रोका जा सके। मास्को के बाहर हुआ हालिया आतंकी हमला रूस में हुए पुराने आतंकी हमलों की याद दिलाता है। इनमें 2002 में मास्को थियेटर बंधक संकट तथा 2004 में काकेशस में हुई बंधक त्रासदी शामिल हैं। हालिया आतंकी हमले ने रूसी सुरक्षा व्यवस्था की अंतर्निहित कमियां रेखांकित की हैं। इन कमियों के चलते आंतकी समूह मीडिया पर अधिकाधिक प्रभाव डालने के लिए अपने द्वारा निर्धारित समय और स्थान पर हमला करने में सफल होते हैं और इसका लाभ उठाते हैं।

इस आतंकी हमले की विश्व स्तर पर हुई आलोचना से स्पष्ट है कि अंतरराष्ट्रीय आतंक का मुकाबला करने के प्रति व्यापक चिन्ता विद्यमान है। भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद अमेरिका ने दुनिया भर में आतंकी हमलों से पैदा खतरों से निपटने की आवश्यकता जताई है और उसके प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की है। लेकिन दुनिया की बड़ी शक्तियों के बीच वर्तमान समय में व्याप्त विश्वास के संकट के कारण आतंकवाद-विरोधी संघर्ष में सहयोग करने में बाधा आती है। रूस ने हालिया हमले में यूक्रेन का हाथ होने का आरोप लगाया था। हालांकि, यूक्रेन ने इसमें अपनी किसी प्रकार की संलिप्तता से इनकार किया है, पर संघीय सुरक्षा एजेंसी-एफएसबी को संदेह है कि हमला करने वाले आतंकियों का संबंध यूक्रेन से हो सकता है। ऐसे आरोप-प्रत्यारोप से आंतकवाद के खिलाफ वैश्विक संघर्ष में बाधा आती है। मध्य एशिया में चीन का बढ़ता प्रभाव क्षेत्रीय राजनीति को और जटिल बना रहा है। मध्य एशियाई गणतंत्रों-सीएआर को लगातार आतंकी खतरों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि अनेक गैर-राज्य कारक अपने दुष्टतापूर्ण उद्देश्यों के लिए विभिन्न देशों की जनता के बीच सांस्कृतिक संबंधों का लाभ उठाते हैं। इससे आतंकवाद से मुकाबला करने में बहु-स्तरीय सुरक्षा सहयोग तथा तकनीकी खोजों के प्रभावी उपयोग की आवश्यकता उजागर होती है। खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों के प्रयासों के बावजूद गलत तरीके की धार्मिक व्याख्याओं के कारण आतंकवादियों से निपटने में समस्यायें बनी हुई हैं। पड़ोसी देशों से आने वाले शरणार्थी भी सुरक्षा परिदृश्य में जटिलतायें पैदा करते हैं। सहयोग के माध्यम से आतंकवाद का मुकाबला करना क्षेत्रीय स्थायित्व के लिए उम्मीद पैदा करता है।

आतंकवाद से मुकाबला करने के लिए हुई समरकंद बैठक ऐसे सहयोग का उदाहरण है। लेकिन आर्थिक असमानताओं तथा सरकारी नीतियों में निरंतरता के अभाव से इस क्षेत्र में आतंकी खतरा और गंभीर होता है। 'हिज्ब-उत-तहरीर' जैसे इस्लामवादी आतंकी संगठनों की उपस्थिति के कारण सुरक्षा व्यवस्थाओं के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा होती हैं। आतंकवाद-विरोधी अभियानों के बावजूद मध्य एशियाई देशों ने ईराक, अफगानिस्तान व सीरिया जैसे संकटग्रस्त क्षेत्रों में आतंकवाद के निर्यात के प्रयास भी किए हैं। अवैध आप्रवासियों की संख्या में भारी वृद्धि तथा उनकी बढ़ती आतंकी गतिविधियों ने चीन और रूस को अनेक देशों में फैले आतंक का मुकाबला करने में सहयोग को मजबूर किया है। मध्य एशिया में बढ़ता रूढ़िवाद एक अंतरराष्ट्रीय यथार्थ है जिसे असंतुष्ट समूहों तथा बाहरी प्रभावों से और बढ़ावा मिलता है। मध्य एशिया का रणनीतिक महत्व तथा इसके समृद्ध संसाधन इसे वैश्विक सुरक्षा के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण बना देते हैं।

रूस और सीएआर में आर्थिक सशक्तीकरण तथा सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए समन्वित कार्रवाई तथा परस्पर सहयोग की आवश्यकता है। इससे अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को जन्म लेने और फलने-फूलने से रोकने में सहायता मिलेगी। आर्थिक परिवर्तन व सशक्तीकरण के लिए मुद्रास्फीति से मुकाबला करना तथा जीवन्त आतंकवाद-विरोधी व्यवस्थाओं का विकास करना जरूरी हो गया है। यह पहचान करने की नितान्त आवश्यकता है कि कानून-व्यवस्था और आतंकवाद में अंतर जरूरी है, लेकिन अक्सर ये दोनों मुद्दे एक-दूसरे से मिल जाते हैं।

नीति निर्माताओं को यह अवश्य समझना चाहिए कि आज देशों के समक्ष उपस्थित विभिन्न सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए उपयुक्त रणनीतिक नीतियां अपनाना जरूरी हो गया है। वर्तमान समय में आतंकवादी अत्यधिक संगठित तथा पेशेवर हैं। वे आधुनिकतम तकनीकों से स्वयं को लैस करने तथा अपनी आवश्यकतानुसार उनका अधिकतम प्रयोग करने या उनमें अनुकूल परिवर्तन को तत्पर रहते हैं। इसके देखते हुए सुरक्षा रणनीतियों में व्यापक परिवर्तन की आवश्यकता है। सुरक्षा एजेंसियों को ज्यादा सतर्क बनाने तथा खुफिया पुलिस व अर्धसैनिक बलों को ज्यादा प्रभावी बनाना जरूरी हो गया है। हालांकि, विभिन्न समितियों की संस्तुतियों का वर्तमान यथार्थ से संगति में होना जरूरी नहीं है। यह बात खासकर भारत के आतंकवाद, नक्सलवाद व विद्रोही गतिविधियों से निपटने के मामले में सही है।

अब आतंकवाद को केवल सामाजिक स्थितियों या ढांचागत समायोजनों से जोड़ना ठीक नहीं है। इसके बजाय उन मनोवैज्ञानिक तत्वों का गंभीर विश्लेषण किया जाना चाहिए जो आतंकवाद को प्रेरित करते हैं। इस प्रकार के गंभीर मनोवैज्ञानिक विश्लेषण से हम आतंकवाद के बारे में ज्यादा गहरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह जानकारी प्रभावी आतंकवाद-विरोधी रणनीतियां बनाने और उनके आधार पर प्रभावी तात्कालिक कदम उठाने के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होगी। हमें आतंकवाद, संगठित अपराधों, हथियारों के सौदागरों, नशे के व्यापारियों तथा स्मगलरों के वित्तीय संपर्कों को समझना जरूरी होगा। इन तत्वों के वित्त पोषणों को समझना उनके खिलाफ कार्रवाई के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। ऐसे क्षेत्रों में आतंकवाद से मुकाबले के लिए विशेष बल भेजे जाने चाहिए जहां हिंसा की प्रवृत्ति रही है।

विभिन्न देशों के बीच सहयोगी प्रयास अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद से मुकाबला करने के लिए जरूरी हैं। इन प्रयासों में संयुक्त राष्ट्रसंघ की प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करने में भारत केन्द्रीय भूमिका निभा सकता है। नीति निर्माताओं को सुरक्षा खतरों की बदलती प्रकृति पहचान कर उसके अनुरूप नीतियां बनानी चाहिए। सतर्क खुफिया, पुलिस व अर्धसैनिक बलों का नेटवर्क आधुनिक आतंकियों द्वारा प्रयुक्त संवदेनशील रणनीतियों का मुकाबला कर सकते हैं। आतंकवाद विरोधी संघर्ष में अपने संसाधनों और विशेषज्ञता के साथ सहयोग कर अमेरिका और भारत केन्द्रीय भूमिका निभा सकते हैं।

स्वच्छ जल के लिये टिकाऊ समाधान

> स्वच्छ जल तक पहुंच, संघर्ष, सहयोग और जलवायु परिवर्तन के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध है; सबके लिए पानी जरूरी है।

पूनम सेवक
(लेखिका, सेफ वाटर नेटवर्क इंडिया से जुड़ी हैं)

इस वर्ष विश्व जल दिवस की थीम शांति के लिए जल है। यह स्वच्छ, सुरक्षित और किफायती पेयजल पर दुनिया के फोकस और संघर्ष, सहयोग और जलवायु परिवर्तन के साथ इसके जटिल संबंधों को नवीनीकृत करता है। दुनिया भर में लगभग 2 अरब लोगों को अभी भी सुरक्षित पानी उपलब्ध नहीं है।

भारत भी, प्रत्येक घर में नल के पानी के वादे के साथ अपने नागरिकों की पानी की जरूरतों को पूरा कर रहा है, खासकर पिछले दशक में, जहां भारत के 75 प्रतिशत घरों तक पाइप से पानी की पहुंच हो गई है। समुदाय-आधारित जल उपचार संयंत्र ऐसी नागरिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भूजल को शुद्ध करने में मदद करते हैं। विकेंद्रीकृत सुरक्षित जल उद्यम (एसडब्ल्यूई), जिन्हें लोकप्रिय रूप से वाटर एटीएम कहा जाता है, ने गुणवत्ता से प्रभावित समुदायों और उपभोक्ताओं के लिए कम लागत, 24×7, सुरक्षित पेयजल पहुंच समाधान प्रदान किए हैं।

2018 में, हरियाणा अपने शहरों में सार्वजनिक स्थानों पर हर 400 मीटर पर एक वाटर एटीएम लगाने की नीति विकसित करने वाला पहला राज्य बन गया। दिल्ली सरकार ने 2023 में झुग्गी-झोपड़ियों और अन्य घनी आबादी वाले इलाकों में 500 ऐसे ही वाटर एटीएम लगाने की भी घोषणा की।

सेफ वॉटर नेटवर्क इंडिया (एसडब्ल्यूएन), आईजेल स्टेशन नामक अपने वॉटर एटीएम के माध्यम से, भारत में तेलंगाना, महाराष्ट्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 1.3 मिलियन से अधिक लोगों को सुरक्षित पानी उपलब्ध कराने में मदद करता है। 2023 में, उपभोक्ताओं ने इसके द्घ्छ्ड्ढ्य स्टेशनों से 350 मिलियन लीटर से अधिक पानी खरीदा, जिसका पूरे वर्ष में 98 प्रतिशत से अधिक अपटाइम था। इन 350 वॉटर एटीएम में से लगभग 56 प्रतिशत का प्रबंधन और संचालन महिलाओं द्वारा किया जाता है जिन्हें उनके समुदाय प्यार से वॉटर आंटी कहते हैं। उपभोक्ता इन आईजल स्टेशनों से अपने 20-लीटर के डिब्बे में सुरक्षित पानी इकट्ठा करते हैं। यह एकल-उपयोग प्लास्टिक बोतलबंद पानी के संकट को रोकता है, कम आय वाले समुदायों को स्वतंत्रता और आजीविका प्रदान करता है, पानी के टैंकरों के लिए अंतहीन इंतजार को समाप्त करता है, और इलाकों को प्रदूषण मुक्त पीने योग्य पानी प्रदान करता है।

तेलंगाना में वाटर आंटी सिंदुजा ने कहा, विशेष रूप से चिलचिलाती गर्मी और गंभीर सूखे की स्थिति में स्टेशन मरुस्थल साबित हुए हैं। भारत अब 30 राष्ट्रीय स्तर के कार्यान्वयनकर्ताओं और राज्य सरकारों द्वारा स्थापित लगभग 65,000 जल एटीएम का घर है।

समस्या केवल सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था, पहुंच या प्रबंधन तक सीमित नहीं है। उदाहरण के लिए, एसडब्लूआई द्वारा सस्टेनेबल एंटरप्राइजेज फॉर वॉटर एंड हेल्थ सीवाह नामक तीन-वर्षीय परियोजना की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन जल एटीएम से होने वाला राजस्व जमीनी स्तर पर कई कार्यान्वयनकर्ताओं के लिए अस्थिर हो रहा है। यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) के साथ सहयोग और दस अन्य कार्यान्वयनकर्ताओं से डेटा। अध्ययन में पाया गया कि इन वॉटर एटीएम में पानी का राजस्व, जिनकी कीमत 1 रुपये प्रति लीटर और 5 रुपये प्रति 20 लीटर है, मुश्किल से मौजूदा स्थानीय परिचालन लागत, जैसे कच्चे पानी, बिजली और ऑपरेटर के वेतन को पूरा करता है। फ़ील्ड सेवा लागत, जैसे तकनीशियन की फीस और उच्च-मूल्य वाले स्पेयर पार्ट्स, ऑपरेटर के खर्च को बढ़ा देते हैं। कार्यान्वयनकर्ता क्लस्टर पर्यवेक्षण, गुणवत्ता निगरानी, उपकरण या सुविधा उन्नयन आदि से संबंधित खर्चों को भी कवर नहीं करते हैं।

एसडब्ल्यूएनआई की रिपोर्ट, जिसे 2023 में जल एटीएम का वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन कहा जाता है, ने भारत में जल एटीएम की स्थिरता पर फिर से विचार करने की आवश्यकता जताई। इस बार, एक नए लेंस के माध्यम से, जो सरकार द्वारा वित्त पोषित प्रणालियों के लिए कुल लागत बोझ को ऑपरेटरों से दूर करदाताओं के रुपये या अनुदान-वित्त पोषित प्रणालियों के लिए इच्छुक कंपनियों के सीएसआर अनुदान पर स्थानांतरित कर देगा। रिपोर्ट में विशेष रूप से एक परिणाम-आधारित फंडिंग मॉडल प्रस्तावित किया गया है जिसमें एसडब्ल्यूई को बेचे गए पानी की मात्रा, सुविधा अप-टाइम या एकत्र किए गए राजस्व और गुणवत्ता अनुपालन के आधार पर फंडिंग प्राप्त होती है। एक वैश्विक परिणाम-आधारित फंडिंग संगठन, अपटाइम कैटलिस्ट फैसिलिटी ने कार्यान्वयनकर्ताओं के लिए एक स्थायी प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन मॉडल के लिए एसडब्ल्यूएन के जल स्टेशनों का चयन किया। आदर्श स्टेशन उपयुक्त विभेदक साबित हुए क्योंकि उनकी दूरस्थ निगरानी प्रणाली और जल मीटर संयंत्र के प्रदर्शन, उत्पादित और बेचे गए पानी की मात्रा और एकत्रित राजस्व पर वास्तविक समय डेटा प्रदान करते हैं। एकत्रित राजस्व की आसानी से निगरानी की जाती है क्योंकि पानी प्री-पेड आरएफआईडी कार्ड, डिजिटल क्यूआर कोड या सिक्का वितरण का उपयोग करके खरीदा जाता है। एक दशक से अधिक के संचालन अनुभव को देखते हुए, कर्नाटक सरकार ने ग्राम पंचायत, ऑपरेटरों, ठेकेदारों और ग्रामीण विकास और पंचायती राज को प्रशिक्षण देकर राज्य में 18,000 से अधिक सामुदायिक जल उपचार संयंत्रों (या जल एटीएम) के संचालन में मदद करने के लिए एसडब्ल्यूएन का चयन किया। जिला स्तर पर कर्मचारी. यह परियोजना 2019 में शुरू होने वाले कोविड के चरम के दौरान चार वर्षों के लिए प्रशिक्षण, निगरानी और संयंत्र के संचालन की सर्वोत्तम प्रथाओं को लेकर आई।

एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का अब राज्यों में परीक्षण किया जा रहा है, और सैकड़ों सिस्टम अब उन मापदंडों पर निर्यात के लिए तैयार हैं जिनमें जमीनी स्तर पर प्रशिक्षण के लिए भौतिक और प्रशिक्षण घटक और सूचना शिक्षा और संचार अभियान शामिल हैं।

आप की बात

चुनाव की चुनौतियां

भारत में चुनाव की दो माह से भी लंबी मैराथन शुरू हो चूकी है। इसी के साथ चुनाव आयोग की चुनौतियां भी बढ़ने लगी हैं। इस बार चुनाव आयोग को न सिर्फ नेताओं के मिथ्या प्रचार, दुष्प्रचार वे पैसे के अवैध लेनदेन से जूझने के साथ ही आधुनिकतम डीपफेक वीडियो से भी जूझना है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता-एआई के बल पर उसने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। इसकी शुरुआत तमिल नाडु से हुई है। कहा जाता है कि यहां दिवंगत जयललिता व करुणानिधि के फेक वीडियो फैलाए जा रहे हैं। जयललिता की 2016 में मृत्यु हो गई थी, पर एक ध्वनि संदेश में उन्हें राज्य की वर्तमान द्रमुक सरकार की घोर आलोचना करते बताया गया है। इसी प्रकार 2018 में दिवंगत करुणानिधि को एक एआई-जनरेटेड वीडियो में अपने बेटे स्टालिन की प्रशंसा करते हुए दिखाया गया है। आशंका है कि एआई तकनीक के प्रयोग से पूरे देश में फेक वीडियो-आडियो की बाढ़ आ सकती है। इससे मतदाता तो भ्रमित होंगे ही, इनकी जिम्मेदारी किसी राजनीतिक दल पर डालना तथा उसे सिद्ध करना भी आसान नहीं होगा। ऐसे में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी बहुत बढ़ गई है तथा उसकी चुनौतियां गंभीर होती जा रही हैं। इनसे निपटने के लिए उसे शासन-प्रशासन का पूरा सहयोग चाहिए।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

कोटा में आत्महत्यायें

कोटा कोचिंग के मामले में हमेशा मशहूर रहा है। कोटा को राजस्थान की कोचिंग सिटी भी कहा जाता रहा है। मगर इन दिनों यहां पढ़ने आने वाले अनेक छात्रों में फांसी लगाकर आत्महत्या की बेहद चिन्ताजनक प्रवृत्ति विकसित हुई है। आखिर इन ट्यूशन पढ़ने वाले बच्चों पैदा डर और निराशा की भावना पर लगाम क्यों नहीं लग रही है? इस महीने कोटा में किसी कोचिंग छात्र के आत्महत्या करने की दूसरी तथा इस वर्ष की सातवीं घटना सामने आई है। इसके बावजूद इस परिघटना पर कोई व्यापक उच्चस्तरीय जांच क्यों नहीं बैठाई गई है? हाल ही में अखबारों में एक विज्ञापन जारी कर कोटा के कोचिंग संस्थानों ने पूरे मामले पर लीपापोती करने का प्रयास जरूर किया, लेकिन वहां की शिक्षा प्रणाली तथा पढ़ने वाले बच्चों की कौसिंलिंग व उनके माता-पिता से नियमित संपर्क की कोई सुपरिभाषित व सुनिश्चित व्यवस्था शायद विकसित नहीं हुई है। नई शिक्षा नीति-2020 जारी करते समय केन्द्र सरकार ने कहा था कि वह शिक्षा के व्यवसायीकरण तथा कोचिंगों की अनिवार्यता पर लगाम लगाने का प्रयास करेगी। राजस्थान में हाल में बनी भाजपा सरकार को इस दिशा में उपयुक्त कदम उठाने चाहिए।

– **एमएम राजावत,** शाजापुर

मोदी की विदेश नीति

मोदी सरकार विदेश नीति के क्षेत्र में कारगर नीतियां बनाने और उनके क्रियान्वयन में सफल रही है। विदेश में फंसे भारतीयों को वापस लाने, फांसी की सज़ा पाए भूतपूर्व नौसैनिकों को बचाने, चीन की कुटिलता का मुंहतोड़ जवाब देने तथा अमेरिका के दबाव में रुस से आयात पर रोक न लगाने जैसे हर मामले में सरकार ने देशवासियों को गदगद कर दिया है। आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की जो साख है, वैसी पहले कभी नहीं थी। मोदी की रोज 18 घंटे सक्रियता उनकी पूरी टीम के लिए प्रेरणा स्रोत है। मोदी किसी भी जटिल अंतरराष्ट्रीय समस्या पर संबंधित देशों के राष्ट्राध्यक्षों व शासनाध्यक्षों से सीधे संपर्क कर उसके समाधान का सर्व-सम्मत हल तलाशने का प्रयास करते हैं। इससे अनिवासी भारतीयों, भारतीय मूल के विदेशियों तथा देश से बाहर कामकाज या पढ़ाई की इच्छा से जाने वाले नौजवानों में मोदी के प्रति जबरदस्त उत्साह पैदा हुआ है। मोदी सरकार की विदेश नीति के प्रति देश के नौजवानों में पैदा यह उत्साह निश्चित रूप से तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के साथ ही भाजपा की सीटें बढ़ाने में योगदान करेगा। विडंबना है कि विपक्ष इस सकारात्मक परिवर्तन के प्रति अंध मोदी-विरोध के कारण अपनी आंखें बंद किए है।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

जल संरक्षण

इंदौर में जल संरक्षण के लिए अभियान शुरू हुआ है जिसके अंतर्गत रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को 50 हजार तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। संघमित्र एवं विश्वम के तत्वावधान में भूजल संरक्षण के उद्देश्य से वंदे जल महाअभियान की शुरुआत की गई है। लगातार देश का सबसे स्वच्छ शहर होने का गौरव प्राप्त करने वाला इदौर अब पर्यावरण व जल संरक्षण के क्षेत्र में भी अग्रणी बनने का प्रयास कर रहा है। इस कार्य को प्रदेश के सभी शहरों से लेकर गांव तक ही नहीं, बल्कि देशभर में प्रारंभ किया जाना चाहिए। इससे बेंगलुरु जैसी जल संकट वाली स्थिति नहीं पैदा होगी। इसके साथ ही जल संरक्षण से कृषकों व आम जनता को बारहों महीने जल उपलब्धता बनी रहेगी। इससे मवेशियों और वृक्षों तक को प्यासा नहीं रहना पड़ेगा। अक्सर तालाबों तथा नदियों के जल संग्रहण क्षेत्र में निर्माण के कारण जल संरक्षण में बाधा आती है तथा भूजल लगातार दोहन के कारण घटता चला जाता है। जल संरक्षण हेतु ऐसे अवरोध यथासंभव हटाकर जनता के व्यापक सहयोग से देश भर में पुरानी जल संरचनाओं को पुनर्जीवित किया जाना चाहिए।

सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

चुनाव व युद्ध को कभी आसान नहीं समझना चाहिए: योगी

● गोरखपुर, बांसगांव व संतकबीरनगर लोकसभा क्षेत्र की चुनाव संचालन समिति की बैठक में सीएम ने दिया जीत का मंत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होली के तुरंत बाद से ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में प्रबुद्ध सम्मेलनों के जरिए युद्ध स्तरीय चुनाव प्रचार में लगे हैं। इसके साथ ही पूरब क्षेत्र पर भी उनका पूरा ध्यान है। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र काशी में उन्होंने चुनावी रणनीति को धार दी तो गुरुवार को इसी सिलसिले में गोरखपुर पहुंचे। यहां उन्होंने गोरखपुर, बांसगांव व संतकबीरनगर लोकसभा के लिए भाजपा की चुनाव संचालन समितियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक में चुनाव जीतने का मंत्र दिया।

गोकुल अतिथि भवन में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनाव संचालन समिति के जिम्मेदारों से कहा कि इस समय पूरे देश में भाजपा के पक्ष में जबरदस्त माहौल है। लोकसभा चुनाव का परिणाम भी इसी के अनुरूप आएगा। जरूरत बूथ स्तर तक सक्रियता, तत्परता और सजगता की है। बूथ जितना मजबूत होगा, परिणाम भी उतना ही जबरदस्त आएगा। बूथ को जीतना ही चुनाव जीतने का सबसे कारगर फॉर्मूला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लगातार तीसरी बार मोदी सरकार बनेगी, इसमें तनिक भी संदेह नहीं है पर, चुनाव और युद्ध को कभी आसान नहीं समझना चाहिए। इसलिए हमें अति आत्मविश्वास से बचते हुए कार्य करना होगा। सीएम योगी ने कहा कि सिर्फ आंकड़ों पर विश्वास करके निश्चिंत नहीं बैठना है बल्कि लोकसभा चुनाव में वोट और बूथ केंद्रित व्यवस्था पर अधिक ध्यान देना है। बूथ समिति, पन्ना प्रमुख और सामाजिक टोली भाजपा के लिए सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं। बूथ समिति के पास संबंधित बूथ के एक एक वोटर का ब्योरा होना चाहिए। पन्ना प्रमुखों का उस ब्योरे के अनुरूप मतदाता से व्यक्तिगत संपर्क और संबंध होना चाहिए। हर मतदाता से अधिकाधिक और बारंबार संपर्क होना चाहिए। बूथ क्षेत्र में जितने घर हैं, उनसे संपर्क करें। केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों व विकास योजनाओं की जानकारी आमजन को दें। जिन विकास कार्यों को हम बोल रहे हैं, उसे जनता बोलने लगे तो हमारा कार्य आसान हो जाएगा। इसके समानांतर सामाजिक टोली समाज के हर वर्गों के लोगों तक जनसंपर्क करती रहे। निरंतर जनसंपर्क की जिम्मेदारी सभी पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को भी उठानी है। शिक्षक, अधिवक्ता, अधिकारी, कर्मचारी, चिकित्सक, व्यापारी, सामाजिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक संगठन सबसे मिलना है। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को बताकर फिर एक बार मोदी सरकार के नारे को साकार करना है। इसके लिए भाजपा पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि स्थानीय स्तर पर पूरी ताकत झोंक दें।

योगी ने कहा कि चुनाव में महिला मोर्चा के पास भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। महिला मोर्चा की पदाधिकारी आधी आबादी के बीच जाकर सघन जनसंपर्क करें। उन्हें मोदी सरकार में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर हुए अभूतपूर्व कार्यों से रूबरू कराएं। उन्हें मतदान के दिन बूथ तक पहुंचने और कमल निशान का बटन दबाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि इसी तर्ज पर युवाओं के बीच जाने के लिए भाजयुमो की टीम को लगाया जाए।

सीएम योगी ने कहा कि चुनाव में जनसंपर्क और आपसी संवाद लगातार होते रहना चाहिए। इसके लिए स्थानीय पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि मिलकर हर विधानसभा क्षेत्र में टिफिन बैठक करें। इस बैठक में चुनाव को लेकर अब तक हुए कार्य और आगे के कार्यों पर मंथन हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी छह अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस पर अन्य कार्यक्रमों के साथ ही चुनाव को लेकर बूथ समिति और पन्ना प्रमुखों द्वारा अब तक किए गए कार्यों का सत्यापन भी किया जाएगा। भीषण गर्मी में मतदान, प्रबंधन की अभी से करें तैयारी *सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर में चुनाव सातवें चरण में है। यहां मतदान एक जून को है। इस दौरान भीषण गर्मी होगी। प्रतिकूल मौसम में बूथ प्रबंधन व जनसंपर्क किसी भी तरह प्रभावित न हो, इसकी तैयारी अभी से करनी होगी। हर मतदाता भीषण गर्मी में भी मतदान करने पहुंचे, इसकी जिम्मेदारी बूथ समिति और पन्ना प्रमुखों की होगी।

अयोध्या, काशी के बाद अब फोकस मथुरा-वृंदावन पर: मुख्यमंत्री

● योगी आदित्यनाथ ने मथुरा में हेमा मालिनी के लिए किया चुनाव प्रचार, गिनाईं उपलब्धियां

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/मथुरा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या और काशी के बाद अब मथुरा और वृंदावन पर सरकार का पूरा फोकस है। उन्होंने कहा कि मथुरा-वृंदावन में विकास की गति को और तेज किया जाएगा। उन्होंने न्यायालयों में चल रहे मामलों में भी जीत मिलने की उम्मीद जताई। साथ ही कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोगों को चेतावनी भी दी कि मातृ शक्ति का अपमान करने वालों को पूरा देश सबक सिखाने के लिए तैयार है। सीएम ने कहा कि मथुरा राधा रानी और यमुना मइया की भूमि है। यहां मातृशक्ति पर ओछी टिप्पणी करने वालों को भगवान भी बचा पाएंगे या नहीं, इसमें भी संदेह है।

मुख्यमंत्री गुरुवार को यहां सेठ बी.एन. पोद्दार इण्टर कॉलेज मैदान में आयोजित विजय संकल्प नामांकन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वर्तमान सांसद और बीजेपी की ओर से लोकसभा प्रत्याशी हेमा मालिनी के पक्ष में प्रचार किया। सीएम योगी ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां भी गिनाईं। मुख्यमंत्री ने वर्तमान सांसद हेमा मालिनी को तीसरी बार प्रतिष्ठित मथुरा सीट से नामांकन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि तीसरी बार हेमा मालिनी यहां से प्रत्याशी बनी हैं तो दूसरी पार्टियों के पास प्रत्याशी ढूंढे नहीं मिल रहे। उन्हें उधार में प्रत्याशी लेने पड़ रहे हैं और जब उधार में भी नहीं मिल रहे तो कांग्रेस के नेता अपना आपा खो चुके हैं। मातृ शक्ति पर अपमानजनक टिप्पणी करके आधी आबादी का अपमान करने पर उतारू हो चुके हैं। मगर इंडी गठबंधन वालों को जानकारी होनी चाहिए कि ये राधे रानी और यमुना मइया की भूमि है। अगर आधी आबादी का अपमान करोगे तो पूरा भारत ऐसा सबक सिखाएगा कि राजनीति करने लायक नहीं रहोगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, मगर इसका मतलब ये नहीं कि हम मातृशक्ति का अपमान करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें व्यक्तिगत रूप से कोई पसंद हो न हो, मगर हम कला, संस्कृति और जाति को टार्गेट नहीं कर सकते। अगर कोई ऐसा कर रहा है तो वो अपने लिए खुद गड्ढा खोद रहा है। उन्होंने कहा कि मथुरा कला की भूमि है। भगवान कृष्ण ने 16 कलाओं के साथ यहीं पर अवतार लिया है। कला का सम्मान करने के लिए इससे अच्छी भूमि कौन हो सकती है। इसलिए भारत की सुविख्यात सिने अदाकारा जिन्होंने अपनी कला और प्रतिभा के माध्यम से भारत की संस्कृति और सभ्यता को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में पूरा जीवन लगा दिया हो। इनके मंचन को देखने के लिए दुनियाभर के लाखों लोग जुटते हैं। इसका सम्मान कौन भारतीय नहीं करेगा, यदि ये भी कांग्रेसियों को बुरा लगता है, तो उन्हें भगवान भी बचा पाएगा या नहीं इसपर संदेह होता है।

सीएम योगी ने सवाल किया कि 60 साल तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस ने काशी, मथुरा और अयोध्या में विकास क्यों नहीं किया। हेमा मालिनी के सुझाव पर मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, बलदेव का विकास ब्रज तीर्थ विकास परिषद के माध्यम से यहां विकास कार्यों को सुनिश्चित किया गया है। ऐसे ही सभी तीर्थों में विकास तेज गति से आगे बढ़ रहा है। कई जगह न्यायालयों में मामला होने के कारण हमें रुकना पड़ता है। मगर हम यही मानकर चलते हैं कि अंततः हमारी जीत होनी है। हमने अयोध्या के लिए 500 साल तक इंतजार किया मगर संघर्ष से कभी पीछे नहीं हटे और अंततः परिणाम हमारे पक्ष में आया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आखिर क्या वजह थी कि अयोध्या में श्रीराम के मंदिर का निर्माण सपा, बसपा और कांग्रेस ने नहीं किया। ये लोग तो रामभक्तों पर गोली चलाते थे। कोई जय श्रीराम भी कह देता था तो उनपर लाठी और गोलियां चलती थीं।

अब तक कुल 108.08 करोड़ कीमत की शराब, ड्रग व नगदी बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में प्रवर्तन एजेन्सियों व उड़नदस्तों द्वारा अवैध मदिरा, नकदी आदि की जब्ती संबंधी आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 1 मार्च से 3 अप्रैल, 2024 तक कुल 108.08 करोड़ रुपए कीमत की मदिरा, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं, मुफ्त उपहार व नगदी आदि जब्त किए गए, इसमें 1913.61 लाख रुपए से अधिक नकद धनराशि, 2742.24 लाख रुपए कीमत की 797848.18 लीटर शराब, 4264.54 लाख रुपए कीमत की 6917777.08 ग्राम ड्रग, 1778.18 लाख रुपए कीमत की 39163.86 ग्राम बहुमूल्य धातुएं, 0.43 लाख रुपए के मुफ्त उपहार एवं 109.12 लाख रुपए कीमत की अन्य सामग्री जब्त की गयी।

आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 3 अप्रैल, 2024 को कुल 181.57 लाख रुपए कीमत की मदिरा, ड्रग व नगदी आदि जब्त किया गया। इसमें 31.59 लाख रुपए नकद धनराशि, 53.47 लाख रुपए कीमत की 20147.88 लीटर शराब, 95.72 लाख रुपये कीमत की 68246.95 ग्राम ड्रग एवं 0.80 लाख रुपए कीमत की अन्य सामग्री जब्त की गयी।

476 लाइसेंसी शस्त्र जब्त व 3902 निरस्त कर जमा कराए गए

16 मार्च से 3 अप्रैल, 2024 तक पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 476 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किए गए। 3902 लाइसेंसी शस्त्र निरस्त कर जमा कराए गए। इसी प्रकार सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 17,47,642 लोगों को पाबन्द किए जाने के लिए नोटिस प्रेषित किए गए है, जिसमें से 10,07,825 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 3662 बिना लाइसेंस के अवैध शस्त्र, 4,058 कारतूस, 2060.5 किलोग्राम विस्फोटक व 204 बम बरामद कर सीज किए गए। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 1036 केन्द्रों पर रेड डाली गई और 71 केन्द्रों को सीज किया गया।

सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से कुल 6497283 प्रचार-प्रसार सामग्री हटाई गई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आदर्श आचार संहिता का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराने में अब तक सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से कुल 64,97,283 प्रचार-प्रसार सामग्री हटाई गई। इसमें सार्वजनिक स्थानों से 39,33,973 तथा निजी स्थानों से 25,63,310 प्रचार-प्रसार सामग्री हटाई गई। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों से वालराइटिंग के 4,23,777, पोस्टर के 18,40,791, बैनर के 11,30,748 एवं अन्य 5,38,657 मामलों में कार्यवाही की गई। इसी प्रकार निजी स्थानों में से वालराइटिंग के 3,31,324, पोस्टर के 11,71,433, बैनर के 6,42,665 एवं अन्य 4,17888 मामलों में कार्यवाही की गई। इसी प्रकार अब तक वाहनों में बीकन लाइट, फ्लैग के दुरुपयोग के 865 मामलों में तथा लाउडस्पीकर एक्ट के उल्लंघन के 1612 मामलों में कार्यवाही की गई। बिना अनुमति के सभा व भाषण करने, मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी बांटने, वाहनों में बीकन लाइट, फ्लैग के दुरुपयोग एवं अन्य मामलों में 29 एफआईआर व 2 एनसीआर सहित कुल 31 प्रकरण में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री के मिशन 80 को पूरा करेंगे प्रदेश के ओपीनियन लीडर्स

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अमूमन चुनाव के दौरान राजनीतिक दल बड़ी-बड़ी रैलियां-महारैलियां, रोड शो, रथयात्रा, पदयात्रा और नुक्कड़ सभाएं करते हैं। सोशल मीडिया के जमाने में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए भी प्रचार करके जनमत को अपने पक्ष में करने की कवायद राजनीतिक दलों की ओर से चल रही हैं। इसके साथ ही इस लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश प्रचार अभियान के एक अनोखे प्रयोग का भी साक्षी बन रहा है। ये अभियान है प्रबुद्धजनों को जगाने का। प्रबुद्धजन, जिसे आमतौर पर 'ओपीनियन लीडर्स' भी कहते हैं। ये वही समूह है जो सदियों से समाज के व्यवहार को प्रभावित करने की सबसे ज्यादा क्षमता रखता है। डॉक्टर्स, इंजीनियर्स, अधिवक्ता, लेखक, शिक्षक, प्रोफेसर्स, चार्टेड अकाउंटेंट, बड़े उद्यमी, व्यापारी वर्ग एवं अन्य प्रोफेशनल्स, जिसे समाज में शिक्षित और पढ़ा-लिखा वर्ग माना जाता है। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि ये समाज ही चुनाव, खासकर मतदान के दिन सबसे अधिक निष्क्रिय रहता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अब इसी समाज को जगाकर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों को साधने में जी-जान से जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से प्रदेश के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में प्रबुद्धजनों से संवाद स्थापित करते हुए मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए पूरा जोर लगा दिया गया है। हालांकि, प्रबुद्धजनों से संवाद का ये अनोखा प्रयोग गत वर्ष यूपी में हुए नगरीय निकाय चुनावों के दौरान भी देखने को मिला था, जिसका भरपूर फायदा बीजेपी को मिला और सभी 17 नगर निगमों में महापौर के अलावा 89 नगर पालिका और 191 नगर पंचायत में अध्यक्ष की कुर्सी पार्टी ने अपने खाते में दर्ज करा ली थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक बार फिर प्रदेश के प्रबुद्धजनों के जरिए 'मिशन 80' के लक्ष्य को पूरा करने में जी-जान से जुटे हुए हैं। सीएम योगी ने अबतक प्रदेश के तकरीबन 25 से अधिक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के प्रबुद्धजनों से सीधे संवाद बनाते हुए अपनी रणनीतिक कौशल का परिचय दे दिया है।

यूपी में कार्यरत बिहार व छत्तीसगढ़ के मतदाताओं को मिलेगा सवैतनिक अवकाश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बिहार तथा छत्तीसगढ़ के उत्तर प्रदेश में कार्यरत मतदाता जिसमें दैनिक श्रमिक भी शामिल हैं, उन्हें अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए सवैतनिक अवकाश दिए जाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन जितेंद्र कुमार द्वारा आदेश जारी किया गया। जारी आदेश में कहा गया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 के अंतर्गत 26 अप्रैल तथा 7 मई, 2024 को छत्तीसगढ़ में होने वाले लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 तथा बिहार में 19 व 26 अप्रैल, 2024 के साथ-साथ 7,13, 20, 25 मई एवं 1 जून, 2024 को होने वाले लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 तथा विधानसभा उप निर्वाचन 2024 में शामिल होने वाले संबंधित राज्यों के मतदाताओं को वेतन सहित अवकाश मिलेगा।

इस सुविधा का लाभ दैनिक श्रमिकों को भी दिया जाएगा जो आजीविका के संबंध में उत्तर प्रदेश में कार्यरत हैं। इस संबंध में नियंत्रक प्राधिकारियों तथा कार्यालयाध्यक्षों को आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

1.63 लाख बूथों पर मनेगा भाजपा का स्थापना दिवस

● पार्टी के बड़े नेता बूथों पर जाकर करेंगे कार्यक्रम घर-घर संपर्क कर लगवाएंगे भाजपा का झंडा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी 6 अप्रैल शनिवार को प्रदेश के सभी 1.63 लाख बूथों पर अपना स्थापना दिवस मनाएगी। गुरुवार को हुई वर्चुअल बैठक में प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल ने स्थापना दिवस कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी ली। बैठक में पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय प्रभारी, ज़िला प्रभारी, जिलाध्यक्ष, लोकसभा प्रभारी, लोकसभा संयोजक, विधानसभा प्रभारी और संयोजक तथा स्थापना दिवस समारोह के ज़िला संयोजक उपस्थित रहे। भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि इस बार स्थापना दिवस कार्यक्रम आम चुनाव के बीच में मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से भी हमें आम जनता के बीच जाकर फिर से मोदी जी की सरकार बनाने के लिए भाजपा के पक्ष में वोट की अपील करनी है।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल ने कहा कि स्थापना दिवस का कार्यक्रम सभी बूथों पर मनाया जाना है। पार्टी के पदाधिकारी भी अपने बूथों पर रहकर स्थापना दिवस कार्यक्रम मनायेंगे। इसके बाद बूथों पर घर-घर संपर्क अभियान चलाना है। पदयात्रा निकालकर भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील करनी है। लोगों से आग्रह कर उनके घरों पर पार्टी का झंडा लगवाना है। मोदी सरकार की उपलब्धियों और भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में मतदान की अपील से संबंधित हैंडबिल भी बांटने हैं। कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक एवं प्रदेश महामंत्री संजय राय ने बताया कि सभी बूथों पर कार्यक्रम की तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। बूथों पर बूथ समिति, पन्ना प्रमुख, स्थानीय कार्यकर्ता और बूथों पर निवास करने वाले प्रदेश, क्षेत्र, ज़िला एवं मण्डल के पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

सपा छात्रसभा की राज्य कार्यकारिणी में दो प्रदेश सचिव नामित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी छात्र सभा इंजी. विनीत कुशवाहा ने आजमगढ़ की जागृति आनन्द तथा प्रयागराज के बृजेश कुमार यादव को समाजवादी छात्र सभा की राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव नामित किया गया है।

समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द गिरि ने सतीश यादव निवासी बरेली को बरेली से समाजवादी युवजन सभा की राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव नामित किया है।

महिलाओं के स्वाभिमान को चोट पहुंचाना कांग्रेस का पुराना कल्चर: अपर्णा यादव

● हेमा मालिनी के खिलाफ सुरजेवाला की अमर्यादित टिप्पणी पर चुनाव आयोग से की कार्रवाई की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी की नेता अपर्णा यादव ने गुरुवार को कहा कि महिला अस्मिता, आत्मसम्मान और उनके स्वाभिमान को चोट पहुंचाने, महिलाओं को लज्जित और अपमानित करने का कांग्रेस का पुराना कल्चर है। रणदीप सुरजेवाला का भी हालिया बयान इसी का नतीजा है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति का अपमान करने वाले दुर्योधन का भी अंत हो गया था कांग्रेस क्या चीज है। कांग्रेस का भी हश्र ऐसा ही होगा।

यादव गुरुवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर रही थीं। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री जहां नारी शक्ति के सम्मान को लेकर पूरे देश में सकारात्मक अभियान चला रहे हैं। देश के गौरव को बढ़ाने की दिशा में काम कर रही महिलाओं को सम्मानित कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के नेताओं का महिलाओं को लेकर बुरा और अपमानजनक बर्ताव पार्टी की सोच को बताता है। महिलाओं का अपमान करना कांग्रेस के डीएनए में है। मथुरा में कांग्रेस की ही नेता रहीं प्रियंका चतुर्वेदी को भी अपनी अस्मिता और मान सम्मान बचाने के लिए कांग्रेस छोड़नी पड़ी थी। कहा कि, कांग्रेस में अनगिनत नेता और उदाहरण भरे पड़े हैं, स्वयं राहुल गांधी, कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, शशि थरूर समेत आजम ख़ान, अबू आज़मी जैसे इंडी गठबंधन के नेता भी महिलाओं के खिलाफ अनर्गल और अपमानजनक टिप्पणी करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता और राहुल गांधी के करीबी रणदीप सुरजेवाला कैथल ज़िले के किसी गांव में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में सभा करते हुए। पद्म सम्मान से सम्मानित और मथुरा सांसद हेमा मालिनी पर निंदनीय और अशोभनीय टिप्पणी की जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है।

हार की हताशा में कांग्रेस के नेता कर रहे अमर्यादित आचरण: ब्रजेश पाठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गुरुवार को प्रदेश मुख्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित करने का जमकर विरोध किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत द्वारा प्रधानमंत्री का सिर फोड़ने की बात कहना अत्यंत निंदनीय और आपत्तिजनक है। जैसे-जैसे चुनाव नज़दीक आ रहे हैं कांग्रेस के नेता उतने ही निम्न स्तर पर उतरकर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री पर जनता का भरोसा बढ़ता ही जा रहा है, जिसे देखकर कांग्रेस पार्टी के नेता अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। कांग्रेस नेता एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने प्रधानमंत्री के लिए पुनः घटिया और आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया है। ईर्ष्या और द्वेष से प्रेरित कांग्रेस का बयान भारतीय राजनीति के लिए दुखद संकेत है। पाठक ने कहा कि कांग्रेस नेता चरण दास महंत ने कहा कि प्रधानमंत्री से मुकाबला करने के लिए 'ऐसा व्यक्ति चाहिए, जो लाठी मार कर उनका सर फोड़ सके।' दरअसल इनके नेता राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान में जहरीला सामान बेच रहे हैं। राहुल गांधी जिनकी शैडो ब्रांडिंग करते घूम रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 2009 से अबतक नरेन्द्र मोदी को कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा 92 गालियाँ दी जा चुकी हैं। ये गांधी जी की परंपरा के उत्तराधिकारी होने का केवल दंभ भरते हैं, लेकिन इनका मन बहुत ही मैला है। ये गरीब और पिछड़े समाज से निकलकर पार्टी के आम कार्यकर्ता से प्रधानमंत्री बनने वाले मोदी जी को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। जनता मोदी पर फ़िदा है जिसे ये पचा नहीं पा रहे हैं। सामंती सोच रखने वाले इनके नेता की खीझ केवल मोदी पर नहीं बल्कि 140 करोड़ आम हिंदुस्तानियों पर निकाल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इनके अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मोदी जी की तुलना साँप से करते हैं। इनकी पूर्व अध्यक्षा और पार्टी की सर्वेसर्वा सोनिया गांधी उन्हें मौत का सौदागर बताती हैं। इनके कम्युनिकेशन हेड जयराम रमेश उनकी तुलना हिटलर से करते हैं। यही नहीं अपने नेताओं को खुश करने के लिए इनके मीडिया हेड ने मोदी के परिवार को भी नहीं बख्शा।

पाठक ने कहा कि मोदी की बोटी-बोटी करने की बात करने वाले इमरान मसूद को फिर से लोकसभा का टिकट दे दिया। कहा कि, कांग्रेस जितना नीचे गिरेगी, जनता मोदी जी को समर्थन और प्रेम देकर उतने ही ऊपर ले जाएगी। अबकी बार मोदी जी को जनता 400 सीटों का आशीर्वाद देने जा रही है।

दस साल की केंद्र की भाजपा सरकार ने नहीं पूरा किया एक भी वादा: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सबसे झूठी और भ्रष्टाचारी पार्टी है। भाजपा ने झूठ और भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। भाजपा ने किसानों, नौजवानों, महिलाओं, व्यापारियों सभी से झूठे वादे किए। दस साल की केन्द्र की भाजपा सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया। न किसानों की आय दोगुनी हुई न युवाओं को हर साल दो करोड़ नौकरी मिली।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं की सुरक्षा देने में फेल रही है। महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ते जा रहे हैं। जिन-जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, वहां महिलाओं के साथ सबसे ज्यादा अत्याचार हो रहा हैं। भाजपा ने मंहगाई और बेरोजगारी के नाम पर भी जनता से झूठ बोला। महंगाई, बेरोजगारी कम होने के बजाय दोगुनी रफ्तार से बढ़ी। खाने-पीने की चीजें दाल, सब्जी, दूध से लेकर डीजल-पेट्रोल, रसोई गैस सभी चीजों के दाम बढ़ाकर भाजपा सरकार ने गरीब और मध्यम वर्ग जनता की कमर तोड़ दी।

अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। भाजपा ने चुनावी चंदा के नाम पर जमकर वसूली की। सरकारी एजेंसियों ईडी, सीबीआई और आईटी से छापे डलवाकर डराकर तमाम कम्पनियों से वसूली की गई। कोरोना रोधी वैक्सीन बनाने वाली कम्पनी से भी वसूली कर ली। भाजपा सरकार में इलेक्टोरल बांड के नाम पर ऐसा भ्रष्टाचार हुआ है जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। सरकार दबाव डालकर पार्टी के लिए पैसा वसूलती हो ऐसा कभी नहीं हुआ। जब से भाजपा के भ्रष्टाचार का भांडा फूटा है तब से भाजपा में भारी घबराहट है। जनता भाजपा के चाल, चरित्र और चेहरे को समझ गई है। भाजपा पूरे देश में बेनकाब हो चुकी है। उत्तर प्रदेश में तो भाजपा ने पूरे बजट का बंदरबांट किया है। बजट की ऐसी लूट कभी नहीं हुई। यूपी में भाजपा सरकार सड़कों में गड्ढ़ामुक्त के नाम पर 40 हजार करोड़ रुपए का बजट डकार गई।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 5 अप्रैल 2024

गोद लिए क्षय रोगियों को बांटी पोषण सामग्री

● जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान हेतु दिलाई शपथ

फतेहपुर। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के संयोजकत्व में विकास भवन सभागार में 101 क्षय रोगियों को पोषण सामग्री वितरण व मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डीएम सी इंदुमती व विशिष्ट अतिथि के रूप में सीडीओ पवन कुमार मीना, सीएमओ डॉ इशतियाक अहमद, जिला विकास अधिकारी प्रमोद सिंह चंद्रौल उपस्थित रहे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को रेडक्रास वेशभूषा पहनाकर पुष्पगुच्छ व शाल भेंट की गई। फिर डीएम के प्रयास से जनपद का नाम लंदन बुक ऑफ रिकॉर्ड में अंकित होने से चेयरमैन व आजीवन सदस्यों ने पगड़ी पहनाकर, शाल व प्रतीक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। तत्पश्चात डीएम, मुख्य विकास अधिकारी ने 11 क्षय रोगियों को पोषण सामग्री वितरित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। फिर उपस्थित सभी आजीवन सदस्यों ने गोद लिए गए सभी 101 क्षय रोगियों को पोषण सामग्री प्रदान की। साथ ही स्वीप के अंतर्गत जिलाधिकारी ने उपस्थित नागरिकों को 20 मई को शत प्रतिशत मतदान हेतु निवेदन कर मतदाता शपथ भी दिलाई। ।। कार्यक्रम का संचालन चेयरमैन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ निशात शहाबुद्दीन, सचिव अजीत सिंह, आजीवन सदस्य सर्वेश कुमार गुप्ता, डॉ. पंकज रस्तोगी, डॉ. अरुणा श्रीवास्तव, दीपाली वर्मा, कल्पना सिंह, साधना चौरसिया, राकेश कुमार, राशिद हुसैन, प्रशांत पाटिल, अंगद सिंह चंदेल, चैतन्य कुमार, कौशल कुमार श्रीवास्तव, दिनेश कुमार श्रीवास्तव, शैलेन्द्र रस्तोगी, अभिनव श्रीवास्तव, कपिल श्रीवास्तव, राजा सिंह, संजय श्रीवास्तव सहित सभी आजीवन सदस्य उपस्थित रहे।

संचारी रोग नियंत्रण के लिए चलाया साफ सफाई, झाड़ी कटाई, दवा छिड़काव अभियान

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी आलोक सिंह व मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन. के मार्गदर्शन में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत जनपद में विभिन्न विभागों के समन्वय से साफ सफाई, एंटी लार्वा छिड़काव तथा अन्य संबंधित गतिविधियों को विभिन्न तहसीलों, ब्लाकों, गांव, नगर निकायों में कराया गया। इसके अंतर्गत आज रसूलाबाद, ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत मानवा में नालियों की साफ सफाई व कूड़े का उठान किया गया। इसी प्रकार रसूलाबाद, झींझक, डेरापुर, संदलपुर, अकबरपुर आदि ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत अपोना के प्राथमिक विद्यालय भवनपुर, ग्राम पंचायत सिमरामउ मजरा मुरलीपुर, ग्राम पंचायत जोत, ग्राम पंचायत देवगाव, ग्राम पंचायत सजावरपुर, ग्राम पंचायत भैंसया, ग्राम निगोहिया, प्राथमिक विद्यालय नैला, ग्राम पंचायत दशहरा के मजरा सुजानपुर, ग्राम पंचायत परसौरा, ग्राम पंचायत भैरा, ग्राम पंचायत पहाड़ीपुर के स्वास्थ्य केन्द्र, ग्राम गहलू, ग्राम पंचायत कुईतमंदिर, ग्राम पंचायत उदयपुर, ग्राम पंचायत दिबैर, ग्राम पंचायत कसोलर, ग्राम पंचायत कोरीवा, तिश्ती प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ग्राम पंचायत सुनैसी के जूनियर हाईस्कूल, नगर पंचायत मूसानगर, नगर पंचायत रनियां आदि में साफ सफाई, नालियों की साफ सफाई, फार्गिंग, एंटी लार्वा का छिड़काव, झाड़ी कटाई आदि का कार्य सफाई कर्मचारियों के माध्यम से किया गया तथा लोगों को संचारी रोगों के प्रति जागरूक भी किया गया तथा अकबरपुर ब्लाक में आशा, आंगनबाड़ी की एक बैठक आयोजित की गयी, जिसमें संचारी रोगों के प्रति लोगों को जागरूक किये जाने तथा अन्य संबंधी दिशा निर्देश अधिकारियों द्वारा दिये गये।

लोकसभा चुनाव में इस बार निघासन से जीत का रिकार्ड बनें अचिन मल्होत्रा

संवाददाता। निघासन खीरी

भारतीय जनता पार्टी द्वारा मिशन 2024 को लेकर ढखेरवा चौराहे के प्रमोद पैलेस में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में पहुंचे मुख्य अतिथि अचिन मल्होत्रा ने कार्यकर्ताओं को चुनाव भारी मतों से जीतने हेतु टिप्स दिए। और कहा लोकसभा में इस विधानसभा का रिकार्ड बनें।और लोक सभा संयोजक विनीत मनार ने भी कार्यकर्ताओं को गुर सिखाए। इसके उपरांत विधानसभा प्रभारी अरविंद गुप्ता ने भी कार्यकर्ताओं के पेंच कसे और विधानसभा संयोजक दयाशंकर मौर्य ने भी कार्यकर्ताओं से अपील की कि सबसे आगे विधानसभा होनी चाहिए रिकार्ड बनाना है लोकसभा चुनाव में।

इस कार्यक्रम में जिले के संगठन जिला महामंत्री विनोद कुमार लोधी, नागेन्द्र सिंह सेंगर और शक्ति केंद्र प्रभारी शक्ति केंद्र संयोजक शक्ति केंद्र पालक मंडल की टीम समेत इस् रामिया भेहड़ मंडल प्रभारी रामप्रताप कटियार मंडल अध्यक्ष जय प्रकाश विश्वकर्मा मण्डल उपाध्यक्ष धीरज निगम मंडल अध्यक्ष दामोदर मौर्य पुर्व मंडल अध्यक्ष पियूष श्रीवास्तव मण्डल मंत्री सतीश चन्द्र श्रीवास्तव जी, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रकाश नारायन मिश्र मण्डल महामंत्री रामकेश लोधी जी, जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा राम पांडेयव रमेश लोधी जिला मंत्री युवा मोर्चा पंकज गिरी सहित सभी मंडल के सम्मानित संयोजक सोशल मीडिया इजी. मुकेश मिश्र जी मौजूद रहे। यह जानकारी भाजपा मीडिया प्रभारी रतीराम लोधी ने दी है।

आपसी सौहार्द व सद्भावना पूर्ण ढंग से मनाए त्यौहारः सीओ

पीस कमेटी की बैठक को संबोधित करते सीओ सदर।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। चैत्र नवरात्रि एवं ईद व अम्बेडकर जयंती से पूर्व कोतवाली परिसर में सदर क्षेत्राधिकारी की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। धर्मगुरूओं व नागरिकों से त्योहारों को आपसी भाईचारे व सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाए जाने की अपील करते हुये सुझाव मांगे। बैठक में पहुंचे सदर क्षेत्राधिकारी कमलेश कुमार ने कहा कि आदर्श चुनाव आचार संहिता के चलते स्थानीय मस्जिद में ईद की नमाज को दो शिफ्टों में कराया जाए और सड़क पर नमाज ना पढ़ी जाए। ईद के दिन सफाई व्यवस्था को दुरूस्त कराया जाये और सुअरों को बाडे में बंद रखा जाये। अम्बेडकर जयंती के जुलूस में 10 फिट से अधिक डीजे साउन्ड न लगाये जायें। त्योहारों पर पूर्व की परमीशन के आधार पर ही परमीशन दी जाये। कोतवाली प्रभारी जेपी शर्मा, कस्बा प्रभारी रोबिन सिंह, उपनिरीक्षक विनय शर्मा, राहुल पाल सिंह, चन्द्रभान सिंह, राजेश प्रताप सिंह, सहित महंत पं. रामसागर पाण्डेय, पं. दीनबन्धु पाठक, शहर काजी हाफिज जुम्मन, व्यापारी नेता शिवम राज वर्मा, मो. नफीस, परवेज अहमद उर्फ चंदन सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सपा प्रत्याशी डॉक्टर नवल किशोर के सजातीय मतदाता ही असमंजस की स्थिति में

● अपने निजी अस्पतालों में ही रहते हैं व्यस्त, उनके पास आम जनता से मिलने का समय ही नहीं है, वह फिर कैसे सुनेंगे जनता की समस्याएं ●स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थक भी उनके खिलाफमोर्चा खोले

फर्रुखाबाद। जैसे.जैसे लोक सभा फर्रुखाबाद का चुनाव नजदीक आता जा रहा है। वैसे ही समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी डॉ नवल किशोर के प्रति उनका सजातिय वोट बहुत ही असमंजस की स्थिति में होता जा रहा है। शाक्य, कुशवाहा समाज के अधिकांश मतदाताओं का कहना है् कि डॉक्टर नवल किशोर अधिकांश समय लखनऊ व कायमगंज, अस्पतालों में ही व्यस्त रहते हैं उनके पास आम जनता से मिलने का समय ही नहीं है, बह फिर यह समस्याएं कैसे सुनेंगे यह चर्चा आम मतदाताओं में भी तेजी से शुरू हो गई है। दूसरी और सलमान समर्थक भी उनके खिलाफ विगुल फुंके हुए हैं। इधर सपा के नेता अभी भी असमंजस की स्थिति में है। नहीं सलमान खुर्शीद को टिकट मिल गई तो उनके अरमानों पर पानी फिर जाएगा। यदि यही हाल रहा तो आने वाले समय में डॉ नवल किशोर की नींद हराम होने वाली है। वैसे भी समाजवादी पार्टी में जिले में हमेशा ही गुटबाजी रही है। अब डॉक्टर नवल किशोर कितना ही जोर लगा ले पार्टी की गुटबाजी खत्म होने वाली नहीं हैं् दूसरी डॉ नवल किशोर के पूर्व ससुर व वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थक भी जिले में बहुत से हैं जोकि उनके स्व जातीय ही है।वह भी उनके खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं, शाक्य, कुशवाहा वोटो पर अपना वोट बैंक मानने वाले डॉ नवल किशोर को उनके सजातीय लोग ही नेता मानने को तैयार नहीं ऐसे में लोकसभा चुनाव की नैया कैसे पर होगी यह आने वाला वक्त ही बताएगा। अभी नगर के कई सपा के दिग्गजों के यहां उन्होंने दस्तक तक नहीं दिए अंदर ही अंदर शहर के कुछ सपा के दिग्गजो ने भी अभी कोई रुख नहीं किया हैंआम चर्चाएं यही है डॉ नवल किशोर शाक्य केबल स्टेटस सिंबल के लिए संसदीय का चुनाव लड़ रहे हैं। जनता की समस्याओं से उनका कोई लेना देना नहीं है, जब उनके पास आम जनता के लिए समय ही नहीं है जनता की समस्याओं का निराकरण कैसे करेंगे और सुनेंगे।

मतदान व मतदान से एक दिन पूर्व विज्ञापन प्रकाशन हेतु एमसीएमसी समिति का पूर्व प्रमाणीकरण अनिवार्य

कानपुर देहात। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक सिंह द्वारा लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय दल एवं रजिस्ट्रीकृत अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दल के अध्यक्ष/महामंत्री गणों को अवगत कराया है कि जनता के मध्य भड़काऊए भ्रामक व घृणा फैलाने वाले विज्ञापनों के मतदान के दिन और उससे एक दिन पूर्व प्रिंट मीडिया में प्रकाशित किये जाने से रोकने हेतु विस्तृत दिशा.निर्देश जारी किये गये हैं। आयोग के उक्त पत्र के अनुसारए किसी भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार या किसी अन्य संगठन या व्यक्ति द्वारा मतदान के दिन और उससे एक दिन पूर्व प्रिंट मीडिया में प्रकाशित कराये जाने वाले विज्ञापनों की सामग्री को राज्य ध् जिला स्तरीय एमसीएमसी समिति से पूर्व प्रमाणित कराया जाना आवश्यक है।

क्विक न्यूज

ट्रेन की चपेट में आने से युवक घायल

मौदहा (हमीरपुर)। ट्रेन की चपेट में आने से अधेड युवक को गंभीर हालत में एंबुलेंस ने कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया जिसे प्राथमिक उपचार के उपरांत सदर अस्पताल हमीरपुर के लिए रेफर कर दिया गया। विकासखंड के इचौली गांव के निकट रेलवे ट्रैक के पास देवेंद्र 55 वर्ष पुत्र राम चरन बांदा निवासी लावारिस अवस्था में पड़ा होने की सूचना रेलवे कर्मचारियों ने एंबुलेंस सेवा 108 को जानकारी देते हुए बताया कि लावारिस अवस्था में एक अंधेड घायल पड़ा हुआ है आनन.फानन में पहुंची एंबुलेंस ने तत्काल कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां प्राथमिक उपचार के उपरांत हालत में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। खास बात यह रही की घायल अपने निकट संबंधी लोगों के पूर्ण जानकारी देने में असमर्थ दिखाई दे रहा था इस संबंध में स्वास्थ्य कर्मियों ने संबंधित कोतवाली को प्राथमिक सूचना भेजकर जानकारी दी है। कोतवाली प्रभारी राम आसरे सरोज ने बताया कि जानकारी मिली है।

चोर को पुलिस ने दबोचा, जेवरात व नगदी बरामद

राठ (हमीरपुर)। कोतवाली पुलिस ने अंतर्जनपदीय शातिर चोर को जेवरात व नकदी के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कोतवाल उमेश सिंह ने गुरुवार को बताया कि जलालपुर रोड पर राजकुमार रैकवार निवासी अमगांव को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी कई दिनों से चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था।तलाशी लेने पर उसके पास से घर व दुकान के ताले व शटर तोड़ने के लिए एक प्रेसर कटर मशीन, प्लास कटर व अन्य उपकरण बरामद हुआ है। जिससे वह दुकान के ताले व शटर काटकर चोरी करता है। पुलिस जेवरात समेत 13,450 रुपए बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि राठ कोतवाली में आठ, चिकासी थाने में एक, जरिया में एक, झांसी में दो, जालौन में एक, महोबा में चार मुकदमे दर्ज हैं।

बिना नीलामी किये ही नये स्कूल बनाने की कार्यवाही शुरु

कुरारा (हमीरपुर)। जर्जर विद्यालय के भवनों की नीलामी किये बिना नए भवन बनाये जा रहे है। वही कुछ विद्यालय के भवनों को तोड़ा भी जा चुका है। जिससे बच्चो की शिक्षा खुले मैदान के भरोसे चल रही है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के हमीरपुर जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह चंदेल ने बताया कि कुरारा क्षेत्र के कई विद्यालयो जिनमे प्राथमिक विद्यालय शेखूपुर, दो प्राथमिक विद्यालय परसी का डेरा, प्राथमिक विद्यालय खिरवा, कन्या प्राथमिक विद्यालय भौली, प्राथमिक विद्यालय टोडरपुर, प्राथमिक विद्यालय बरुआ, प्राथमिक विद्यालय बेरी, प्राथमिक विद्यालय सिद्धबाबा का डेरा सहित और भी कई विद्यालय है। जिनकी जर्जर बिल्डिंग की नीलामी बिना नए भवन उपलब्ध करवाए करवा दी गई है जिनको तोड़ने का काम भी शुरू हो गया है। बच्चे खुले में पढ़ाई करने को मजबूर है। जिलाध्यक्ष ने मांग की है कि पहले नए भवन बना कर दिए जाएं उसके बाद बनी जर्जर विद्यालयो के भवनों को तोड़ा जाए।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

फतेहपुर। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी नीरज की 25 वर्षीय पत्नी रुसमा देवी ने संदिग्ध अवस्था में घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। परिजनों ने जब रुसमा देवी को फाँसी के फंदे से लटका हुआ देख तो घर में हड़कंप मच गया। सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज घटना की जांच पड़ताल कर रही है।

मतदाताओं को ज्यादा से ज्यादा मतदान करने हेतु किया जागरूक

कानपुर देहात। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन व मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन. के मार्गदर्शन में आज विकासखंड झींझक में महिला मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में महिला व पुरुष मतदाताओं को ज्यादा से ज्यादा मतदान किए जाने हेतु जागरूक किया गया। डीसी एनआरएलएम, बीडीओ, सचिव एवं जिला मिशन प्रबंधक तौकीर, अंकित, ब्लॉक मिशन प्रबंधक आदि उपस्थित रहे।

मधुमक्खियों ने हमला दो की हालत गंभीर

कायमगंज फर्रुखाबाद। खेत पर काम कर रहे किसानों पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। जिससे एक महिला तथा पुरुष दो घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। साथ आए लोगो ने बताया कि मधुमक्खियों ने कुछ और लोगो को भी काटा है। लेकिन वे ज्यादा प्रभावित नहीं है। जनपद एटा के थाना अलीगंज के गांव परसोली निवासी अतुल सक्सेना व ब्रह्मा देवी तथा उनके साथ अन्य लोग अपने खेत पर काम कर रहे थे। उसी समय मधुमक्खियां के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। चीख पुकार मच गई। जैसे तैसे मधुमक्खियों के झुंड से बचाया जा सका। दोनों को इलाज के लिए कायमगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज जारी है।

साहूकारों व कर्ज से परेशान रिक्शा चालक ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

● साहूकारों के पास ढाई लाख रुपए और छह बीघा जमीन रखी थी गिरवी

राठ (हमीरपुर)। मुस्करा क्षेत्र के इमिलिया गावं में एक रिक्शा चालक साहूकारों के उत्पीडन व कर्ज से परेशान रिक्शा चालक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली है। गांव का महेंद्र साहू (40) ई रिक्शा चलाकर परिवार का भरण पोषण करता था। पत्नी गीता ने पुलिस को बताया कि गांव में उसके पति के नाम छह बीघा जमीन थी। जो गिरवी रखी थी। साथ ही साहूकारों का ढाई लाख रुपए कर्ज था। कर्ज न चुकाने पर साहूकारो की धमकी से पति परेशान रहते थे। कर्ज न चुकने से उसके पति ने घर में बुधवार को जहरीला पदार्थ का खा लिया। झांसी में इलाज के दौरान चालक की गुरुवार को मौत हो गई।

कच्ची शराब एवं बनाने के उपकरण सहित दो को दबोचा

● कोतवाली पुलिस ने मौके से नष्ट किया सौ लीटर लहन नष्ट

पुलिस हिरासत में मौजूद आरोपी।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक एवं सीओ सदर के पर्यवेक्षण में कोतवाली पुलिस द्वारा अवैध रूप से कच्ची शराब का कारोबार करने वाले लोगों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत छापेमारी की। जहां से दो लोगों के पास से भारी मात्रा में कच्ची शराब एवं बनाने के उपकरण बरामद करते हुए हिरासत में ले लिया। आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को शकुशल कराए जाने के दृष्टिगत उच्चाधिकारियों के निर्देशन एवं प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में कोतवाली के उप निरीक्षक राजेश प्रताप सिंह ने हमराह सिपहियों अशोक कुमार, आदेश कुमार, विपुल कुमार के साथ बुधवार को मुखबिर की सूचना पर ग्राम खाडेदेवर स्थित गिहार बस्ती में छापेमारी की। जहां दो लोगों को रंगे हाथ कच्ची शराब को उतारते समय हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मौके से 20 लीटर कच्ची शराब एवं बनाने के उपकरण बरामद करते हुए 100 लीटर लहन को नष्ट किया। पुलिस हिरासत में आरोपियों ने अपना नाम संजय गिहार पुत्र नेकसे गिहार, धर्मेंद्र उर्फ अउआ पुत्र नंगा गिहार निवासीगण ग्राम खाडेदेवर बताया है। कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध आपकारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

कांग्रेस से सलमान को लोकसभा टिकट मिलने की उम्मीद, सपा के कार्यकर्ता प्रत्याशी से मायूस

संवाददाता। फर्रुखाबाद

लोकसभा चुनाव का शंखनाद हो चुका है। समाजवादी से गठबंधन प्रत्याशी डा. नबल किशोर शाक्य चुनावी मैदान में हैं। उधर सपा के जिला संगठन के कई पदाधिकारी में चुनाव प्रचार के दौरान खून सफेद नजर आ रहा है। जिला कांग्रेस अभी तक अपने आका सलमान को लेकर उम्मीद का दीया जलाये बैठी है। लिहाजा अभी भी जिले में कांग्रेस को टिकट की उम्मीद है। जिससे वह सपा के प्रचार में नही जा रही है।सपा नें डा. नबल किशोर शाक्य को टिकट दिया। डा. नबल किशोर सपा और कांग्रेस सहित अन्य गठबंधन की पार्टियों के समर्थित प्रत्याशी है। पहले तो आज तक कांग्रेसी सपा प्रत्याशी के चुनाव प्रचार में नजर नही आ रहे । जिससे गठबंधन की ताकत प्रत्याशी के साथ नजर नही आ रही । कांग्रेस का जिला संगठन को उम्मींद थी कि उनके नेता पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद को टिकट मिलेगी लेकिन टिकट सपा के डा. नबल किशोर शाक्य को मिल जानें से कांग्रेस पदाधिकारियों नें खुद को फ्लिहाल किनारे कर रख लिया है। कही भी प्रचार करते कांग्रेसी नजर नही आ रहे।

उधर बात करें सपा के जिला संगठन की तो संगठन के अधिकतर पदाधिकारी सपा प्रत्याशी के द्वारा कोई खास लिफ्ट न देनें से खफा नजर आ रहें। लिहाजा वह केबल फेसबुक और फोटो खिचानें वाले प्रचार तक ही अभी तक सीमित है। जिससे साइकिल की रफ्तार बढ़ाने में प्रत्याशी को काफी मेहनत करनी पड़ रही है । सपा ने जुड़े सूत्रों नें बताया कि सपा प्रत्याशी नें अपने खुद के परिचितों की सेना जनपद में चुनाव प्रचार के लिए उतारी है। उनके भरोसे ही चुनाव लड़ा जा रहा है।

जनपद में सपा प्रत्याशी के खास लोगों के हाथ में ही पूरी चुनाव की कमान है। संगठन के पदाधिकारियों से कोंई मतलब नही है न ही उनसे कोई खास सम्पर्क किया जा रहा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष शकुंतला देवी नें बताया कि अभी कांग्रेस को सलमान खुर्शीद को टिकट मिलने की उम्मीद है। सपा प्रत्याशी के प्रचार के लिए पार्टी आलाकमान से कोई निर्देश नही मिले हैं।सपा जिलाध्यक्ष चन्द्रपाल यादव ने बताया कि सपा के सभी पदाधिकारी चुनाव प्रचार में लगे है। यह कहना गलत है कि सपा पदाधिकारियों के द्वारा प्रचार नही किया जा रहा या उन्हें प्रत्याशी के द्वारा तबज्जो नही दी जा रही। सपा पूरी दमदारी से चुनाव लड़ रही है।

क्षेत्र में शिक्षा का मुद्दा चुनाव से गायब

● राजकीय इंटर कॉलेज तथा महाविद्यालय न होने से गरीब छात्र हो रहे शिक्षा से वंचित

संडीला (हरदोई)। देश के आजाद होने के बाद और सत्ता अपने प्रतिनिधियों के पास आने से तहसील संडीला की जनता को यह उम्मीद बंधी थी कि हमारे जनप्रतिनिधि शिक्षा के क्षेत्र में जरूर कोई न कोई योगदान करेंगे लेकिन ऐसा हुआ नहीं। मात्र दो राजकीय बालिका इंटर कॉलेजों के क्षेत्र में राजकीय विद्यालयों का लगभग अभाव हैए जिससे गरीब बच्चे उच्च शिक्षा से लगातार वंचित हो रहे हैं। मात्र समाज का खाता पीता वर्ग ही अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में शिक्षा दिलाने में समर्थ हो रहा है।

संडीला तहसील में आजादी से पहले नवाब सैयद एल्तिफ़ात रसूल के सुपुत्र नवाब सैयद ऐजाज रसूल के गंभीर प्रयासो से आईआर इंटर कॉलेज की स्थापना हुई थी जो इस तहसील का सबसे पुराना सहायता प्राप्त कॉलेज कहा जाता है। इस विद्यालय ने क्षेत्र के लाखों गरीब बच्चों को इंटरमीडिएट स्तर पर भी शिक्षा प्रदान करने का अतुलनीय कार्य प्रदान किया है। इसके अलावा गांधी इंटर कॉलेज बेनीगंज, जनता इंटर कॉलेज भरावन, भगवान बुद्ध इंटर कॉलेज संडीला, पीबीआर इंटर कॉलेज गौसगंज कालांतर में स्थापित हुए और शासकीय सहायता मिलने के बाद शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान प्रारंभ किया। क्षेत्र के विधायक स्व. कुदैसिया बेगम उर्फबेगम ऐजाज रसूल ने संडीला नगर में बालिकाओं की शिक्षा के लिए एक राजकीय इंटर कॉलेज स्थापित कराया जो गरीब बच्चियों के लिए इंटर स्तर की शिक्षा का केन्द्र है। गतवर्ष संडीला में ही एक अन्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की स्थापना हुई लेकिन संडीला में बालकों का आजतक कोई राजकीय इंटर कॉलेज नहीं खुल सका। यही नहीं बेनीगंज क्षेत्र में बालिकाओं का राजकीय इंटर कॉलेज क्षेत्र की तमाम जनता की मांग के बावजूद स्थापित नहीं हो सका। हांलाकि इस क्षेत्र से सुशीला सरोज विधायक एवं मंत्री रहीं जबकि अंजू बाला तथा ऊषा वर्मा सांसद लेकिन उन्होंनें बेनीगंज क्षेत्रण् के लिए बालिकाओं की शिक्षा के विषय में संभवत: सोचा नहीं अथवा सोचने की आवश्यकता नहीं समझी। संडीला तहसील मुख्यालय पर न तो बालिकाओं का और न बालकों का कोई राजकीय महाविद्यालय है जहां जाकर गरीबों के बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। शिक्षा की सारी व्यवस्था प्राइवेट महाविद्यालयों के अधीन है। इन महाविद्यालयों फीस इतनी अधिक है कि गरीब छात्र छात्राओं का इनमें पढ़ना तो दूर की बात सोचना भी बुहत मुश्किल है। स्नातक शिक्षा की शिक्षा में जबसे सेमेस्टर प्रणाली शुरू हुइ है तबसे यह शिक्षा और महंगी हो गयी है। प्रत्येक सेमेस्टर की फीस 5000रुपए से कम नहीं है। वर्तमान में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं। जनप्रतिनिधि एवं प्रत्याशी विकास कार्यों के लंबे चौड़े दावे तथा कराए गए विकास कार्य बता रहे हैं।

बिना अनुमति विज्ञापन व प्रचार न दिखाएं केबल संचालक

फतेहपुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन को सकुशल, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शिता से सम्पन्न कराने हेतु गुरूवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेंद्र प्रताप की अध्यक्षता में केबिल ऑपरेटरों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशो के क्रम में कोई भी विज्ञापन/प्रचार बिना अनुमति के अपने-अपने केबल नेटवर्क में नही चलाएं। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुसार निर्धारित अवधि में अनुमति देने का प्रविधान है। जिसका अक्षशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए और पेड न्यूज़/भ्रामक खबरों पर पैनी नजर रखी जाए। अपर उप जिलाधिकारी अजय कुमार पांडेय, अपर उप जिलाधिकारी शुभेन्दु गोपाल, जिला सूचना अधिकारी आरएस वर्मा, जिला प्रोबेशन अधिकारी, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सुनील कुमार प्रजापति सहित डिप्टी कमिश्नर जीएसटी, केबिल ऑपरेटर उपस्थित रहे।

प्रधान को लेखपाल ने लगाया चूना, ग्रामीण से ली रिश्वत

फर्रुखाबाद। तहसील सदर के लेखपाल अनिल वर्मा की रिश्वतखोरी एवं मनमानी से ग्रामीणों में जबरदस्त रोष व्याप्त है। क्षेत्र में तैनात लेखपाल अनिल वर्मा ने आज ही ग्राम पंचायत ढिलावल के प्रधान रजनेश उर्फ मोनू कठेरिया को चूना लगा दिया। प्रधान मोनू कठेरिया ने ग्राम गढ़िया में सड़क के किनारे चर्म स्थान की भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले आरिफ कुरैशी की शिकायत की थी। इसी अतिक्रमण को हटवाने के लिए लेखपाल ने प्रधान से कई बार जेसीबी का इंतजाम करने को कहा।प्रधान ने प्रयास करके आज सुबह जेसीबी का इंतजाम किया।

प्रधान की सूचना पर मौके पर पहुंचे लेखपाल अनिल वर्मा आरिफ की दुकान में गया और बाहर निकालने के बाद प्रधान से कहाकिअधिकारियों ने अभी आक्रमण हटाने से मना कर दिया है। इससे प्रधान को जेसीबी का भाड़ा देने में रूपयों का चूना लग गया और ग्रामीणों के सामने अपमानित भी होना पड़ा। मालूम हो कि प्रधान की शिकायत पर बीते माह नायब तहसीलदार ने अतिक्रमण के हटवाने के नाम पर एक तरफ की दीवार हटवाई थी।

अतिक्रमण हटाने के लिए प्रधान ने एसडीएम सदर से शिकायत की थी। लेखपाल अनिल वर्मा ग्राम गढ़िया निवासी राज किशोर राजपूत पुत्र विजयी लाल से रिश्वत में 3000 बसूले। राजकिशोर ने बैनामे में गलत नाम को सही करने के लिए लेखपाल से एसडीएम की अदालत में विचाराधीन मुकदमे में बयान देने की फरियाद की थी। तभी लेखपाल ने रूपयों की मांग की थी। लेखपाल अनिल वर्मा ने तीन माह पूर्व ग्राम गढिया निवासी मदन गोपाल का का नाम सही कराने के लिए ढाई हजार रुपए ऐंठे।दबंग लेखपाल ने प्रधान के सामने ही मदनलाल से रिश्वत में रुपए लिएबताया गया कि लेखपाल ने जांच पड़ताल के लिए क्षेत्र में कई दलाल तैनात किए हैं जिसमें एक भाजपा कार्यकर्ता भी है। दलाल जाति एवं आय प्रमाण पत्र पर रिपोर्ट लगाने के लिए ढाई सौ से 300 तक वसूलते हैं। लेखपाल की सांठगांठ से क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर अवैध प्लाटिंग का कारोबार चल रहा हैढिलावल चौराहे से नाला बघार के बीच करीब आधा दर्जन स्थानों पर अवैध प्लाटिंग में पक्की सड़कें भी बनाई गई है।

लेखपाल की सांठगांठ से बाईपास एवं गढ़िया मार्ग पर दिनदहाड़े अवैध खनन मिट्टी की ढुलाई हो रही है। लेखपाल विरोधी से सांठगांठ कर आइजीआरएस की जांच में अधूरी व गलत रिपोर्ट लगाते हैं ।खासकर रिपोर्ट में आईजीआरएस का नंबर का भी उल्लेख नहीं करते हैं, जिससे यह पता नहीं चलता है कि यह रिपोर्ट किस शिकायत से संबंधित है।

लेखपाल अनिल वर्मा बाईपास मार्ग के किनारे भू माफिया के कब्जे वाली सरकारी भूमि पर कब्जा दिलाने के नाम पर पीडब्ल्यूडी के अमीन को कई बार मौके पर बुलाकर परेशान कर चुका है। प्रधान मोनू कठेरिया ने घटना की जानकारी देते हुए लेखपाल अनिल वर्मा के द्वारा अवैध वसूली की शिकायत की पुष्टि की है।

सेंट जेवियर्स में परीक्षाफल व पुरस्कार पाकर खिले बच्चे

फतेहपुर। सेंट जेवियर्स सी.से़ स्कूल में कक्षा नर्सरी से कक्षा पांच तक के छात्र-छात्राओं का परीक्षाफल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि विवेक आनंद गुप्ता ने दीप प्रज्जवलित कर किया। समारोह के प्रारंभ में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्य डा. प्रियंका गुप्ता व प्रबंधक नितीश कुमार ने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए परीक्षाफल वितरित किया। प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शत-प्रतिशत उपस्थिति आदि पुरस्कार वितरित किए गए। विद्यालय की ओर से विशेष प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। छात्र-छात्राओं में बेस्ट कम्युनिकेटर गर्ल्स और ब्वाय, जेवियर्स पीटी उषा, जेवियर्स स्वरांजलि गर्ल्स और ब्वाय, जेवियर्स पिकासो गर्ल्स और ब्वाय, जेवियर्स रमन पुरस्कार गर्ल्स व ब्वाय, जेवियर्स ओरेटर, जेवियर्स बिरजू महराज पुरस्कार गर्ल्स और ब्वाय, जेवियर्स सोनलमान सिंह गर्ल्स पुरस्कार प्रदान किया गया।

उच्चतम न्यायालय ने सांसद राणा को दी राहत, जाति प्रमाणपत्र रद्द करने संबंधी आदेश खारिज किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अमरावती की मौजूदा सांसद नवनीत कौर राणा को बड़ी राहत देते हुए उनका अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र बहाल कर दिया जिससे उनके लिए भाजपा के टिकट पर दलितों के लिए आरक्षित महाराष्ट्र सीट से चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया है। उच्चतम न्यायालय ने 2021 के बंबई उच्च न्यायालय के फैसले को खारिज करते राणा का जाति प्रमाणपत्र बहाल किया। न्यायालय का यह फैसला अमरावती लोकसभा सीट के लिए नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन आया है। भाजपा ने राणा को अमरावती से उम्मीदवार बनाया है।

उच्च न्यायालय ने आठ जून 2021 को कहा था कि राणा ने धोखाधड़ी कर फर्जी दस्तावेज के जरिए मोची जाति का प्रमाणपत्र हासिल किया था। उच्च न्यायालय ने सांसद पर दो लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था और कहा था कि रिकॉर्ड से पता चलता है कि वह सिख-चमार जाति से हैं। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने राणा की याचिका को विचारार्थ स्वीकार करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय को राणा के जाति प्रमाणपत्र के मुद्दे पर जांच समिति की रिपोर्ट में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए था। अमरावती सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है और नामांकन दाखिल करने का आज अंतिम दिन है।

शीर्ष अदालत ने राणा को जारी जाति प्रमाणपत्र की वैधता का बरकरार रखते हुए कहा, मौजूदा मामले में जांच समिति ने उसके सामने मौजूद दस्तावेज पर विधिवत विचार किया और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का अनुपालन करते हुए अपना निर्णय पारित किया। विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है। राणा ने 2019 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अमरावती संसदीय सीट जीती थी। वह हाल ही में भाजपा में शामिल हुईं और उसी निर्वाचन क्षेत्र से टिकट मिलने के बाद चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। राणा को 2019 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का समर्थन प्राप्त था और उन्होंने दावा किया था कि वह मोची जाति से हैं।

शीर्ष अदालत ने 28 फरवरी को जातिप्रमाण पत्र रद्द करने के उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ राणा की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने राणा का जाति प्रमाणपत्र रद्द करने के उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी थी। उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने राणा को छह सप्ताह के भीतर प्रमाणपत्र जमा कराने को कहा था और उसे महाराष्ट्र कानूनी सेवा प्राधिकरण को दो लाख रुपए का जुर्माना देने को कहा था।

उच्च न्यायालय ने मुंबई के उपायुक्त द्वारा 30 अगस्त 2013 को जारी किए गए जाति प्रमाणपत्र को रद्द करने संबंधी याचिका पर आदेश पारित किया था, जिसमें राणा को मोची जाति का बताया गया था। शिवसेना नेता आनंदराव अडसुल ने मुंबई जिला जाति प्रमाणपत्र जांच समिति में शिकायत दर्ज की थी। समिति ने हालांकि राणा के पक्ष में फैसला सुनाया और प्रमाणपत्र को वैध करार दिया। इसके बाद शिवसेना नेता ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि जांच समिति की ओर पारित आदेश पूरी तरह से अनुचित है, बिना सोचे विचार वाला है और पेश साक्ष्य से पूरी तरह विपरीत है। पीठ ने कहा था कि राणा के मूल जन्म प्रमाणपत्र में मोची जाति का उल्लेख नहीं है।

बंगाल के राज्यपाल ने चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के लिए शिक्षा मंत्री को कैबिनेट से हटाने को कहा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने बृहस्पतिवार को कहा कि शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने हाल में गौर बंग विवि में राजनेताओं के साथ बैठक करके चुनाव आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का जानबूझकर उल्लंघन किया है। राज्यपाल ने राज्य सरकार से कहा कि वह आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए बसु को कैबिनेट से हटाए। सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति बोस ने कहा कि संस्थान के परिसर में बैठक करने के बसु के कृत्य ने विवि प्रणाली को बदनाम किया है। 30 मार्च को गौर बंग विवि में बसु के नेतृत्व और अन्य मंत्रियों, सांसदों, विधायकों व राजनीतिक नेताओं की उपस्थिति में हुई बैठक के आलोक में, कुलाधिपति ने राज्य सरकार को जानबूझकर आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए उनके (बसु) खिलाफ सख्त कार्वाई करने का निर्देश दिया है।

ईडी ने सोरेन के कथित स्वामित्व वाले भूखंड को कुर्क किया, अदालत ने आरोप पत्र का लिया संज्ञान

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कथित स्वामित्व वाले 8.86 एकड़ के भूखंड को कुर्क किया है। ईडी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और उनके सहयोगियों के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत यह कार्रवाई की गई। ईडी ने 30 मार्च को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के 48 वर्षीय नेता सोरेन तथा चार अन्य-- भानु प्रताप प्रसाद, राज कुमार पहान, हिलारियास कच्छप और विनोद सिंह-- के खिलाफ यहां विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था। ईडी ने कहा कि अदालत ने बृहस्पतिवार को अभियोजन की इस शिकायत का संज्ञान लिया।

ईडी ने अदालत से 8.86 एकड़ के भूखंड को जब्त करने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। जनवरी में ईडी ने यहां सोरेन को इस मामले में उनके सरकारी निवास पर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। उससे पहले उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में रांची के होटवार की बिरसा मुंडा केंद्रीय जेल में हैं। धनशोधन की यह जांच जमीन घोटाले में झारखंड पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकियों पर आधारित है। सरकारी अधिकारियों समेत कई लोगों के खिलाफ इस घोटाले का आरोप है।

ईडी ने एक बयान में कहा कि इस मामले में मुख्य आरोपी झारखंड के राजस्व विभाग के पूर्व अधिकारी एवं सरकारी रिकॉर्ड संरक्षक प्रसाद हैं। प्रसाद पर आरोप है कि अपने पद का दुरुपयोग करते हुए उन्होंने सोरेन समेत कई लोगों को अपराध की कमाई करने तथा जमीन पर अवैध कब्जे, अधिग्रहण आदि जैसी गतिविधियों में उनकी मदद की। उसने दावा किया, भूमाफिया का एक गिरोह झारखंड में सक्रिय है जो रांची में भू-रिकॉर्ड में जालसाजी करता है। उसने कहा कि जांच में पाया गया है कि जमीन के स्वामित्व रिकॉर्ड में भी छेड़छाड़ की गई ताकि कथित भूमाफिया को फायदा मिले तथा उस जाली भू-रिकॉर्ड के आधार पर ऐसे भूखंडों को अन्य व्यक्तियों को बेचा जाए।

ईडी ने कहा, स्वामित्व के असली भू-रिकॉर्ड के साथ या तो छेड़छाड़ की गई या उन्हें छिपा दिया गया ताकि ऐसी संपत्तियों का अवैध अधिग्रहण, उनपर कब्जा और उनका इस्तेमाल किया जा सके। जिस भूखंड को सोरेन द्वारा अधिग्रहीत करने का आरोप है वह करीब 8.86 एकड़ जमीन है और रांची में बरियातू रोड पर बड़गाईं अंचल में स्थित है। पीटीआई-भाषा के पास उपलब्ध ईडी के आरोप-पत्र की प्रति के अनुसार 3,50,680 रुपए प्रति डेसीमल की शहरी रिहायशी दर के हिसाब से यह भूखंड 31,07,02,480 रुपए का है।

असम सरकार छात्राओं की शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी लेगी: हिमंत विश्व शर्मा

नगांव/उदलगुड़ी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को वादा किया कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार छात्राओं को स्नातकोत्तर स्तर तक शिक्षा मुहैया कराने की पूरी जिम्मेदारी लेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में 10वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली सभी लड़कियों को एक साइकिल या स्कूटर दिया जाता है, लेकिन इस साल से 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए पढ़ाई के दौरान उनके बैंक खातों में दो वर्ष तक 10,000 रुपए की राशि जमा की जाएगी। शर्मा 26 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान के लिए नगांव और दरांग-उदलगुड़ी लोकसभा क्षेत्रों के लिए भाजपा उम्मीदवारों द्वारा नामांकन दाखिल करने से पहले रैलियों को संबोधित रहे थे। उन्होंने कहा कि लड़कियों को 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद कॉलेज में प्रवेश लेने के लिए 12,500 रुपए दिए जाएंगे, जबकि स्नातकोत्तर की पढ़ाई की इच्छुक लड़कियों को 25,000 रुपए दिए जाएंगे। शर्मा ने कहा, बेटा को मां-बाप पढाएंगे, बेटी को मामा पढ़ाएंगे। असम में शर्मा को युवा प्यार से मामा कहकर संबोधित करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राशन कार्ड वाले परिवारों को पहले से ही पांच किलो मुफ्त चावल, उज्ज्वला गैस कनेक्शन और आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड मिल रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद परिवार के मुखिया को जीवन बीमा का लाभ मिलेगा जिसका प्रीमियम राज्य सरकार द्वारा भुगतान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि परिवार की एक महिला सदस्य को अरुणोदय योजना में शामिल किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के मद्देनजर वह वित्तीय घोषणाएं नहीं कर सकते, लेकिन चुनाव प्रचार के दौरान किए गए वादों को चुनाव के बाद लागू किया जाएगा।

न्यायालय ने शरद पवार, पवार गुट को उसके आदेश का पालन करने को कहा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से कुछ दिन पहले उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को राकांपा के शरद पवार और अजित पवार के नेतृत्व वाले धड़ों से चुनावों के लिए प्रचार सामग्री में चुनाव चिह्न, पार्टी के नाम और डिस्क्लेमर (दावा अस्वीकरण) के इस्तेमाल पर उसके दिशानिर्देशों का पालन करने को कहा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने उसके 19 मार्च के आदेश का अनुपालन न किए जाने के आरोप वाली दोनों पक्षों की याचिकाओं का निस्तारण करते हुए कहा कि अब वक्त आ गया है कि दोनों गुटों के नेताओं को कहीं और होना चाहिए, न कि अदालतों में। शरद पवार गुट से कहा कि वह आगामी लोकसभा चुनाव और चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियानों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार का नाम और तुरही बजाता आदमी चुनाव चिह्न के इस्तेमाल के लिए अपने कार्यकर्ताओं को जागरूक करे। आंध्र प्रदेश, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और ओडिशा में विधानसभा चुनाव भी लोकसभा चुनाव के साथ ही हो रहे हैं।

उच्चतम न्यायालय ने 19 मार्च को शरद गुट को आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार नाम का उपयोग करने की अनुमति दे दी थी। न्यायालय ने वरिष्ठ नेता शरद पवार की अगुवाई वाले धड़े को चुनाव चिह्न (तुरही बजाता आदमी) के इस्तेमाल की भी अनुमति दे दी थी। शीर्ष न्यायालय ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार-नीत धड़े को अंग्रेजी, हिंदी और मराठी अखबारों में यह सार्वजनिक नोटिस जारी करने को कहा था कि घड़ी चुनाव चिह्न पर दावे का मामला अदालत में विचाराधीन है और प्रतिवादी (राकांपा-अजित गुट) को इसके इस्तेमाल की अनुमति इस शर्त पर दी गई है कि यह न्यायालय के अंतिम फैसले पर आधारित होगा। पीठ ने अजित पवार-नीत धड़े से चुनाव से संबंधित सभी दृश्य-श्रव्य विज्ञापनों और बैनर तथा पोस्टर आदि में भी इसी तरह की घोषणा करने को कहा था।

न्यायालय ने शरद पवार गुट को अपने पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और विधायकों को चुनाव विज्ञापनों में घड़ी चिह्न का इस्तेमाल न करने को कहा, जो अजित पवार नीत राकांपा को आवंटित किया गया है। उसने अजित पवार गुट को भी अखबारों में यह कहते हुए बड़ा और प्रमुखता से विज्ञापन प्रकाशित करने को कहा कि उसे आवंटित घड़ी चुनाव चिह्न उच्चतम न्यायालय के 19 मार्च के आदेश के अनुरूप विचाराधीन है। निर्वाचन आयोग ने अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को 'असली' राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी राकांपा के रूप में मान्यता दी है और इसे विभाजन से पहले संगठन द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला घड़ी चुनाव चिह्न आवंटित किया है। पीठ ने 19 मार्च के आदेश में दिए दिशानिर्देशों में बदलाव करने का अजित पवार गुट का अनुरोध भी ठुकरा दिया।

शरद पवार धड़े की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी और अजित पवार धड़े का प्रतिनिधित्व कर रहे शीर्ष अदालत के प्रमुख वकील मुकुल रोहतगी ने विज्ञापन, तस्वीरें, वीडियो क्लिप और सोशल मीडिया पोस्ट दिखाकर दावा किया कि अदालत के आदेशों का पालन नहीं किया गया है। सिंघवी ने दावा किया कि अजित पवार धड़े के नेता बिना किसी डिस्क्लेमर के शरद पवार की तस्वीरों और घड़ी चिह्न का इस्तेमाल कर रहे हैं, रोहतगी ने दावा किया कि शरद पवार धड़े के नेता अपनी प्रचार सामग्री में घड़ी चिह्न और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। पीठ ने कहा, हमें दोनों पक्षों की विश्वसनीयता पर कोई संदेह नहीं है और हम मानते हैं कि शीर्ष स्तर पर नेता हमारे आदेश को समझते हैं। पार्टी के जिम्मेदार लोगों, जैसे अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष, सांसद/ विधायक और अन्य पदाधिकारियों को कम से कम अदालत के आदेश का पालन करना चाहिए। रोहतगी ने पीठ को आश्वासन दिया कि अजित पवार धड़ा इस डिस्क्लेमर के साथ समाचार पत्रों में प्रमुखता से विज्ञापन जारी करेगा कि घड़ी चिह्न के आवंटन का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। सिंघवी ने आरोप लगाया कि अजित पवार धड़ा जानबूझकर अदालत के आदेश का उल्लंघन कर रहा है।

चुनाव में मुकाबला ब्रांड मोदी बनाम ब्रांड विरोधी: अजय आलोक

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने कहा है कि लोकसभा चुनाव ब्रांड मोदी और ब्रांड विरोधी के बीच की लड़ाई है और जिसने वस्तुत: इस मुकाबले को राष्ट्रपति चुनाव की तरह बना दिया है। यह भी कहा कि लोगों के साथ नरेन्द्र मोदी के भावनात्मक जुड़ाव के चलते इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं रह जाता है कि मौजूदा चुनाव में कौन जीतेगा। आलोक ने पीटीआई-भाषा से कहा कि प्रधानमंत्री के 370 सीट जीतने के लक्ष्य को हासिल करने में दक्षिणी राज्यों और पश्चिम बंगाल से मदद मिलेगी, जहां इस बार भाजपा पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ने वाली है। पार्टी तमिलनाडु में सात-आठ सीट जीतेगी... जो कि 1,000 प्रतिशत सुनिश्चित है, तेलंगाना में आठ, आंध्र प्रदेश में चार और केरल में भी हम कुछ सीट जीतेंगे। उनका ए दावा चौंकाने वाला है, क्योंकि भाजपा ने वाम दलों और कांग्रेस के प्रभुत्व वाले केरल में कभी भी लोकसभा सीट नहीं जीती है। वर्तमान में आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में उसके पास कोई सीट नहीं है। तेलंगाना में वर्तमान में उसके पास चार सीट हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या तमिलनाडु जैसे राज्य को लेकर वह कुछ ज्यादा ही आशान्वित नहीं है, उन्होंने कहा, बिल्कुल नहीं। लोगों में हिंदुत्व की भावना मजबूत हुई है और द्रविड़ राजनीति की अपनी एक सीमा है। उन्होंने कहा कि मोदी के एक दशक लंबे कार्यकाल का बड़ा प्रभाव यह रहा है कि हिंदुओं में अपनी आस्था के प्रति गौरव का पुनरुत्थान हुआ है। उन्होंने कहा, लोग अब अपनी हिंदू पहचान का दिखावा करने में शर्मिंदगी महसूस नहीं करते हैं।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि हालांकि, हिंदू होना और भारतीय होना एक ही है। उन्होंने मोदी के कार्यकाल के दौरान देश की प्रगति और विकास पर जोर दिए जाने को भी रेखांकित किया। बिहार से ताल्लुक रखने वाले आलोक ने कहा कि उनके राज्य में भी मोदी की शानदार छवि है, जो भाजपा की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की भारी जीत सुनिश्चित करेगी। जद (यू) अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की छवि तथा चुनाव में उनके असर के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, इस चुनाव में या तो आप मोदी के साथ हैं या मोदी के खिलाफ हैं। इसमें नीतीश और अन्य लोग कुछ जोड़ने का काम करेंगे, लेकिन एक ब्रांड नहीं बन सकते।

आलोक ने भाजपा से अपनी राजनीतिक पारी शुरू की और फिर जद (यू) में शामिल हो गए। बाद में वह फिर भाजपा में लौट आए। भारत में भले ही राष्ट्रपति प्रणाली की सरकार न हो, लेकिन लोग अक्सर इसी तर्ज पर वोट देते हैं, क्योंकि अक्सर देखा गया है कि चुनावों के दौरान लोग नेता के चेहरे पर वोट देते हैं। उन्होंने कहा, आज या तो यह ब्रांड मोदी है या ब्रांड विरोधी। अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग प्रतिद्वंद्वी (विरोधी) हैं। लेकिन ब्रांड मोदी हर जगह मौजूद है। यह पूछे जाने पर कि भाजपा को 370 सीट के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए किन राज्यों में अधिक सीट मिलने की उम्मीद है, उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल से चौंकाने वाले परिणाम सामने आएंगे। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की 18 सीट जीती थी।

आलोक ने कहा कि बंगाल में यह संख्या दोगुनी हो सकती है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत के अलावा उत्तर प्रदेश और ओडिशा में भी भाजपा की संख्या में इजाफा होना तय है। मुख्य विपक्षी दल के बारे में पूछे गए सवालों पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस असाध्य रूप से बीमार है, क्योंकि उसका इलाज करने वाले डॉक्टर योग्य नहीं हैं। आलोक ने कहा कि उन्हें अपने डॉक्टर बदलने की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि तिरुवनंतपुरम से तीन बार के कांग्रेस सांसद शशि थरूर इस बार चुनाव हार सकते हैं। भाजपा ने केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर को उनके खिलाफ उम्मीदवार बनाया है। आलोक ने इन सुझावों को खारिज कर दिया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से विपक्ष एकजुट हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीयों ने कभी भी भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करने वालों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं दिखाई है। उन्होंने भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराए गए बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और बोफोर्स सौदे में भ्रष्टाचार के आरोपी रहे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का उदाहरण दिया और कहा कि दोनों को अपनी सत्ता गंवानी पड़ी थी।

सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर नहीं: ममता

कूचबिहार (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को भाजपा पर लोकसभा चुनाव के लिए लागू आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जहरीले सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर नहीं। कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच एजेंसियां, बीएसएफ और सीआईएसएफ भाजपा के इशारे पर काम कर रही हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग से इस पर गौर करने और सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा, आप एक जहरीले सांप पर भरोसा कर सकते हैं, आप इसे पाल भी सकते हैं, लेकिन आप भाजपा पर कभी भरोसा नहीं कर सकते... भाजपा देश को बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा उनकी पार्टी टीएमसी केंद्रीय एजेंसियों की धमकी के आगे नहीं झुकेगी। बनर्जी ने कूबिहार में महिलाओं से आग्रह किया कि अगर 19 अप्रैल को होने वाले चुनावों से पहले बीएसएफ द्वारा स्थानीय लोगों पर अत्याचार करने की घटनाएं होती हैं तो वे पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं। टीएमसी प्रमुख ने कहा, केंद्रीय जांच एजेंसियां एनआईए, आयकर विभाग, बीएसएफ और सीआईएसएफ भाजपा के लिए काम कर रही हैं। हम विनम्रतापूर्वक निर्वाचन आयोग से सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का अनुरोध करेंगे।

जेल में बंद सोरेन दुमका से नहीं लड़ेंगे चुनाव, विधायक नलिन को टिकट

भाषा। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने बृहस्पतिवार को दुमका लोकसभा सीट के लिए शिकारीपाड़ा के अपने विधायक नलिन सोरेन को प्रत्याशी घोषित किया। इसी के साथ पार्टी ने स्पष्ट किया कि जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दुमका सीट से चुनाव नहीं लड़ेंगे। पहले ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं। पार्टी ने टुंडी के अपने विधायक मथुरा प्रसाद महतो को गिरिडीह लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है। झामुमो के एक पदाधिकारी ने कहा, पार्टी ने नलिन सोरेन को दुमका तथा मथुरा प्रसाद महतो को गिरिडीह से चुनाव मैदान में उतारने का निर्णय लिया है।

भाजपा पहले ही पूर्व झामुमो विधायक तथा हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन को दुमका संसदीय (अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित) सीट पर उतार चुकी है। भाजपा ने दो मार्च को अपने निवर्तमान सांसद सुनील सोरेन को दुमका से फिर प्रत्याशी बनाया था, लेकिन बाद में उसने उनकी उम्मीदवारी वापस ले ली ताकि सीता सोरेन को वहां से उम्मीदवार बनाया जा सके।

सुनील सोरेन ने 2019 के चुनाव में झामुमो अध्यक्ष शिबू सोरेन को 47,590 मतों के अंतर से हराया था। तीन बार की विधायक और पार्टी के दिग्गज नेता शिबू सोरेन की बड़ी पुत्रवधू सीता सोरेन पिछले महीने भाजपा में शामिल हो गई थीं। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2009 में पति दुर्गा सोरेन की मृत्यु हो जाने के बाद झामुमो ने उनकी उपेक्षा की तथा उन्हें अलग-थलग कर दिया था। कांग्रेस ने 27 मार्च को तीन लोकसभा क्षेत्रों- लोहरदगा, खूंटी और हजारीबाग के लिए अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की थी।

कांग्रेस की ओर से कालीचरण मुंडा, सुखदेव भगत और जय प्रकाशभाई पटेल क्रमशः खूंटी (सुरक्षित), लोहरदगा (सुरक्षित) और हजारीबाग सीट से चुनाव लड़ेंगे।

विपक्षी इंडिया गठबंधन के नेताओं के अनुसार राज्य में सभी 14 लोकसभा क्षेत्रों के लिए सीट के बंटवारे को प्रारंभिक तौर पर अंतिम रूप दिया जा चुका है। प्रारंभिक समझौते के मुताबिक कांग्रेस सात और झामुमो पांच सीट पर चुनाव लडेगी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और भाकपा (माले) लिबरेशन एक-एक सीट पर प्रत्याशी उतारेगी। भाकपा (माले) लिबरेशन ने 30 मार्च को बगोडर के तीन बार के अपने विधायक विनोद कुमार सिंह को कोडरमा सीट पर प्रत्याशी बनाने की घोषणा की थी। भाजपा 13 सीट पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है तथा उसने गिरिडीह सीट आजसू पार्टी के लिए छोड़ दी है।

जद (एस) नेता कुमारस्वामी और उनकी पत्नी के पास 217.21 करोड़ की संपत्ति

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच. डी. कुमारस्वामी और उनकी पत्नी अनीता के पास करीब 217.21 करोड़ रुपए की संपत्ति है। कुमारस्वामी ने मांड्या लोकसभा सीट से जनता दल (सेक्युलर) के उम्मीदवार के तौर पर बृहस्पतिवार को नामांकन पत्रों के साथ एक हलफनामा दाखिल किया, जिसमें यह जानकारी दी गई है। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के बेटे कुमारस्वामी और उनकी पत्नी पर करीब 82.17 करोड़ रुपए की देनदारी है। पूर्व विधायक अनीता अपने पति कुमारस्वामी (65) से अमीर हैं और उनकी कुल संपत्ति 154.39 करोड़ रुपए है। कुमारस्वामी की कुल संपत्ति 54.65 करोड़ रुपए है। उनके नाम पर एचयूएफ (हिंदू अविभाजित परिवार) की लगभग 8.17 करोड़ रुपए की संपत्ति भी है। विज्ञान में स्नातक तक की पढ़ाई कर चुके पूर्व मुख्यमंत्री ने खुद को एक सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिज्ञ और कृषक घोषित किया है। अनीता निखिल एंड कंपनी के नाम से पेट्रोल और पेट्रोलियम उत्पादों के व्यवसाय से जुड़ी उद्यमी हैं और कस्तूरी मीडिया प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक हैं। कुमारस्वामी के खिलाफ तीन आपराधिक मामले लंबित हैं। उनके पास कोई कार नहीं हैं और 12.55 लाख रुपए का ट्रैक्टर है। अनीता के पास 11.15 लाख रुपए मूल्य की कार है। कुमारस्वामी के पास 47.06 लाख रुपए का सोना और 2.60 लाख रुपए के हीरे हैं, जबकि अनीता के पास 2.41 करोड़ रुपए मूल्य का सोना और 33.09 लाख रुपए के हीरे हैं।

पेज 1 का शेष

सीएए पर...

रखने की कसम खाते हुए मोदी ने कहा, मैंने आजाद भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ काम किया है, जिसे हर कोई देख सकता है और भ्रष्टाचार को खत्म करने के अपने मजबूत संकल्प के तहत भ्रष्ट लोगों पर लगाम कसता रहूंगा। लोगों से भाजपा को सत्ता में वापस लाने का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में जो कुछ भी किया है वह केवल ट्रेलर है, क्योंकि मुझे भारत और बंगाल को विकास के पथ पर बहुत आगे ले जाना है। उनकी सरकार पड़ोसी बांग्लादेश के साथ लोगों के बीच आसान सीमा व्यापार की व्यवस्था करने की योजना बना रही। बंगाल में भाजपा पर हमला करने के लिए वामपंथियों और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा, बंगाल में वे आपस में नकली लड़ाई में लगे रहते हैं, लेकिन दिल्ली में वे एक-दूसरे के साथ मिलते हैं, इसलिए न तो टीएमसी और सीपीआई (एम), न ही कांग्रेस पर विश्वास करना चाहिए क्योंकि वे सभी आपस में मिले हुए हैं और भाजपा को हराने के लिए एकजुट हो गए हैं। प्रधानमंत्री कूच बिहार के मौजूदा सांसद और कनिष्ठ गृह मंत्री निसिथ प्रमाणिक और अलीपुरद्वार पार्टी के उम्मीदवार मनोज तिग्गा के लिए प्रचार कर रहे थे, जो वर्तमान में बंगाल विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक हैं। ममता बनर्जी ने चुनावी भीड़ को संबोधित करते हुए भगवा पार्टी की तुलना में कोबरा को तरजीह देने के बात कहते हुए भाजपा पर जमकर बरसीं। उन्होंने चुनाव आयोग से सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बनर्जी ने उत्तर बंगाल के कूच बिहार जिले के माथाभांगा में एक चुनावी रैली में भाजपा पर बिना रूके हुए हमला करते हुए कहा कि कैसे दिल्ली में मौजूद शक्तियां देश को नष्ट कर रही हैं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि आप एक जहरीले कोबरा पर भरोसा कर सकते हैं लेकिन आप भाजपा पर भरोसा नहीं कर सकते क्योंकि वह देश को नष्ट कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कैसे भगवा सरकार तृणमूल कांग्रेस को सबक सिखाने के लिए बंगाल के मतदाताओं को उनके वाजिब धन से वंचित कर रही है। विपक्ष को आतंकित करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों को तैनात किया जा रहा है। बनर्जी ने कहा, वे एक-राष्ट्र-एक-पार्टी शासन लागू करने के लिए एजेंसी द्वारा शासन कर रहे हैं, कानून केवल विपक्षी दलों के लिए है, भाजपा के लिए नहीं। केंद्र द्वारा बंगाल को वंचित करने का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा, 2014 में जब से वे सत्ता में आए, उन्होंने बंगाल और उसके लोगों पर अत्याचार करना शुरू कर दिया, उन्होंने 2019 से कर (टैक्स) के रूप में 6.8 लाख करोड़ रुपये लिए, लेकिन राज्य के 1.74 लाख करोड़ रुपये रोक दिए हैं। जिसमें मनरेगा मजदूरी और आवास, सड़क और अन्य बुनियादी ढांचा योजनाओं के लिए धन शामिल है। ऐसे में जब आप अपनी आवाज उठाएंगे तो वे आपके घर पर केंद्रीय एजेंसियों को भेजेंगे, उन्होंने ईसीआई से विपक्षी नेताओं के खिलाफ एजेंसियों के गैरकानूनी उपयोग को रोकने के लिए उपाय करने के लिए कहा। उन्होंने कहा, मैं चुनाव आयोग से यह देखने का अनुरोध करूंगी कि भाजपा किस तरह से गुंडागर्दी कर रही है, कैसे ईडी, सीबीआई, एनआईए, आयकर और बीएसएफ का इस्तेमाल विपक्ष और आम लोगों को परेशान करने के लिए किया जा रहा है। भाजपा को वोट नहीं देने की अपील करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, यह समान अवसर नहीं है, इसलिए मैं उनसे यह सुनिश्चित करने के लिए कहूंगा कि हम सभी को लोकतांत्रिक स्तर का अवसर दिया जाए।

यूपी में...

गठबंधनों को शामिल करते हुए एक बहुआयामी रणनीति का मार्ग प्रशस्त किया। भाजपा की उम्मीदवार चयन प्रक्रिया उत्तर प्रदेश की जनसांख्यिकीय गतिशीलता की सूक्ष्म समझ को प्रदर्शित करती है। पिछले चुनावों से हटकर, जहां उच्च जाति के उम्मीदवार प्रमुख थे, पार्टी ने अधिक विविध स्लेट को मैदान में उतारने के लिए अपनी रणनीति को समायोजित किया है। 16 सीटों में से 5 उम्मीदवार ऊंची जाति से, 6 ओबीसी से और 2 दलित समुदाय से हैं। विशेष रूप से, पूर्व बसपा सांसद रितेश पांडे का शामिल होना अन्य दलों के नेताओं को आकर्षित करने के भाजपा के प्रयासों का प्रतीक है, जो प्रतिनिधित्व के लिए व्यापक दृष्टिकोण का प्रदर्शन करता है। भाजपा ने 16 लक्षित सीटों पर अपनी संगठनात्मक उपस्थिति को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण संसाधन लगाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इन निर्वाचन क्षेत्रों की 70 से अधिक यात्राएं जमीनी स्तर पर जुड़ाव पर पार्टी के जोर को रेखांकित करती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हजारों करोड़ रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन भाजपा के चुनावी उद्देश्यों के अनुरूप, पिछड़े और दलित समुदायों के उत्थान में सरकार के निवेश का संकेत देता है। चुनावी सफलता में सोशल इंजीनियरिंग की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, भाजपा ने दलित और ओबीसी पृष्ठभूमि के प्रमुख नेताओं को स्टार प्रचारकों के रूप में सूचीबद्ध किया है। योगी आदित्यनाथ, मोहन यादव और केशव मौर्य जैसी हस्तियों को अपने-अपने समुदायों के बीच समर्थन जुटाने का काम सौंपा गया है। इसके अतिरिक्त, पूर्व आईपीएस अधिकारी असीम अरुण जैसे नेताओं की तैनाती, जातिगत आधार पर अपनी अपील को व्यापक बनाने के भाजपा के प्रयासों को उजागर करती है, जो मतदाता लामबंदी के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाती है। समर्थन को मजबूत करने के प्रयास में भाजपा ने अन्य दलों से दलबदल को आकर्षित किया है, जिसमें दो बसपा सांसदों और 20 से अधिक अन्य महत्वपूर्ण नेताओं को शामिल करना शामिल है। रितेश पांडे और संगीता आज़ाद जैसी प्रमुख हस्तियों को शामिल करके, भाजपा का लक्ष्य अपनी चुनावी संभावनाओं को मजबूत करना और कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में विपक्ष के गढ़ को कमजोर करना है। इसके अलावा, आरएलडी जैसे क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन उत्तर प्रदेश के जटिल राजनीतिक परिदृश्य से निपटने के लिए भाजपा के सावधानीपूर्वक दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। जैसे ही 2024 के चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो रही है, उत्तर प्रदेश में खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए भाजपा के ठोस प्रयास जटिल राजनीतिक दांव-पेंच और रणनीतिक गणनाओं की विशेषता वाले अत्यधिक प्रतिस्पर्धी चुनावी मुकाबले का संकेत देते हैं। दांव ऊंचे होने के साथ, आगामी चुनाव महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश में भारतीय राजनीति की दिशा तय करने के लिए तैयार हैं।

सांसदों..

सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के निपटारा के बारे में स्वत: संज्ञान लिए गए एक मामले की सुनवाई कर रहा था। शीर्ष अदालत ने सितंबर 2020 में सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से वर्तमान और पूर्व सांसदों/विधायकों से जुड़े उन सभी लंबित आपराधिक मामलों को एक उचित पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने के लिए कहा था, जिन पर रोक लगा दी गई थी।

केरल...

जा रहे हैं। भाजपा के के सुरेंद्रन और एनी राजा (डी राजा की पत्नी) उनके प्रतिद्वंद्वी हैं। 2019 में, राहुल गांधी ने निर्वाचन क्षेत्र से 4,00,000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की थी। आज जैसे हालात हैं, भाजपा को केरल में दहाई का आंकड़ा छूने के लिए सालों तक इंतजार करना पड़ सकता है। लेखक और राजनीतिक टिप्पणीकार ए जयशंकर ने कहा, 'अगर वे एक सीट जीतते हैं, तो यह एक बड़ी उपलब्धि होगी।'

लोकसभा...

एक कांटे की चुनावी जंग देखी गई थी जहां अग्रवाल ने 5000 से भी कम वोटों के अंतर से जीत हासिल की। अग्रवाल ने बसपा के हाजी याकूब कुरैशी को हराया था जबकि 2014 में अग्रवाल ने बसपा के मोहम्मद शाहिद अखलाक को हराया था। मेरठ छावनी क्षेत्र के एक व्यापारी श्याम राणा कहते हैं, मेरठ के लोग बहुत भावुक हैं जो इसके पिछले इतिहास से स्पष्ट है। हम हमेशा भाग्यशाली रहे हैं कि सदनों में शहर का प्रतिनिधित्व करने के लिए हमारे अपने स्थानीय लोग हैं। गोविल द्वारा दायर चुनावी हलफनामे के अनुसार, वह मुंबई के अंधेरी पश्चिम इलाके के वर्सोवा के निवासी हैं और वर्सोवा विधानसभा क्षेत्र के मतदाता भी हैं। हेमा मालिनी, शत्रुघ्न सिन्हा, जया प्रदा जैसे उदाहरणों को देखते हुए मैं यह नहीं कह रहा हूं कि अभिनेता से नेता बने नेता सफल नहीं रहे हैं, लेकिन धर्मेंद्र, सनी देओल और महाभारत के एपिसोड के नितीश भारद्वाज के उदाहरण जरूर हैं। हमें केवल इस बात की चिंता है कि क्या वह लगातार बने रहेंगे। अपने प्रचार अभियान और सार्वजनिक बैठकों में गोविल ने कहा है कि उनका जन्म मेरठ में हुआ था और उन्होंने अपने जीवन के पहले 17 साल शहर में बिताए। उन्होंने 1966 में गवर्नमेंट इंटर कॉलेज, मेरठ से 10वीं कक्षा की पढ़ाई की और 1968 में गवर्नमेंट इंटरमीडिएट कॉलेज, सहारनपुर से 12वीं कक्षा पास की। उन्होंने 1972 में आगरा विश्वविद्यालय से संबद्ध शाहजहाँपुर कॉलेज से बीएससी किया।

पड़ोसियों से भारत के रिश्ते पहले से काफी बेहतर : जयशंकर

भाषा। तिरुवनंतपुरम

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि चीन और पाकिस्तान को छोड़कर सभी पड़ोसियों के साथ भारत के संबंधों में पहले की तुलना में काफी सुधार हुआ है। क्षेत्र में भारत की कूटनीतिक प्रगति को रेखांकित करने के लिए यहां मीडिया से बातचीत के दौरान जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ भारत के संबंध चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन देश आश्वस्त है और अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम है। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत के आसपास के छोटे देशों में चीनी हस्तक्षेप चिंता का विषय है, जयशंकर ने कहा, चीन के साथ हमारे रिश्ते चुनौतीपूर्ण हैं। लेकिन यह (भारत) एक ऐसा देश है जो आज आश्वस्त है, जो अपने हितों को आगे बढ़ाने और उनकी रक्षा करने में सक्षम है तथा प्रतिस्पर्धी दुनिया में हम प्रतिस्पर्धा करेंगे। मंत्री ने इस बात को खारिज किया कि एक दशक पहले की तुलना में अब ऐसे

चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा के प्रत्याशी राजीव चंद्रशेखर के साथ विदेश मंत्री जयशंकर

पड़ोसियों की संख्या अधिक है जो भारत के प्रति मित्रवत नहीं हैं। विदेश मंत्री ने कहा, कृपया बांग्लादेश जाएं और लोगों से पूछें कि वे क्या सोचते हैं। कृपया श्रीलंका में पूछें। उनके गंभीर आर्थिक संकट के दौरान, कौन उनके साथ खड़ा था? नेपाल जाएं और उनसे पूछें कि कोविड के दौरान आपको सभी टीके कहां से मिले? यूक्रेन संकट होने के बाद आपको उर्वरक और ईंधन किसने दिया। उन्होंने कहा कि पड़ोस में ऐसी ताकतें हो सकती हैं जो समस्याएं पैदा करती हैं और भारत में ऐसे लोग हो सकते हैं जो इन समस्याओं को तूल देना पसंद करते हैं। जयशंकर ने कहा, इसलिए, जहां तक हमारा सवाल है, मुझे लगता है कि अभी चीन के साथ हमारे संबंध बहुत ही असामान्य हैं, और पाकिस्तान के साथ भी हमारे संबंध ठीक नहीं हैं - आप सभी जानते हैं कि हमारे वर्तमान संबंधों की स्थिति क्या है। लेकिन इन दोनों को छोड़कर, मुझे लगता है कि पड़ोसियों के साथ हमारे संबंध पहले की तुलना में काफी बेहतर हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के साथ भारत के रिश्ते बहुत मजबूत हैं और ए हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। बांग्लादेश में विपक्षी ताकतों द्वारा भारत विरोधी प्रदर्शन किए जाने से संबंधित एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा, मैं केवल यह कह सकता हूं कि भारत-बांग्लादेश संबंध बहुत अच्छे हैं, बहुत मजबूत हैं। जब मैं भारत-बांग्लादेश संबंधों को देखता हूं, तो मैं पूरी तरह आश्वस्त होता हूं कि हर क्षेत्र में संबंध मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा, इसलिए, वहां के बारे में मेरा दृष्टिकोण सकारात्मक है, बहुत सकारात्मक आकलन है। इन आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कि भाजपा शासन के दौरान चीन ने भारत की जमीन पर अतिक्रमण किया है, जयशंकर ने कहा, 1962 में, हमने 38,000 किलोमीटर जमीन खो दी, लेकिन 2000 के बाद, मुझे नहीं लगता कि आपका यह कहना सही होगा कि हमने ज़मीन खो दी है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर भाजपा के चुनावी वादे की वर्तमान स्थिति पर एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि इस मामले पर एक राष्ट्रीय स्थिति है। उन्होंने कहा, भारत की संसद ने एक संयुक्त रुख अपनाया है, और देश के हर राजनीतिक दल ने उस रुख का समर्थन किया है। यह एक ऐसा रुख है जिसमें हम कभी स्वीकार नहीं करेंगे कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत का हिस्सा नहीं है। इसलिए, यह एक संयुक्त रुख है। जयशंकर ने कहा कि जहां तक पाकिस्तान के साथ भारत के संबंधों का सवाल है तो आतंकवाद प्रमुख मुद्दा है। विदेश मंत्री ने कहा, हम एक ऐसी पार्टी और सरकार हैं जो बहुत स्पष्ट रही है कि हम आतंकवाद को नजरअंदाज नहीं करेंगे जब आतंकवाद होगा तो हम उससे मुंह नहीं मोड़ेंगे। अगर कुछ होता है, तो हम उससे निपटेंगे।

आईटीआर के फॉर्म ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध, चार दिन में 23,000 रिटर्न दाखिल

भाषा। नई दिल्ली

आयकर विभाग ने बृहस्पतिवार को कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) जमा करने से संबंधित फॉर्म ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध करा दिए गए हैं और बीते चार दिन में करीब 23,000 रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। हाल के वर्षों में पहली बार आयकर विभाग ने करदाताओं को नए वित्त वर्ष के पहले दिन ही अपना आईटी रिटर्न दाखिल करने में सक्षम बनाया है। यह कर अनुपालन में सुगमता और निर्बाध करदाता सेवाओं की दिशा में उठाया गया कदम है। आईटीआर फॉर्म। (सहज) और आईटीआर फॉर्म 4 (सुगम) बड़ी संख्या में छोटे और मझोले करदाताओं की जरूरतों को पूरा करते हैं। वहीं आईटीआर-2 आवासीय संपत्ति से आय वाले लोगों द्वारा दाखिल किया जाता है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक बयान में कहा कि उसने करदाताओं को आकलन वर्ष 2024-25 (वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रासंगिक) के लिए एक अप्रैल, 2024 से अपने आईटीआर दाखिल करने की सुविधा दे दी है। सीबीडीटी ने कहा, आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले फॉर्म आईटीआर-।, आईटीआर-2 और आईटीआर-4 करदाताओं के लिए अपना रिटर्न दाखिल करने के लिए एक अप्रैल, 2024 से ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध हैं। इसके साथ ही सीबीडीटी ने कहा कि कंपनियां भी एक अप्रैल से आईटीआर-6 के माध्यम से अपने आईटीआर दाखिल कर सकती हैं। सहज फॉर्म को 50 लाख रुपए तक की आय वाला निवासी व्यक्ति दायर कर सकता है। यह आय वेतन, एक गृह संपत्ति, अन्य स्रोत (ब्याज) और 5,000 रुपए तक की कृषि आय हो सकती है।

कांग्रेस के असंतुष्ट नेता पप्पू यादव ने पूर्णिया सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन किया

भाषा। पटना

कांग्रेस के टिकट देने से इनकार करने पर पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बृहस्पतिवार को बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वह हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए थे। असंतुष्ट कांग्रेस नेता मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए निर्वाचन अधिकारी (आरओ) के कार्यालय में पहुंचे। यादव जब आरओ कार्यालय पहुंचे तो वहां कोई भी कांग्रेस नेता मौजूद नहीं था। अपना नामांकन दाखिल करने से कुछ क्षण पहले उन्होंने घोषणा की, मैं अपनी आखिरी सांस तक कांग्रेस के साथ रहूंगा। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा, मुझे कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है। मैं एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहा हूं... ।

झारखंड में एक करोड़ रुपए से अधिक की नकदी जब्त, तीन हिरासत में

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले में एक बस से बृहस्पतिवार को कुल 1.09 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की गई और इस सिलसिले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। गिरिडीह के पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शर्मा ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पुलिस को एक बस में कुछ लोगों के साथ भारी रकम ले जाने की सूचना मिली थी। यह बस बिहार के गया से कोलकाता जा रही थी। पुलिस अधीक्षक ने कहा, पुलिस टीम ने बगोदर थाना क्षेत्र के औरा गांव के पास बस को रोका। वाहन जांच के दौरान दो लोगों के पास से 67 लाख रुपए और एक अन्य व्यक्ति के पास से 42.5 लाख रुपए नकद जब्त किए गए। तीनों व्यक्तियों के पास से कुल मिलाकर 1.09 करोड़ रुपए नकद

गर्मियों के लिए तैयार

बेंगलुरु। अमेजन स्प्रीके संग इस गर्मी के मौसम में उत्पादों के विशाल सलेक्शन पर ढेर सारे आकर्षक ऑफर दे रहा है। नई डेकोर, रसोई के सामान, आउटडोर एसेंशियल्स की दुनिया से रुबरु होने के लिए तैयार हो जाइए। 4 से 7 अप्रैल 2024 तक, ग्राहक अर्बन कंपनी एग्रो रॉयल एनफील्ड, सोलिमो, एक्वागार्ड और कई अन्य मशहूर ब्रांड पर शानदार डील का लाभ उठा सकते हैं। साथ ही, ग्राहक द बेटर होम्सके किचन स्टोरेज और बोतलों पर 50त तक की छूट, कैंडेसके पंखों और रसोई के सामान पर 50 प्रतिशत तक की छूट के साथ-साथ बर्गनरके कुकवेयर सेट, एयर फ्रायर्स और अन्य चीजों पर 70प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं।

एआई तकनीक से जुड़ेंगे लोग

नई दिल्ली। 5जी ब्रांड मोटोरोला ने अपने नए प्रीमियम स्मार्टफोन-मोटोरोला एज 50 प्रो के भारत में ग्लोबल फर्स्ट का फ्रेंचाइजी का सबसे नया एडिशन है। यह स्मार्टफोन बुद्धिमत्ता और कला के मिश्रण का बेहतर उदाहरण है और प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट में हलचल मचाने के लिए तैयार है। इस मौके पर मोटोरोला इंडिया के प्रबंध निदेशक टी.एम. नरसिम्हन ने कहा, हम बहुप्रतीक्षित मोटोरोला एज 50 प्रो का अनावरण करते हुए बहुत खुश हैं। ये भारत में इस फोन का पहला ग्लोबल लॉन्च है। मोटोरोला सार्थक इनोवेशन के लिए प्रतिबद्ध है जो हार्डवेयर प्रगति से परे है, क्योंकि हम अद्वितीय डिजाइनिंग एलीमेंट्स के साथ एआई तकनीक को जोड़ने का प्रयास करते हैं। इस स्मार्टफोन में दुनिया का पहला और एकमात्र एआई पावर्ड प्रो-ग्रेड कैमरा दिया गया है।

डिजिटल पर दिया जोर

वाराणसी। पॉलिसीधारकों को उनके वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करने पर ध्यान देने के साथ, अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने पॉलिसी के आधार पर प्री.अप्रूवल लोन की पेशकश करने के लिए अपनी प्रक्रिया को डिजिटल कर दिया है। उधार लेने की प्रक्रिया को सरल बनाते हुएए पूरी तरह से डिजिटल और कागज रहित इस सुविधा में क्रेडिट स्कोर की जांच की जरूरत भी नहीं होतीए जिससे न्यूनतम क्लिक के साथ आसानी से और कागज रहित प्रक्रिया के साथ लोन हासिल किया जा सकता है। चीफऑपरेशंस एंड कस्टमर एक्सपीरियंस ऑफिसर राजेश कृष्णन ने कहा कि हम अपनी हर पहल में ग्राहकों को सबसे आगे रखने के वादे पर कायम रहते हैं।

छत्तीसगढ़ : हेलीकॉप्टर की व्यवस्था की जाएगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में निर्वाचन आयोग ने नक्सली खतरे और भौगोलिक स्थिति को देखते हुए तीन लोकसभा क्षेत्रों के167 मतदान केंद्रों में मतदान दलों को लाने-ले जाने के लिए हेलीकॉप्टर का उपयोग करने की योजना बनाई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राज्य की 11 लोकसभा सीटों के लिए तीन चरणों में 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और सात मई को चुनाव होंगे।

सावरकर के परिजनों ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि की शिकायत की जांच में देरी पर सवाल उठाए

भाषा। पुणे

हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर के पोते सात्यकी अशोक सावरकर ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ उनकी आपराधिक मानहानि शिकायत की जांच में पुणे पुलिस ने बहुत देरी की। पुलिस द्वारा दो अप्रैल को शिकायत पर रिपोर्ट सौंपने के लिए स्थानीय अदालत से और समय मांगे जाने के बाद उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि जांच में तेजी लाई जानी चाहिए। सात्यकी सावरकर ने पिछले अप्रैल में अदालत में एक शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कांग्रेस नेता पर मार्च, 2023 में लंदन में एक भाषण के दौरान दिवंगत क्रांतिकारी के बारे में झूठे दावे करने का आरोप लगाया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि गांधी ने अपने

भाषण में दावा किया कि सावरकर ने एक किताब में लिखा था कि उन्होंने और उनके पांच-छह दोस्तों ने एक बार एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी और उन्हें (सावरकर को) खुशी हुई थी। इसमें कहा गया है कि इस तरह की कोई घटना कभी नहीं हुई थी, और सावरकर ने कभी भी कहीं भी ऐसी कोई बात नहीं लिखी थी। शिकायत में गांधी के आरोप को काल्पनिक, झूठा और दुर्भावनापूर्ण बताया गया है। सात्यकी सावरकर ने बृहस्पतिवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अदालत ने पहले विश्रामबाग पुलिस से उनके द्वारा प्रस्तुत सबूतों को सत्यापित करने और 27 मई तक एक रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में, अदालत प्रारंभिक जांच के लिए कहती है और फिर निर्णय लेती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट (प्राथमिकी) दर्ज करने के लिए पर्याप्त आधार हैं या नहीं। सात्यकी ने कहा कि उन्होंने सबूत के तौर पर गांधी के लंदन में दिए गए भाषण का एक यूट्यूब लिंक दिया था। उन्होंने पूछा, अदालत ने इस साल जनवरी में आदेश जारी किए थे। देरी क्यों हो रही है? क्या ऐसा है कि यूट्यूब पुलिस के सवाल का जवाब नहीं दे रहा है, या पुलिस दबाव में है? उन्होंने उम्मीद जताई कि पुलिस समय पर अपनी जांच रिपोर्ट दाखिल करेगी। उनके वकील संग्राम कोल्हटकर ने कहा कि विश्रामबाग पुलिस ने दो अप्रैल को रिपोर्ट दाखिल करने के लिए और समय मांगा। पुलिस का दावा है कि उसे यूट्यूब से आवश्यक जानकारी नहीं मिली है। सावरकर के वकील द्वारा प्रदान की गई आदेश की प्रति के अनुसार, अदालत ने पाया कि यूट्यूब से जानकारी मिलने की प्रतीक्षा की जा रही है।

अशोक चव्हाण के भाजपा में शामिल होने से पार्टी को बूस्टर डोज मिली है : फडणवीस

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के शामिल होने से नांदेड़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बूस्टर डोज (ताकत) मिली है। पार्टी सहयोगी और मौजूदा सांसद प्रताप पाटिल चिखलीकर द्वारा अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद, फड़नवीस ने नांदेड़ में भाजपा की एक रैली को संबोधित किया। चिखलीकर ने 2019 के लोकसभा चुनाव में चव्हाण को 40,000 से अधिक वोटों से हराया था। उस समय चव्हाण कांग्रेस उम्मीदवार थे। फडणवीस ने कहा, "जब चव्हाण उनके खिलाफ चुनाव लड़ रहे थे तो चिखलीकर को 43 प्रतिशत वोट मिले थे। अब चव्हाण हमारे साथ हैं जिससे चखलीकर का वोट प्रतिशत 50 से ऊपर चला जाएगा।

क्विक न्यूज

राहुल गांधी आईयूएमएल के समर्थन को लेकर शर्मिंदा हैं : केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी

वायनाड (केरल)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बृहस्पतिवार को राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद आईयूएमएल को लेकर शर्मिंदा है और इसलिए इस पर्वतीय जिले में उनके रोडशो के दौरान उनके सहयोगी दल के झंडे दिखाई नही दिए। गांधी के संसदीय क्षेत्र वायनाड मे भाजपा के लिए प्रचार कर रही महिला एवं बाल विकास मंत्री ने कहा कि अगर वह इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को लेकर शर्मिंदा है तो उन्हें उनका समर्थन नकार देना चाहिए। ईरानी ने 2019 के आम चुनाव में राहुल गांधी को अमेठी में हराया था। उन्होंने गांधी पर केरल में वाम मोर्चे के कथित कुशासन के संबंध में चुप रहने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, केरल में सहकारी बैंकों में घोटाले, राज्य निधि का कुप्रबंधन, इन मुद्दों पर राहुल गांधी की चुप्पी, विशेष रूप से इंडी गठबंधन मे सहयोगी वाम मोर्चे का कुशासन बहुत कुछ कहता है। राहुल गांधी सुशासन के बजाय सत्ता चाहते है। वायनाड लोकसभा सीट से भाजपा की राज्य प्रमुख के. सुरेंद्रन के नामांकन दाखिल करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ईरानी ने यह भी कहा कि उन्हें हैरानी है कि कांग्रेस नेता ने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) का समर्थन कथित तौर पर स्वीकार कर लिया है जो प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक शाखा है। उन्होंने कहा, उनका (एसडीपीआई) समर्थन स्वीकार करके उन्होंने (राहुल गांधी) नामांकन दाखिल करने के दौरान ली गई संविधान की शपथ का भी उल्लंघन किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी जब दक्षिण भारत में राजनीति करते हैं तो सनातन धर्म के खिलाफ शत्रुता पैदा करते हैं।

कांग्रेस ने एसडीपीआई के समर्थन को किया खारिज

तिरुवनंतपुरम। केरल में कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनाव में अब प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) द्वारा घोषित संगठनात्मक समर्थन को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया, लेकिन संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को समर्थन देने के लिए मतदाताओं का स्वागत किया।मीडिया को संबोधित करते हुए राज्य विधानसभा मे विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन ने कहाँ हम बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता का विरोध करते है। एसडीपीआई द्वारा यूडीएफ को दिए गए समर्थन को इन्ही परिस्थितियों मे देखा जा रहा है। प्रत्एक व्यक्ति अपनी इच्छा के अनुसार मतदान कर सकता है। हम चाहते है कि हर कोई यूडीएफ के लिए वोट करे लेकिन संगठनो के मामले मे यही हमारा रुख है। न्होने इस बारे मे अधिक विस्तार बात करने से इनकार कर दिया। प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) ने सोमवार को आगामी लोकसभा चुनावो के लिए केरल मे कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को अपना समर्थन देने की घोषणा की थी।

साइबर सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाने पर जोर

चंडीगढ़। वीवो गुरुग्राम साइबर पुलिस के साथ मिलकर कैम्पेन से साइबर सुरक्षा जागरूकता फैलाने के लिए सहयोग कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य साइबर सुरक्षा के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और गुरुग्राम के निवासियों को साइबर खतरों से खुद को बचाने के लिए सशक्त बनाना है। चूंकि साइबर अपराध बढ़ रहा है, इसलिए व्यक्तियों और कंपनियों के लिए सुरक्षित ऑनलाइन प्रथाओं को अपनाना और खुद को संभावित धोखाधड़ी से बचाना बहुत जरुरी है। इस कैम्पेन में साइबर सिक्यूरिटी ट्रेनिंग, अवेयरनेस कैम्पेन, यूथ आउटरीच प्रोग्राम, कम्युनिटी एंगेजमेंट एक्टिविटीज आदि जैसी कई गतिविधियां शामिल हैं, जिनका फोकस निवासियों को ऑनलाइन सुरक्षित रहने के लिए जरुरी ज्ञान और टूल्स देना है। इसके अलावा, यह साइबर अपराध की रिपोर्टिंग, संसाधन उपलब्ध कराने और पीड़ितों के लिए समर्थन के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर - 1930 के उपयोग की वकालत करता है। वीवो इंडिया में कॉर्पोरेट स्ट्रेटेजी हेड गीताज चन्नाना ने इस पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा, एक प्रमुख और जिम्मेदार स्मार्टफोन ब्रांड के रूप में, हम साइबर सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को गंभीरता से लेते हैं।

सोशल मीडिया में उलझे समाज का आइना गुडलक

मुंबई। निर्माता, क्रिएटिव डायरेक्टर एवं अभिनेता डॉ. (इंजि.) आज़ाद जैन की फिल्म गुड लक का ट्रेलर अभिनेता ब्रजेंद्र काला ने पिछले दिनों जारी किया। 5 अप्रैल, 2024 को रिलीज़ होने वाली इस फिल्म में 80 वर्षीय मालती माथुर ने मुख्य अभिनेत्री के रूप में डेब्यू किया है, जो काला की माँ की भूमिका निभा रही हैं। बृजेंद्र काला और मालती माथुर के साथ फिल्म के निर्देशक प्रखर श्रीवास्तव और निर्माता, क्रि एटिव डायरेक्टर एवं अभिनेता डॉ. (इंजि) आज़ाद जैन शामिल रहे। आशा आज़ाद फिल्म्स के बैनर तले निर्मित, फिल्म 'गुड लक'हृदयस्पर्शी भावनाओं और ठहाकों से भरपूर मनोरंजन प्रदान करती है। अभिनेता ब्रजेंद्र काला ने कहा, इस फिल्म की ओर आकर्षित होने की मुख्य वजह इसकी खास अपील और व्यंग्य के ज़रिये दिया जाने वाला मजबूत सामाजिक संदेश रहा। फिल्म की मुख्य किरदार अंगूरी की भूमिका निभाने वाली मालती माथुर ने कहा, कि अंगूरी की चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाना काफी दिलचस्प रहा। यह फिल्म बने-बनाए सामाजिक ढांचे को तोड़ती है और हमें जिन्दगी को पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर देखने के लिए प्रेरित करती है।

देशी कहानियों से रूबरू होंगे दर्शक

मुंबई। चैनल ज़िंदगी, भारतीय दर्शकों के सामने सीमा-पार का कंटेंट पेश करता आ रहा है और दिल छू लेने वाली कहानियों कहने के लिए जाना जाता है। अब यह चैनल अप्रैल महीने में दर्शकों को एक बेहद यादगार सफर पर ले जाने के लिए तैयार है। एक पल में आपकी आंखें नम होंगी तो अगले ही पल आप ठहाके लगाते नजर आएंगे। मोहब्बत की दिलकश कहानियों से लेकर दिलचस्प किस्सों तक आपकी चाहत बढ़ती जाएगी। जिंदगी के शोज़ की इन लड़ियों में भावनाओं का खजाना छुपा हुआ है। हानिया आमिर, फरहान सईद, सजल अली, बिलाल अब्बास खान, सबा कमर, सामी खान जैसे कमाल के कलाकारों के साथ इस महीने प्रदर्शित होने वाले शोज़ निश्चिततौर पर आप पर गहरा असर डालेंगे। कुछ अच्छा दिखाओ के जज्बे के साथ, ज़िंदगी का मकसद उम्मीदों से परे जाना है और हर किसी को पसंद आने वाला बेजोड़ मनोरंजन पेश करना है।

युद्ध क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए सेना परिवर्तनकारी सुधार करने की बना रही है योजना

नई दिल्ली। सेना भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के समग्र प्रयासों के तहत परिवर्तनकारी सुधार करने की योजना बना रही है।शीर्ष सैन्य कमांडरों ने सुरक्षाबलों के समक्ष आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए युद्ध क्षमता को बढ़ाने और एक प्रतिद्वंद्वी बल के रूप में कार्य करने के लिए एक मजबूत व्यावहारिक संगठन बनाने की व्यवहार्यता पर काम करने का निर्णय लिया है। कमांडरों ने एक सम्मेलन में सैन्य बल की मानव संसाधन प्रबंधन नीति को संशोधित करने का भी निर्णय लिया ताकि प्रौद्योगिकी-सक्षम भविष्य के लिए तैयार भारतीय सेना की आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में इसे और अधिक उन्नत बनाया जा सके। सेना के शीर्ष अधिकारियों ने आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए भविष्य की क्षमता विकास की दिशा में विशिष्ट प्रौद्योगिकी को शामिल करने के लिए संगठनात्मक और प्रक्रियात्मक परिवर्तन करने की भी प्रतिबद्धता जताई।इसने कहा कि इस पहल को और बढ़ावा देने के लिए कोष के वास्ते एक अलग मद बनाने का विकल्प तलाशा जाएगा। सेना के शीर्ष अधिकारियों ने एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिया।

भारत 120.90 लाख टन सरसो उत्पादन की संभावना : एसईए

नई दिल्ली। भारत 2023-24 में 120.90 लाख टन की रिकॉर्ड रेपसीड-सरसो फसल के उत्पादन की ओर बढ़ रहा है। पिछले वर्ष लाभकारी कीमतों ने तिलहन की रिकॉर्ड बुआई को प्रोत्साहित किया है। सरसो उत्पादक राज्यों के अधिकांश हिस्सों में अनुकूल मौसम से भी अब तक के उच्चतम उत्पादन में मदद मिली है। इस माह की शुरुआत में द सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) द्वारा किए गए फसल सर्वेक्षण में यह परिणाम सामने आए हैं। पिछले कुछ वर्षों में, भारत दुनिया के सबसे बड़े खाद्य तेल आयातक के रूप में उभरा है, जिससे भारत पर अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ रहा है, साथ ही देश का किसान भी इससे

प्रभावित हो रहा है। द सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने एक जिम्मेदार और शीर्ष उद्योग निकाय के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए तिलहन की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई पहल किए हैं। इनमें से एक पहल है सरसो मॉडल फार्म प्रोजेक्ट जिसे 2029-30 तक भारत के रेपसीड-सरसों उत्पादन को 200 लाख टन तक बढ़ाने के उद्देश्य से 2020-21 से लागू किया गया है। अनुकूल मौसम और सरसों की कीमत के साथ इन ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप, भारत में साल दर साल सरसों के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। 2020-21 में लगभग 86 लाख टन, 2021-22 में 110 लाख टन और 2022-23 में 113.5 लाख टन सरसों का उत्पादन दर्ज किया गया। रिकॉर्ड 100 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बुआई होने से खाद्य तेलों की घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा मिला है जिससे 2023-24 सीज़न में सरसों का उत्पादन 120.9 लाख टन के सर्वकालिक उच्च स्तर को छूने की संभावना है। अंतिम परिणाम तक पहुचने के लिए सर्वेक्षण में बुआई से लेकर कटाई तक की प्रक्रिया पर किसानों के साथ लगातार चर्चा की जाकर सभी कृषि पद्धतियों और इनपुट के चयन के प्रभाव को देखा गया है।

इस वित्त वर्ष में आवश्यक दवाओं की कीमतें नहीं बढ़ेंगी: मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा कि थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति में नगण्य वृद्धि को देखते हुए इस वित्त वर्ष 2024-25 में आवश्यक दवाओं की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी। समाचार एजेंसी पीटीआई-भाषा के राष्ट्रीय राजधानी स्थित मुख्यालय में संपादकों के साथ बातचीत में केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री ने आश्वासन दिया कि यह मोदी जी की गारंटी है। आवश्यक दवाओं की दरों में बढ़ोतरी की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यह बिल्कुल गलत है। दवाओं की कीमत में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) सालाना थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आधार पर अनुसूचित दवाओं की अधिकतम कीमतों में संशोधन करता है। एनपीपीए, भारत सरकार के रसायन व उर्वरक मंत्रालय के रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग के अधीन काम करता है। मांडविया ने कहा, एनपीपीए डब्ल्यूपीआई के आधार पर आवश्यक दवाओं की निगरानी और कीमतें तय करता है। मंत्री ने कहा कि जब मुद्रास्फीति बढ़ती है, तो इससे कीमतों में बढ़ोतरी होती है और जब यह नीचे आती है तो दाम कम हो जाते हैं। मांडविया ने कहा, इस साल महंगाई नहीं बढ़ी है। यह सिर्फ 0.005 है।

सीबीएसई की 11वीं, 12वीं की परीक्षाओं में दक्षता आधारित प्रश्न अधिक होंगे

भाषा। नई दिल्ली

परीक्षा के प्रारूप में बदलाव की घोषणा करने वाले केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के अधिकारियों का कहना है कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 से 11वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाओं में दक्षता-आधारित प्रश्न अधिक संख्या में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य पता लगाना है कि छात्र वास्तविक जीवन में इन अवधारणा को कितना समझ पा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि बहु विकल्प प्रश्न (एमसीक्यू), मामले-आधारित प्रश्न, स्रोत-आधारित एकीकृत प्रश्न या अन्य प्रकार के दक्षता-आधारित प्रश्नों का प्रतिशत 40 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है जबकि लघु और दीर्घ उत्तर सहित अन्य प्रश्नों का प्रतिशत 40 से घटाकर 30 प्रतिशत कर दिया गया है। सीबीएसई (अकादमिक) के निदेशक जोसेफ इमैनुअल ने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार बोर्ड ने स्कूलों में दक्षता आधारित शिक्षा के कार्यान्वयन की दिशा में कई कदम उठाए हैं, जिसमें दक्षता के आधार पर मूल्यांकन और शिक्षकों तथा छात्रों के लिए अनुकरणीय संसाधनों का विकास शामिल है।

राहुल गांधी के पास है 20 करोड़ की संपत्ति

भाषा। वायनाड

केरल की वायनाड लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने नामांकन पत्र के साथ दाखिल हलफनामे में 20 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति घोषित की है। गांधी ने बुधवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। उन्होंने हलफनामे में 9,24,59,264 रुपए की चल संपत्ति घोषित की है और अपनी स्वयं अर्जित अचल संपत्ति का मूल्य 7,93,03,977 रुपए दिखाया है। हलफनामे में यह भी कहा गया है कि स्व-अर्जित अचल संपत्ति का वर्तमान बाजार मूल्य 9,04,89,000 रुपए और विरासत में मिली संपत्ति का मूल्य 2,10,13,598

रुपए है। गांधी ने कहा है कि उन पर 49,79,184 रुपए की देनदारी है। हलफनामे में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने घोषणा की है कि उनके पास 55,000 रुपए नकदी हैं। वायनाड के निवर्तमान सांसद गांधी ने हलफनामे में कहा है कि देश भर के विभिन्न राज्यों में उनके खिलाफ 18 मामले दर्ज हैं। उन्होंने दावा किया कि राजनीति से प्रेरित मामले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा दायर कराए गए थे और अधिकांश मामलों में आरोप भी तय नहीं हुआ है। कांग्रेस नेता के विभिन्न बैंकों में 26.25 लाख रुपए जमा हैं। उन्होंने विभिन्न कंपनियों के म्यूचुअल फंड, बॉण्ड, डिबेंचर में लगभग आठ करोड़ रुपए का निवेश भी किया है। संपत्ति में 333.3 ग्राम सोना भी शामिल है। दिल्ली के सुल्तानपुर गांव में विरासत में मिली खेती की जमीन में गांधी का हिस्सा बना हुआ है। हलफनामे से यह भी पता चलता है कि गांधी के पास गुरुग्राम में दो कार्यालय के स्थान हैं।

परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइल अग्नि-प्राइम का सफल परीक्षण

भाषा। नई दिल्ली

भारत ने ओडिशा अपतटीय क्षेत्र में एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-प्राइम का सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह परीक्षण बुधवार शाम किया गया। मंत्रालय ने कहा कि मिसाइल के विश्वसनीय प्रदर्शन के साथ परीक्षण के सभी उद्देश्य हासिल कर लिए गए। सामरिक बल कमान (एसएफसी) ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ मिलकर।,000 से 2,000 किमी की मारक क्षमता वाली मिसाइल का उड़ान परीक्षण किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ, एसएफसी और सशस्त्र बलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मिसाइल का सफल परीक्षण सशस्त्र बलों की ताकत को और मजबूत करेगा। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सामरिक बल कमान के साथ रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने तीन अप्रैल को शाम करीब सात बजे ओडिशा अपतटीय क्षेत्र में एपीजी अब्दुल कलाम द्वीप से नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-प्राइम का सफल परीक्षण किया। बयान में कहा गया, मिसाइल के विश्वसनीय प्रदर्शन के साथ परीक्षण के सभी उद्देश्य हासिल कर लिए गए जिसकी पुष्टि

टर्मिनल बिन्दु पर स्थित दो डाउनरेंज जहाजों सहित विभिन्न स्थानों पर तैनात कई रेंज सेंसर द्वारा दर्ज किए गए डाटा से हुई है। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, एसएफसी प्रमुख और डीआरडीओ तथा भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी इस परीक्षण के साक्षी बने। सीडीएस जनरल चौहान और डीआरडीओ अध्यक्ष समीर वी कामत ने सफल परीक्षण के लिए एसएफसी और डीआरडीओ के प्रयासों की सराहना की। पिछले महीने, भारत ने अपने मिशन दिव्यास्त्र के तहत मल्टीपल इंडिपेंडेंट टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) के साथ देश में विकसित अग्नि-पांच मिसाइल का पहला सफल परीक्षण किया था। परीक्षण को अंजाम देकर भारत ऐसी क्षमता रखने वाले चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया। एमआईआरवी सुविधा यह सुनिश्चित करती है कि एक ही मिसाइल विभिन्न स्थानों पर विभिन्न लक्ष्यों को निशाना बना सकती है। अग्नि-पांच मिसाइल की मारक क्षमता 5,000 किमी तक है। मिसाइल की जद चीन के उत्तरी भाग समेत लगभग पूरे एशिया और साथ ही यूरोप के कुछ क्षेत्रों तक है। वहीं, अग्नि-। से अग्नि-4 श्रेणी की मिसाइलों की मारक क्षमता 700 किमी से 3,500 किमी तक है और इन्हें पहले ही तैनात किया जा चुका है। पिछले साल जून में भारत ने अग्नि प्राइम का रात के दौरान सफल परीक्षण किया था। भारत ने पिछले साल अप्रैल में, अपने महत्वाकांक्षी बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा कार्यक्रम के तहत बंगाल की खाड़ी में ओडिशा अपतटीय क्षेत्र में एक जहाज से एंडो-ऐटमौसफेयरिक इंटरसेप्टर मिसाइल का पहला सफल परीक्षण किया था।

ताइवान में भूकंप के बाद लापता लोगों की तलाश में जुटे बचावकर्मी, मृतकों की संख्या 10 हुई

एपी। हुआलीन (ताइवान)

ताइवान में आए शक्तिशाली भूकंप के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को बचावकर्मी लापता लोगों की खोज में जुट हुए हैं।

ताइवान में बुधवार को आए भूकंप को बीते 25 वर्ष में सबसे शक्तिशाली भूकंप माना जा रहा है, जिससे कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और कई लोग दूर-दराज के इलाकों में फंस गए।

भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। भूकंप के केंद्र के समीप पूर्वी तटीय शहर हुआलीन में मजदूरों ने एक क्षतिग्रस्त इमारत को स्थिर करने के लिए उसके चारों ओर निर्माण सामग्री डालने के लिए खुदाई की। मेयर सू चेन-वेई ने पहले कहा था कि भूकंप से 48 आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं। इन क्षतिग्रस्त इमारतों में से कुछ के भूतल ढह गए, जिसकी वजह से ए इमारतें खतरनाक तरीके से झुक गईं।

हुआलीन में रहने वाले कुछ लोग फिलाहल तंबू में रह रहे हैं और इस जगह को राजधानी ताइपे से जोड़ने वाली मुख्य सड़क बृहस्पतिवार दोपहर बाद भी बंद रही हालांकि ताइवान के अधिकांश हिस्सों में जन-जीवन सामान्य होता दिखाई दिया।

सेंट्रल न्यूज एजेंसी की खबर के अनुसार, हुआलीन के लिए स्थानीय रेल सेवा को फिर से शुरू किया गया और कुछ ट्रेनों को चलने की अनुमति दी गई। भूकंप में करीब 1070 लोग घायल हुए हैं। मारे गए 10 लोगों में से कम से कम चार व्यक्ति तारोको राष्ट्रीय उद्यान के भीतर थे। अधिकारियों ने बताया कि एक व्यक्ति क्षतिग्रस्त इमारत में मृत पाया गया जबकि दूसरा हो रेन खदान में मृत मिला। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार दोपहर को एक पगडंडी से एक शव बरामद किया।

राष्ट्रीय दमकल एजेंसी के मुताबिक करीब 700 लोग लापता हैं, जिसमें से 600 से ज्यादा तारोको के सिल्क प्लेस नाम के एक होटल के भीतर फंसे हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कर्मचारी और मेहमान सुरक्षित हैं और उनके पास भोजन व पानी है। उन्होंने बताया कि होटल की सड़कों की मरम्मत का काम पूरा होने के करीब है। उन्होंने कहा कि जिन अन्य लोगों के फंसे होने की सूचना है, उनमें दो दर्जन पर्यटक और विश्वविद्यालय के छह छात्र भी बिल्कुल सुरक्षित हैं।

थाईलैंडः जहाज में लगी भीषण आग से बचने के लिए समुद्र में कूदे लोग, सभी 108 यात्री सुरक्षित

एपी। बैंकॉक

थाईलैंड की खाड़ी में बृहस्पतिवार तड़के एक जहाज में लगी भीषण आग से बचने के लिए घबराए यात्री समुद्र में कूद गए। हालांकि सभी 108 लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

सूरत थानी प्रांत से रात भर चलने वाला जहाज थाईलैंड के तट से दूर एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल कोह ताओ पहुंचने ही वाला था कि तभी यात्रियों में से एक ने अचानक एक जोरदार आवाज सुनी और धुएं की गंध महसूस की।

मैत्री प्रोमजम्पा ने बताया कि उन्होंने पहले धुंआ और पांच मिनट से भी कम समय में आग लगते हुए देखी और तभी लोगों ने चिल्लाना शुरू कर दिया और अलार्म बजा दिया।

उन्होंने द एसोसिएटेड प्रेस को बताया, हम बमुश्किल से ही जीवनरक्षक जैकेट प्राप्त कर सके। अफरा-तफरी मच गई। लोग चिल्ला रहे थे, मेरे भी आंसू आ गए।

सूरत थानी अधिकारियों ने फेसबुक पर बताया कि जहाज पर सवार 108 लोगों में से 97 यात्री थे। प्रांत के जन संपर्क विभाग ने बताया कि सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

वीडियो में दिख रहा है कि लोग लाइफ जैकेट पहनकर जहाज के केबिन से तेजी से बाहर निकल रहे हैं। जहाज पर काला धुआं फैलते हुए देखा जा सकता है। बाद में जहाज से आग की लपटों को निकलते हुए देखा जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया। आग जहाज के इंजन में लगी थी। इसके कारण की जांच की जा रही है।

म्यांमा में लोकतंत्र समर्थक समूह ने ड्रोन के जरिए राजधानी में कई जगह हमलों का दावा किया

एपी। बैंकॉक

म्यांमा के लोकतंत्र समर्थक मुख्य प्रतिरोध समूह ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसकी सशस्त्र इकाई ने हवाई अड्डे और राजधानी नेपीता में एक सैन्य मुख्यालय पर ड्रोन हमले किए, लेकिन देश की सत्तारूढ़ सेना ने कहा कि उसने हमला करने वाले ड्रोन को नष्ट कर दिया।

विपक्षी राष्ट्रीय एकता सरकार के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पीपुल्स डिफेंस फोर्स की विशेष इकाइयों ने लक्ष्यों पर एक साथ हमला करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया। एनयूजी के संक्षिप्त नाम से जाने जाने वाला समूह खुद को देश की वैध सरकार कहता है, जबकि पीपुल्स डिफेंस फोर्स काफी हद तक स्वायत्तता वाले कई स्थानीय प्रतिरोध समूहों से बनी है।

एनयूजी ने कहा कि हताहतों को लेकर खबरें हैं। देश की सेना ने कहा कि उसने सात ड्रोन मार गिराए और किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। हमले के अधिकांश विवरणों को स्वतंत्र रूप से सत्यापित करना संभव नहीं था।

फरवरी 2021 में सेना द्वारा आंग सान सू ची की निर्वाचित असैन्य सरकार से सत्ता छीनने के बाद से म्यांमा में उथल-पुथल मची हुई है। इस घटनाक्रम के बाद से राष्ट्रव्यापी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया, जिसे सुरक्षा बलों ने बलपूर्वक दबा दिया, जिसके परिणामस्वरूप सशस्त्र प्रतिरोध हुआ जो गृह युद्ध के समान था।

तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने छह अप्रैल को इस्लामाबाद में होने वाली रैली रद्द की

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने धार्मिक कारणों का हवाला देते हुए शनिवार को यहां होने वाली अपनी बहुप्रचारित रैली को रद्द करने की घोषणा की।

यह रैली पार्टी संस्थापक इमरान खान की जेल से रिहाई की मांग को लेकर की जानी थी जो विभिन्न मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद से पिछले साल अगस्त से जेल में बंद हैं।

जियो न्यूज़ की खबर के मुताबिक, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली खान ने बुधवार को अपनी पार्टी के समर्थकों को सूचित किया कि यह फैसला लैलत-उल-कद्र के कारण लिया गया है।

मुस्लिम समुदाय रमज़ान के महीने में आने वाली लैलत-उल-कद्र की रात को बहुत अहम मानता है और पूरी रात जागकर इबादत करता है।

उन्होंने समर्थकों से इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी सहित पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं तथा नेताओं की रिहाई एवं सुरक्षा के लिए दुआ करने की भी गुजारिश की।

पिछले महीने, पीटीआई ने 71 वर्षीय खान की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए परेड ग्राउंड में एक बड़ी रैली करने की घोषणा की थी।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने भी अधिकारियों को पार्टी को संघीय राजधानी में जनसभा की अनुमति देने का निर्देश दिया था।

जरदारी ने सेना पर एक राजनीतिक दल के आरोपों पर चिंता व्यक्त की

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने राजनीतिक फायदे के लिए एक राजनीतिक दल और उसके कुछ सदस्यों की ओर से सेना पर आधारहीन आरोप लगाए जाने को लेकर गहरी चिंता जताई है।

सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने बुधवार को नए राष्ट्रपति जरदारी से मुलाकात की, तभी जरदारी ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी पर यह परोक्ष हमला किया। मुलाकात के दौरान सेना प्रमुख ने पिछले महीने पाकिस्तान का 14वां राष्ट्रपति बनने के लिए जरदारी को बधाई दी।

राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रपति जरदारी ने संकीर्ण राजनीतिक फायदे के लिए एक खास राजनीतिक दल और उसके कुछ व्यक्तियों द्वारा सेना और उसके नेतृत्व पर निराधार आरोप लगाए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की और ऐसे विघटनकारी तत्वों से सख्ती से निपटने का संकल्प लिया। जरदारी अप्रैल 2022 में सत्ता से बेदखल होने पर इमरान खान और उनकी पार्टी द्वारा पाकिस्तानी सेना पर लगाए गए आरोपों का जिक्र कर रहे थे।

रूस के रक्षा मंत्री ने यूक्रेन में सैनिक भेजने को लेकर फ्रांस को किया आगाह

एपी। मॉस्को

रूस के रक्षा मंत्री ने बुधवार को फ्रांस के अपने समकक्ष को फोन किया और यूक्रेन में सैनिक तैनात करने के खिलाफ चेतावनी दी। रूस के रक्षा मंत्री ने साथ ही कहा कि मॉस्को संघर्ष समाप्त करने के लिए वार्ता में भाग लेने के लिए तैयार है।

रूसी रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने फ्रांस के रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू से कहा कि अगर पेरिस यूक्रेन में फ्रांस के सैनिक भेजने संबंधी अपने बयानों पर अमल करता है तो इससे फ्रांस के लिए ही समस्याएं पैदा होंगी। दरअसल फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फरवरी में कहा था कि यूक्रेन को सैनिक भेजे जाने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता। मैक्रों के इस बयान की पृष्ठभूमि में रूस के रक्षा मंत्री ने फ्रांस के रक्षा मंत्री से बातचीत की है।

अक्टूबर 2022 के बाद रूस और फ्रांस के रक्षा मंत्रियों के बीच पहली बार फोन पर बातचीत हुई है।

शोइगु ने यूक्रेन पर बातचीत के लिए रूस की रजामंदी जताई। साथ ही कहा कि जेनेवा में होने वाली शांति वार्ता रूस की भागीदारी के बिना निरर्थक साबित होगी।

रूस के रक्षा मंत्री ने कहा कि मार्च 2022 में इस्तांबुल में रूस-यूक्रेन के बीच हुई बातचीत के आधार पर आगे की चर्चा की जा सकती है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस के यूक्रेन में सेना भेजने के कुछ सप्ताह बाद इस्तांबुल में जिस मसौदे पर बातचीत हुई उसमें कहा गया था कि यूक्रेन नाटो में शामिल होने की अपनी जिद छोड़ देगा और तटस्थ रहेगा। इस बातचीत के बाद कोई समझौता नहीं हो सका और ए बातचीत बेनतीजा रही। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को फोन पर हुई बातचीत के बारे में कहा कि फ्रांस के रक्षा मंत्री लेकोर्नू ने 22 मार्च को मॉस्को कॉन्सर्ट हॉल पर हुए हमले पर शोक व्यक्त किया। इस घातक हमले में 145 लोग मारे गए थे।

खारकीव में रूस के ड्रोन हमले में चार लोगों की मौत, 12 घायल

एपी। कीव

रूसी सैनिकों ने बुधवार और बृहस्पतिवार की दरमियानी रात यूक्रेन के खारकीव शहर में कई ड्रोन हमले किए, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और 12 लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सीनीहुबोव ने यह जानकारी दी।

रूस ने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर पर कम से कम 15 ड्रोन से हमले किए, जिनमें से कुछ को हवाई रक्षा बलों द्वारा मार गिराया गया। रूस द्वारा हाल ही में एक बहुमंजिला इमारत को निशाना बनाकर किए गए हमले में तीन बचावकर्मियों की मौत हो गई थी। घटनास्थल पर छह लोग घायल हुए थे। ड्रोन के हमले में एक अन्य 14 मंजिला इमारत क्षतिग्रस्त हुई, जिससे 69 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई थी। हाल के कुछ हफ्तों में रूसी सैनिकों ने खारकीव को लगातार निशाना बनाया है। यूक्रेन का यह पूर्वी शहर रूस की सीमा के करीब है और उस पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन दोनों से हमला किया गया।

दक्षिण पूर्वी ईरान में संघर्ष में आठ बंदूकधारियों और पांच सुरक्षा कर्मियों की मौत

एपी। दुबई

दक्षिण पूर्वी ईरान में दो अलग-अलग घटनाओं में आठ बंदूकधारियों और ईरानी सुरक्षा बलों के पांच सदस्यों की मौत हो गई है। सरकारी मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी ईरना की खबर के मुताबिक, सुरक्षा बल के 10 अन्य सदस्य जख्मी हुए हैं। खबर में कहा गया है कि सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में रात में लड़ाई शुरू हुई जब बंदूकधारियों ने रस्क शहर में रिवोल्यूशनरी गार्ड की एक चौकी और चाहबहार शहर में एक तट रक्षक स्टेशन पर गोलीबारी की। ईरना ने कहा कि छह हमलावरों को घेर लिया गया और वे दो स्थानों पर लोगों को बंधक बना रहे थे। इसने बंधकों के बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन इसने चरमपंथी समूह जैश अल-अदल पर हमलों का आरोप लगाया, जो कथित तौर पर जातीय बलोच अल्पसंख्यक के लिए अधिक अधिकार चाहता है। यह अशांत क्षेत्र अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा से लगा है और यहां चरमपंथी समूह, सशस्त्र मादक पदार्थ तस्करों और ईरानी सुरक्षा बलों के बीच कभी-कभी घातक झड़पें होती हैं।

राजनीतिक गतिरोध को खत्म करने की कोशिश में कुवैत ने चार वर्षों में चौथे चुनाव में मतदान किया

एपी। दुबई

तेल समृद्ध कुवैत में लंबे समय से चल रहे राजनीतिक गतिरोध से उबरने के प्रयास में बीते चार वर्षों के दौरान बृहस्पतिवार को चौथी बार लोगों ने राष्ट्रीय चुनाव में मतदान किया।

फारस की खाड़ी के इस देश की निर्वाचित संसद के पास अधिकांश अरब देशों की संसदों की तुलना में अधिक शक्ति है, लेकिन शाही परिवार द्वारा नियुक्त की जाने वाली सरकार के साथ लंबे समय से उसका विवाद चल रहा है।

दिसंबर में अपने सौतेले भाई की मृत्यु के बाद 83 वर्षीय शेख मेशाल अल अहमद अल जाबेर के सत्ता संभालने के बाद ए पहले चुनाव हैं। एक सांसद द्वारा कथित तौर पर उनका अपमान करने के बाद नए अमीर ने फरवरी में संसद भंग कर दी थी।

संसद की 50 सीटों को भरने के लिए मतदाता 200 उम्मीदवारों में से चुनाव करेंगे। कोई राजनीतिक दल नहीं है। घरेलू राजनीतिक विवाद कुवैत को वर्षों से परेशान कर रहे हैं - जिसमें कल्याण प्रणाली में बदलाव भी शामिल है - जिसने शेखशाही को कर्ज लेने से रोक दिया है। अपने तेल भंडार से अपार धन अर्जित करने के बावजूद, सार्वजनिक क्षेत्र के वेतन का भुगतान करने के लिए उसके खजाने में बहुत कम राशि बची है। आगे बढ़ने में विफल रहने के बाद संसद को बार-बार भंग किया गया।

चीन ने वैश्विक स्तर पर बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में अहम भूमिका निभाई : शीर्ष चीनी बौद्ध भिक्षु

भाषा। बीजिंग

चीन ने प्रभावशाली एशियाई बौद्ध भिक्षुओं का एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया है जहां उसके शीर्ष भिक्षु ने कहा कि बीजिंग ने वैश्विक स्तर पर बौद्ध धर्म के प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बौद्ध धर्म पर सम्मेलन मार्च के अंतिम सप्ताह में हैनान प्रांत के बोआओ में आयोजित बोआओ फोरम फॉर एशिया एनुअल कॉन्फ्रेंस का हिस्सा था। यहां आधिकारिक मीडिया की एक खबर के अनुसार, इस साल के फोरम में, चीनी बौद्ध भिक्षुओं ने श्रीलंका, नेपाल, जापान, वियतनाम, कंबोडिया और दक्षिण कोरिया के अपने समकक्षों के साथ पहली बार एक संवाद सत्र आयोजित किया। चीनी विचारक संस्था द्वारा आयोजित सम्मेलन में भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं था, जहां से बौद्ध धर्म 68 ईस्वी में चीन आया था।

हाल के दशकों में, चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) ने 1966 से 1976 तक अपने संस्थापक नेता माओत्से तुंग की सांस्कृतिक क्रांति के दौरान बौद्ध मंदिरों पर कार्रवाई के बाद बौद्ध धर्म के सिनिसाइज्ड या चीनी संस्करण को देश में अपनाने की अनुमति दी है, जिसका उद्देश्य समाज से पूंजीपतियों के अवशेषों और पारंपरिक तत्वों को बाहर निकालना है।

● बीजिंग बौद्ध धर्म के वैश्विक प्रभाव को भुनाने के अपने प्रयासों के तहत इसे विश्व स्तर पर पेश करना चाहता है।

बीजिंग बौद्ध धर्म के वैश्विक प्रभाव को भुनाने के अपने प्रयासों के तहत इसे विश्व स्तर पर पेश करना चाहता है। बोआओ में बैठक में चीन के बौद्ध संघ के अध्यक्ष यान जुए ने कहा, चीनी बौद्धों ने, धर्मग्रंथों के बड़े पैमाने पर अनुवाद, बौद्ध विचारों की व्याख्या, संप्रदायों की स्थापना, संस्थागत नवाचार और सांस्कृतिक एकीकरण के माध्यम से, बुद्ध के मूल इरादे को मूर्त रूप दिया, विरासत में मिले बौद्ध धर्म के सार को आत्मसात किया, पूर्व एशियाई संस्कृतियों, सभ्यताओं, समाजों और लोगों ने जापान, दक्षिण कोरिया और वियतनाम जैसे देशों में बौद्ध धर्म के प्रसार को बढ़ावा देने के साथ बौद्ध धर्म की अनुकूलता को बढ़ाया।

विश्व आर्थिक मंच: युवा वैश्विक नेता श्रेणी में पांच भारतीयों में भूमि पेडनेकर भी शामिल

भाषा। जिनेवा

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर उन पांच भारतीयों में से एक हैं जिन्हें विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की 2024 की युवा वैश्विक नेता श्रेणी में शामिल किया गया है। अंतरराष्ट्रीय संगठन ने 40 वर्ष से कम उम्र के लगभग 90 ऐसे लोगों की सूची जारी की है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, प्रौद्योगिकी और स्थिरता के क्षेत्रों में अपने अभूतपूर्व काम के माध्यम से भविष्य को आकार दे रहे हैं और सकारात्मक बदलाव के लिए कार्यरत हैं। डब्ल्यूईएफ ने एक बयान में कहा कि 2024 की सूची राजनीति, कारोबार, नागरिक समाज, कला और शिक्षा जगत के उभरते सितारों के एक उल्लेखनीय समूह से बनी है। यंग ग्लोबल लीडर्स कम्युनिटी: द क्लास ऑफ 2024 में शामिल पांच भारतीयों में पेडनेकर के अलावा नायका फैशन के सीईओ अद्वैत नायर, जुबिलेंट समूह के निदेशक अर्जुन भरतियाआ वेदांता लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक प्रिया अग्रवाल हेब्बार और डेक्सटेरिटी ग्लोबल के संस्थापक एवं सीईओ शरद विवेक सागर शामिल हैं। पेडनेकर ने कहा कि वह विश्व आर्थिक मंच के साथ 2024 की युवा वैश्विक नेताओं की सूची में शामिल होने को लेकर रोमांचित हैं। अभिनेत्री ने एक्स पर कहा, सामूहिक कार्रवाई की शक्ति में हमेशा विश्वास रहा है और मैं डब्ल्यूईएफ के साथी नेताओं के साथ ग्रह के वास्ते प्रभावशाली बदलाव करने के लिए उत्सुक हूं। आइए मिलकर एक हरित और टिकाऊ भविष्य का मार्ग प्रशस्त करें।

यदि आपको पैसे की चिंता है, तो धन के साथ अपने रिश्ते को जानने से इसमें मदद मिल सकती है

द कन्वरसेशन। लंदन

ब्रिटेन में पैसों की तंगी से जूझ रहे लोगों की संख्या रिकॉर्ड उंचाई पर है। वित्तीय दानदाताओं का कहना है कि लोग कर्ज, बिलों के भुगतान और दिवालियापन में मदद के लिए उनसे संपर्क कर रहे हैं। अभियान समूह डेट जस्टिस ने एक सर्वेक्षण में पाया कि 18 से 24 वर्ष के 29% और 25 से 34 वर्ष के 25% लोग पिछले छह महीनों में तीन या उससे अधिक बिल का भुगतान नहीं कर पाए।

अधिकांश (65%) लोगों को नहीं लगता कि वे पैसे उधार लिए बिना अपनी बचत पर तीन महीने तक जीवित रह सकते हैं। यूके के वित्तीय बाजार नियामक के आंकड़े बताते हैं कि यूके के एक तिहाई से अधिक वयस्कों के पास बचत के नाम पर1,000 पाउंड से कम है।

और मनीडॉटयूके डॉटको के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 25-64 आयु वर्ग के 30% ब्रितानी सेवानिवृत्ति के बाद के लिए बिल्कुल भी बचत नहीं करते हैं।

इस तरह के आंकड़ों के साथ, क्या इसमें कोई आश्चर्य की बात है कि ब्रिटेन में 75% लोग पैसे को लेकर चिंतित हैं?

अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति युवाओं के लिए विशेष रूप से डरावनी है। जब तक आप एक ट्रस्ट फंड (ज्यादातर लोगों के साथ नहीं) के साथ पैदा नहीं हुए हैं, आप संभवत: उस पहली पीढ़ी का हिस्सा हैं जिसकी आर्थिक स्थिति आपके माता-पिता से भी बदतर है। सेवानिवृत्ति असंभव लगती है, और आपके पास अपना खुद का घर होने की संभावना नहीं है। 20 की शुरुआत में 80 प्रतिशत लोग पर्याप्त कमाई न कर पाने को लेकर चिंतित रहते हैं।

अपने करियर की शुरुआत में ही अपने वित्तीय भविष्य की योजना बनाना शुरू करना महत्वपूर्ण है, लेकिन यह आपको भारी पड़ सकता है। अच्छी खबर यह है कि इस पर काबू पाने के कई तरीके हैं।

अपनी वित्तीय लगाव शैली ढूँढना

एक मनोचिकित्सक और वित्त शोधकर्ता के रूप में, मैं लोगों के साथ काम करता हूं ताकि उन्हें अपना वित्तीय आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिल सके और योजना शुरू करने के लिए प्रेरणा मिल सके। यह अक्सर यह समझने से शुरू होता है कि पैसे के साथ उनके रिश्ते का क्या प्रभाव पड़ता है।

लगाव सिद्धांत 1950 के दशक के अंत में पेश की गई एक मनोवैज्ञानिक अवधारणा है। आपकी लगाव शैली - जो, उदाहरण के लिए, सुरक्षित, चिंतित या टालने वाली हो सकती है - बताती है कि आप अन्य लोगों के साथ भावनात्मक रूप से घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए कैसे दृष्टिकोण अपनाते हैं। कुछ लोग संबंध बनाने में सुरक्षित महसूस करते हैं, जबकि अन्य बेहद चिंतित रहते हैं। कुछ लोग करीबी रिश्तों से पूरी तरह बचते हैं।

लगाव शैली आपके वित्त पर भी लागू हो सकती है। यदि आप पैसे के मामले में आश्वस्त और सुरक्षित महसूस करते हैं, तो आप बचत और खर्च के संबंध में भी सुरक्षित हैं।

लेकिन सेवानिवृत्ति की योजना बनाना तो दूर, अगर आईएसए खोलने या टैक्स रिटर्न भरने का विचार, आपको भय और घबराहट से भर देता है, तो आप चिंतित अनुलग्नक हो सकते हैं। और यदि आप पैसे की चिंताओं को अपने दिमाग में पीछे धकेल देते हैं, तो आप संभवत: इससे बच सकते हैं।

मेरे जैसे अनुलग्नक सिद्धांतकार और मनोचिकित्सक सोचते हैं कि अनुलग्नक शैलियाँ बचपन के अनुभवों से आकार लेती हैं - उदाहरण के लिए, आपके माता-पिता या देखभाल करने वालों ने आपकी कितनी अच्छी देखभाल की, और आप कितना सुरक्षित और लाडला महसूस करते थे।

आपके परिवार में बड़े होने पर पैसे को जिस तरह से संभाला जाता था, उसने संभवत: आपकी वित्तीय लगाव शैली का खाका तैयार किया होगा। शिक्षा या कार्य अनुभव जैसे बाहरी प्रभाव भी इसे आकार दे सकते हैं।

हालाँकि यूके में वित्तीय शिक्षा स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा है, लेकिन 76% बच्चे अपने जीवन का प्रबंधन करने के लिए पर्याप्त वित्तीय ज्ञान के बिना स्कूल छोड़ देते हैं।

इसी तरह, बैंकों जैसी वित्तीय सेवाओं ने लोगों को सुरक्षित वित्तीय संबंध स्थापित करने में मदद करने में खराब काम किया है। जटिल और अव्यवस्थित भाषा ने उन लोगों के बीच एक बाधा खड़ी कर दी है जो पैसे के बारे में जानते हैं और जिन्हें सीखने की ज़रूरत है।

यदि आप वित्तीय शर्तों के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ महसूस करते हैं, या कि आप पैसे को नहीं समझते हैं, तो इससे आपकी वित्तीय नियोजन क्षमताओं में आपके आत्मविश्वास को ठेस पहुंचने और अधिक टालने वाली लगाव शैली को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

अपनी लगाव शैली की पहचान करने से आपको पैसे के साथ बेहतर संबंध बनाने में मदद मिल सकती है। आप यह समझने और अनुमान लगाने में सक्षम होंगे कि आप कुछ खास तरीकों से वित्त पर कैसे और क्यों प्रतिक्रिया करते हैं। और, यह आपको यह याद दिलाकर आत्मविश्वास प्रदान कर सकता है कि धन संबंधी संघर्ष आवश्यक रूप से आपकी गलती नहीं है।

आर्थिक चिंता से मुक्ति

सोशल मीडिया पर फैल रहे कुछ हालिया वित्तीय ज्ञान आपके लगाव की शैली के बारे में जानकारी दे सकते हैं। क्या आप तेज आवाज में बताकर बजटिंगे कर रहे हैं (इस बारे में मुखर होना कि आप पैसा क्यों खर्च नहीं कर रहे हैं)? यह वित्तीय आत्मविश्वास का संकेत हो सकता है और आपके पास सुरक्षित वित्तीय लगाव है। या क्या आप अपमानजनक बजटिंगे कर रहे हैं (भविष्य के लिए योजना बनाने के बजाय आपके पास जो पैसा नहीं है उसे खर्च करना)? आप टालमटोल करने वाले हो सकते हैं।

लोगों और धन के साथ स्वस्थ रिश्ते हमारे अस्तित्व और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए महत्वपूर्ण हैं। एक वयस्क के रूप में, आपके पास इन रिश्तों को बेहतर बनाने की शक्ति है। लेकिन चूंकि लगाव के पैटर्न जल्दी ही बन जाते है, इसलिए उन्हें बदलना मुश्किल है।

थेरेपी और अन्य सहायता आपको स्वस्थ आदतें अपनाने में मदद कर सकती हैं, साथ ही आपके वित्तीय ज्ञान को भी बढ़ा सकती हैं।

यदि आप पैसे के साथ अपना रिश्ता बदलना चाहते हैं, तो आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि कौन सी चीज़ आप पर प्रभाव डाल सकती है। हालाँकि सोशल मीडिया पर वित्तीय सलाह उपयोगी हो सकती है और युवाओं को पैसे के बारे में बात करने के लिए अधिक सशक्त महसूस करने में मदद कर सकती है, लेकिन यह चिंता को और भी बढ़ा सकती है और गलत सूचनाओं से भरी हो सकती है। सटीक और उपयोगी जानकारी के लिए शुरुआत के तौर पर एक अच्छी जगह सरकार की मनी हेल्पर वेबसाइट है।

पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को हराया

● गिल पर भारी पड़े शशांक

अहमदाबाद। शशांक की बेहतरीन पारी से पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में गुरुवार को यहां गुजरात टाइटंस को तीन विकेट से हराया। इससे पहले कप्तान शुभमन गिल के अर्धशतक से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग में गुरुवार को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ चार विकेट पर 199 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। गिल ने 48 गेंद में चार छक्कों और छह चौकों से नाबाद 89 रन की पारी खेलने के अलावा साई सुदर्शन (33) के साथ तीसरे विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी भी की। उन्होंने राहुल तेवतिया (आठ गेंद में नाबाद 23) के साथ 14 गेंद में 35 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के करीब पहुंचाया। पंजाब की ओर से कागिसो रबादा और हर्षल पटेल दोनों ने चार-चार ओवर में समान 44 रन लुटाए। रबादा को दो जबकि हर्षल को एक विकेट मिला। पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन ने टॉस जीतकर टाइटंस को बल्लेबाजी का न्योता दिया। गिल ने बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बरार (33 रन पर एक विकेट) के पहले ओवर में छक्के से खाता खोला। रिद्धिमान साहा (11) ने कागिसो रबादा पर चौका मारा लेकिन इसी तेज गेंदबाज की अगली गेंद पर मिड ऑफ पर धवन को कैच दे बैठे। गिल को इसके बाद केन विलियमसन रूप में उम्दा जोड़ीदार मिला। विलियमसन ने रबादा पर चौका जड़ने के बाद सैम कुरेन का स्वागत दो चौकों के साथ किया। टाइटंस ने पावर प्ले में एक विकेट पर 52 रन बनाए। विलियमसन हालांकि इसके बाद रन गति बढ़ाने की कोशिश में हरप्रीत की गेंद को बैकवर्ड प्वाइंट पर जॉनी बेयरस्टो के हाथों में खेल गए जिससे गिल के साथ उनकी 40 रन की साझेदारी का अंत हुआ। उन्होंने 26 रन बनाए। साई सुदर्शन (33) ने आते ही हरप्रीत पर चौके से खाता खोला और फिर सिकंदर रजा पर लगातार दो चौकों के साथ 12वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। गिल ने अगले ओवर में रबादा पर छक्का जबकि सुदर्शन ने चौका मारा। सुदर्शन हालांकि हर्षल पटेल की गेंद पर विकेटकीपर जितेश शर्मा को कैच दे बैठे। गिल ने हरप्रीत पर चौके के साथ 31 गेंद में मौजूदा सत्र का अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। गिल ने हर्षल और रबादा पर छक्कों के साथ रन गति में बढ़ाने का प्रयास किया। विजय शंकर (08) हालांकि रबादा की गेंद को लांग ऑफ पर हरप्रीत के हाथों में खेल गए।तेवतिया ने 19वें ओवर में हर्षल पर छक्का और चौका मारा और फिर अर्शदीप की पारी की अंतिम दो गेंद पर चौके मारे।

स्कोरबोर्ड

पंजाब किंग्सः साहा का धवन बो रबादा 11, गिल नाबाद 89,विलियमसन का बेयरस्टो बो हरप्रीत 26, सुदर्शन का जितेश बो हर्षल 33,शंकर का हरप्रीत बो रबादा 08, तेवतिया नाबाद 23,अतिरिक्तः 09, कुलः 20 ओवर मे चार विकेट परः 199 रन,**विकेट पतनः**1-29, 2-69, 3-122, 4-164,**गेंदबाजीः** हरप्रीत 4-0-33-1,अर्शदीप 4-0-33-0 ,रबादा 4-0-44-2,कुरेन 2-0-18-0,हर्षल 4-0-44-1,रजा 2-0-22-0

सीएसके का सामना सनराइजर्स से आज

● मुस्ताफिजूर के बिना उतरेगी चेन्नई

भाषा। हैदराबाद

फॉर्म में चल रहे तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान के बिना चेन्नई सुपर किंग्स शुक्रवार को आईपीएल के मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से खेलेगी जो अपना दिन होने पर किसी भी आक्रमण की बखिया उधेड़ने में सक्षम है। दिल्ली कैपिटल्स से पिछले मैच में पराजय झेलने के बाद चेन्नई टीम जीत की राह पर लौटने उतरेगी। इतने लंबे टूर्नामेंट में प्रदर्शन में उतार चढाव आना लाजमी है और चेन्नई के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ ने पिछले मैच में मिली हार के बाद यही कहा था। उन्हें और उनके सलामी जोड़ीदार रचिन रविंद्र को हालांकि घूमती गेंदों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा जिसमें वे दिल्ली के खिलाफ चूक गए थे। क्रिकेटप्रेमी महेंद्र सिंह धोनी को आठवें नंबर से ऊपर बल्लेबाजी करते देखना चाहते थे।उन्होंने पिछले मैच में अपना पुराना फिनिशिर फॉर्म दिखाते हुए 16 गेंद में 37 रन बनाए थे। वैसे उनके ऊपर आने की संभावना कम ही है क्योंकि वह शिवम दुबे और समीर रिजवी को फिनिशर की भूमिका निभाते देखना चाहते हैं। गेंदबाजी में चेन्नई को संयोजन पर विचार करना होगा क्योंकि मुस्ताफिजूर अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए वीजा की प्रक्रिया पूरी करने बांग्लादेश लौट गए हैं। अभी तक मुस्ताफिजूर और मथीषा पथिराना की जोड़ी सीएसके के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रही थी। मुस्ताफिजूर की जगह मुकेश चौधरी ले सकते हैं जबकि शार्दुल ठाकुर ने अभी तक एक भी मैच नहीं खेला है। दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा। उसके बल्लेबाजों ने मुंबई के खिलाफ दूसरे मैच में आईपीएल के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर बनाया था हालांकि सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल अभी तक प्रभावित नहीं कर सके हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहली बार सनराइजर्स के बल्लेबाज नाकाम रहे। गेंदबाजी में जयदेव उनादकट, मयंक मार्कण्डेय और भुवनेश्वर कुमार महंगे साबित हुए हैं। भुवनेश्वर ने नई गेंद से निराश किया है और तीन मैचों में तीन ही विकेट ले सके हैं। क्प्तान पैट कमिंस ने आठ रन प्रति ओवर की दर से रन दिए हैं लेकिन उन्हें दूसरे छोर से सहयोग चाहिए।

पाकिस्तान वॉलीबॉल महासंघ ने भारत को टूर्नामेंट के लिए न्योता दिया

कराची। पाकिस्तान वॉलीबॉल महासंघ ने भारत को अगले महीने इस्लामाबाद में होने वाली एशियाई चैलेंज वॉलीबॉल लीग मे टीम भेजने के लिए न्योता दिया है। पीवीएफ के अध्यक्ष चौधरी याकूब ने कहा कि उन्होंने टूर्नामेंट के लिए भारतीय वॉलीबॉल महासंघ को न्योता दिया है। उन्होंने कहा , हमने काफी प्रयासों के बाद इस टूर्नामेंट की मेजबानी हासिल की है। हम चाहते है कि 11 से 17 मई तक होने वाले टूर्नामेंट मे सभी शीर्ष टीमें भाग लें। ईरान, श्रीलंका, भूटान, तुर्कमेनिस्तान,अफगानिस्तान, कजाखस्तान, किर्गीस्तान ने टूर्नामेंट मे भागीदारी की पुष्टि कर दी है।

अजारेंका, कालिनिना चार्ल्सटन ओपन के तीसरे दौर में

चार्ल्सटन। विक्टोरिया अजारेंका और अनहेलिना कालिनिना ने वर्षाबाधित चार्ल्सटन ओपन टेनिस में अपने अपने मुकाबले जीतकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। सत्र के पहले क्लेकोर्ट टूर्नामेंट में 12वीं वरीयता प्राप्त अजारेंका ने एलिसाबेट्टा कोसियारेट्टो को 6-1, 6-2 से हराया। वहीं 15वीं वरीयता प्राप्त कालिनिना ने पूर्व चैम्पियन कैरोलिन वोज्नियाकी को 6-2, 6-3 से मात दी। बारिश के कारण मुकाबले देर से शुरू हुए और कई मुकाबले स्थगित करने पड़े।

दक्षिण अफ्रीकी फुटबॉलर और ओलंपियन ल्यूक फ्लूर्स की लूटपाट में हत्या

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के फुटबॉलर और ओलंपियन ल्यूक फ्लूर्स की यहां लूटपाट की एक घटना मे हत्या कर दी गई। उनके क्लब काइजेर चीफ्स ने यह जानकारी दी। चौबीस वर्ष के डिफेंडर ल्यूक को उस समय गोली मारी गई जब वह हनीड्यू इलाके में पेट्रोल पंप पर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। क्लब ने एक बयान में कहा , ल्यूक फ्लूर्स की जोहानिसबर्ग में लूटपाट की घटना में कल रात हत्या हो गई है।

द ग्रेट इंडियन शो में आएंगे रोहित व श्रेयस

मुंबई। द ग्रेट इंडियन कपिल शो मे इस शनिवार को कपिल शर्मा और उनकी पूरी टीम क्रिकेटर रोहित शर्मा और श्रेयस अइयर का स्वागत करेंगे। इन दोनों के साथ सेट पर खूब सारी चर्चा और हंसी मजाक देखने को मिलेगा दोनों खिलाड़ियों की घनिष्ठ दोस्ती साफ़ दिखाई दे रही थी, जब वो पूरे एपिसोड में एक दूसरे की खूब 'टांग-खिंचाई' कर रहे थे। उन्होंने क्रिकेट मैदान के अंदर और बाहर के अनेक किस्से सुनाए। रोहित की गुगली से लेकर श्रेयस के सिक्सर तक, इन दोनों की बिंदास बातचीत और पहले कभी ना देखी गई मस्ती देखना ना भूलें। यह सारा हंसी-मजाक देखने के लिए ट्यून कीजिए... और हाँ, उन्होंने एयरपोर्ट क्रिकेट लीग भी आयोजित की, जिसमें कपिल और सुनील ने सिद्धू और कपिल देव के रूप में सबको चकित कर दिया!

बिरकेनस्टॉक शूज में करेगा कारीगरी

नई दिल्ली। जर्मन-आधारित ग्लोबल पर्पस ब्रांड बिरकेनस्टॉक भारत में तेजी से अपना रीटेल फुटप्रिंट बढ़ा रहा है। फीनिक्स प्लासियो मॉल में 1087 स्क्वेर फुट में मौजूद इस स्टोर में ब्रांड के फंक्शन फुटवेयर का सबसे लेटेस्ट कलेक्शन मौजूद होगा, जो हर कस्टमर को बिरकेनस्टॉक की बेहतरीन कारीगरी और गुणवत्ता का अनुभव प्रदान करेगा। जेन्स हटब, रीजनल मैनेजिंग डायरेक्टर, मिडल ईस्ट अफ्रीका इंडिया, बिरकेनस्टॉक ने कहा, अपना नवीनतम स्टोर शुरू करने के लिए उत्साहित है। विनय बंसल, मैनेजिंग डायरेक्टर, बिरकेनस्टॉक इंडिया ने कहा, हम बिरकेनस्टॉक की विरासत को उत्तरी भारत में और बढ़ाने के लिए खुश हैं, जो अब ब्रांड द्वारा पेश की जाने वाली अतुलनीय आराम और नवीनतम शैलियों से परिचित कराएगा।

भारत को एक खास गेंदबाज मिल गया है : ब्राड

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार मयंक : ब्रॉड

भाषा। मुंबई

इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का मानना है कि भारत की नई तेज गेंदबाजी सनसनी मयंक यादव को सीधे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उतारा जा सकता है ताकि कैरियर में चोटों का सामना करने के लिए उनका शरीर सख्त हो सके। पिछले साल क्रिकेट के सभी प्रारूपों से विदा ले चुके ब्रॉड का मानना है कि कम उम्र में ही शुरूआत करके यादव शीर्ष स्तर पर बहुत कुछ सीख सकते हैं लेकिन उन्हें उतार चढाव के लिए तैयार रहना होगा। स्टार स्पोर्ट्स की कमेंट्री टीम में शामिल ब्रॉड ने यहां चैनल के स्टूडियो में पीटीआई से बातचीत में कहा , मुझे नहीं लगता कि उसे घरेलू क्रिकेट से होकर गुजरने की जरूरत है। शीर्ष स्तर पर खेलकर उसका शरीर खुद ब खुद सख्त हो जाएगा। उन्होंने कहा , उसका रनअप अच्छा है और उसे लाइन और लैंग्थ की भी अच्छी समझ है। किसी युवा गेंदबाज के लिए सबसे शीर्ष स्तर पर खेलना अच्छा सबक होता है। मैने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कम उम्र में शुरूआत करके ही बहुत कुछ सीखा। वह आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के खिलाफ सीख रहा है। इंग्लैंड के लिए 604 टेस्ट विकेट ले चुके ब्रॉड ने कहा कि 21 वर्ष के मयंक को शीर्ष स्तर पर उतारने से उसे फायदा ही होगा क्योंकि भारत को एक खास गेंदबाज मिल गया है। उन्होंने कहा , मैं तो उसे भारतीय टीम में देखना चाहूंगा। जरूरी नहीं कि वह खेले लेकिन ड्रेसिंग रूम में बहुत कुछ सीख सकत है। भारत को एक खास खिलाड़ी मिल गया है जिसे ढंग से मैनेज करने की जरूरत है। उसे यह याद रखना होगा कि खेल में चोट भी लगेगा। वह काफी रफ्तार से गेंद डालता है लेकिन उसकी लय जबर्दस्त है। पहले दो आईपीएल मैचों में किसी तेज गेंदबाज को मैन आफ द मैच चुना जाना अक्सर नहीं होता। मैं उम्मीद करता हूं कि वह तीनों प्रारूप खेलेगा। उसे अपेक्षाओं के दबाव की भी आदत डालनी होगी। उसे हर मैच में तो मैन आफ द मैच पुरस्कार नहीं मिलेगा।

अस्वीकार्य, निराशाजनक , केकेआर से हार के बाद बोले पोंटिंग

विशाखापत्तनम। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कोलकाता नाइट राइडर्स से 106 रन से मिली हार को अस्वीकार्य और निराशाजनक बताते हुए अपनी टीम को फटकार लगाई है। दिल्ली कैपिटल्स ने पहले केकेआर को सात विकेट पर 272 रन बनाने दिए और बाद में पूरी टीम 17 . 2 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई। पोंटिंग ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा , अभी इसकी समीक्षा करना मुश्किल है। पहले हाफ में टीम के प्रदर्शन से मै बहुत निराश हूं। उन्होने कहा , इतने रन देना समझ से परे है। हमने 17 वाइड गेंद डाली और अपने ओवर पूरे करने मे दो घंटे लगे। नतीजा हम फिर दो ओवर पीछे रह गए जिसके मायने है कि आखिरी दो ओवर डालने वालों को सर्कल के बाद चार ही फील्डर मिले। मैच मे बहुत कुछ हुआ जो अस्वीकार्य है। हम टीम के भीतर इस पर बात करेंगे और जल्दी ही इसमें सुधार करेंगे। खुलकर अच्छी बातचीत होना जरूरी है। गेंदबाजी , फील्ड प्लेसमेंट सभी पर बात करनी होगी।

पंत पर धीमी ओवरगति के लिए 24 लाख जुर्माना

भाषा। विशाखापत्तनम

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में दूसरी बार धीमी ओवरगति रहने के कारण 24 लाख रूपए जुर्माना लगाया गया है। पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स की ओवरगति बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में धीमी रही थी। बाकी खिलाड़ियों पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

आईपीएल ने एक बयान में कहा , दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आईपीएल मैच में धीमी ओवरगति के लिए जुर्माना लगाया गया है। यह इस सत्र में आईपीएल की आचार संहिता के तहत टीम का दूसरा अपराध था लिहाजा पंत पर 24 लाख रूपए जुर्माना लगाया गया। इंपैक्ट खिलाड़ी समेत बाकी खिलाड़ियों पर मैच फीस का 25 प्रतिशत या छह लाख रूपए में से जो कम हो, जुर्माना लगाया गया है।

दिल्ली के खिलाफ अर्धशतक के बाद अंगकृष ने गुरू अभिषेक नायर को दिया धन्यवाद

विशाखापत्तनम। अंडर 19 विश्व कप 2022 मे 278 रन बनाने के बावजूद अंगकृष रघुवंशी गुमनाम ही रह गए लेकिन बुधवार को आईपीएल के मैच मे दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए 27 गेंद मे 54 रन बनाकर उन्हें गुमनामी का पर्दा हटा दिया। उन्होने इसके लिए अपने गुरू अभिषेक नायर को धन्यवाद देते हुए यह पारी उन्हे समर्पित की। उन्होने कहा , उन्होने हर बात मे मेरी मदद की है। खेल को लेकर मेरी सोच, मेरी कार्यशैली, मैं क्या खाता हूं, कैसे अभ्यास करता हूं। वह मेरे सही मायने मे गुरू है और मेरा उनसे ऐसा रिश्ता है। घरेलू और फ्रेंचाइजी क्रिकेट मे बतौर कोच अपनी साख बना चुके नायर ने दिनेश कार्तिक के कैरियर को भी फिर से ढर्रे पर लाने मे अहम भूमिका निभाई है।

2000 या अधिक टेस्ट कराने वाले देशों में भारत में डोपिंग के मामले सर्वाधिक

नई दिल्ली। विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2000 या अधिक नमूनों की जांच कराने वाले देशों में 2022 टेस्टिंग आंकड़ा रिपोर्ट के अनुसार भारत मे डोपिंग टेस्ट मे नाकाम रहने के मामले सर्वाधिक है जबकि दक्षिण अफ्रीका दूसरे स्थान पर है। वाडा ने बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि भारत में 3865 नमूनों (मूत्र और रक्त दोनों) की जांच की गई जिनमें से 125 पॉजीटिव रहे जो नमूनों की संख्या का 3 . 2 प्रतिशत है। नमूनों की जांच के मामले में भारत 11वें स्थान पर है लेकिन डोपिंग के मामले रूस (85), अमेरिका (84), इटली (73) और फ्रांस (72) जैसी खेल महाशक्तियों से अधिक है। दक्षिण अफ्रीका ने 2023 नमूनों की जांच की जिसमें से 2 . 9 प्रतिशत पॉजीटिव रहे। तीसरे स्थान पर कजाखस्तान है जिसके 2174 नमूनों मे से 1 . 9 प्रतिशत पॉजीटिव निकले। चौथे स्थान पर नॉर्वे और अमेरिका रहे।

पहले दस मैचों में आईपीएल की रिकॉर्ड दर्शक संख्या

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग के पहले दस मैचो को 35 करोड़ दर्शको ने देखा जो टूर्नामेंट के किसी भी सत्र से अधिक है जिसमे कोरेना महामारी के दौरान खेले गए सत्र भी शामिल हैं। डिजनी स्टार द्वारा जारी आंकड़ो के अनुसार टूर्नामेंट का कुल वॉचटाइम 8028 करोड़ मिनट रहा जो पिछले साल से बीस फीसदी अधिक है। डिजनी स्टार (स्पोटर्स) के प्रमुख संजोग गुप्ता ने एक विज्ञप्ति में कहा , टाटा आईपीएल 2024 की रिकॉर्ड व्यूअरशिप से हम आहलादित हैं। हमने दर्शको को केंद्र में रखकर कई पहल की जिससे दर्शको की संख्या मे इजाफा हुआ। डिजनी स्टार आईपीएल का 10 भाषाओं मे प्रसारण कर रहा है जिसमे मूक, बधिरों और दृष्टिबाधित प्रशंसको के लिए स्पेशल फीड भी शामिल है।

सुरक्षा व फिटनेस के सपनों को साकार करेंगे

मुंबई। कीटाणुओं से रक्षा करने वाला भारत के सबसे भरोसेमंद ब्रांड डेटॉल ने भारत की सफलता की कहानी का जश्न मनाते हुए एक नई मुहिम शुरु की है। उपभोक्ताओं को सुरक्षा व फिटनेस प्रदान करने और उनके बढ़ते सपनों का सपोर्ट करने के वादे के साथ तीन फिल्में बढ़ती भारतीय महत्वाकांक्षाओं को दिखाती हैं। यह मुहिम बड़े 100 ग्राम डेटॉल बार साबुन (मल्टी-पैक) के लॉन्च को दर्शाती है, जो सभी के बीच स्वच्छता को बढ़ावा देने और भारतीय सपनों को हकीकत में बदलने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। डेटॉल ने दशकों से उपभोक्ताओं को कीटाणुओं से बचाने का काम बखूबी किया है, जिससे वे निडर होकर अपने सपनों को पूरा करने और सभी बाधाओं से लड़ने में समर्थ हो पाते है। भारत में उपभोक्ताओं ने डेटॉल पर हमेशा भरोसा दिखाया है और इसे अपना भरपूर समर्थन दिया है, जिससे आज यह घर-घर में सुरक्षा और स्वच्छता का पर्याय बन गया है। डेटॉल के प्रवक्ता ने कहा, दशकों से, डेटॉल पूरे भारत में उपभोक्ताओं को बीमारी पैदा करने कीटाणुओं से सुरक्षा प्रदान करने की मुहिम में अग्रणी रहा है।

लखनऊ को दिलाई शानदार जीत

लखनऊ। दो रन से शतक से चूके मैन ऑफद मैच अक्शदीप नाथ-98 की कप्तानी पारी से क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ ने वैभव मेमोरियल टी.20 क्रिकेट टूर्नामेंट में गौतमबुद्धनगर को 6 विकेट से हराते हुए शानदार जीत दर्ज की। जीत में कृतज्ञ सिंह नाबाद 69 व प्रियांशु पाण्डेय 43 ने भी आतिशी पारियां खेली। मेरठ में खेले जा रहे टूर्नामेंट में गौतमबुद्धनगर ने 192 ओवर में 4 विकेट पर 241 रन का स्कोर बनाया। रोहित द्विवेदी ने3 विकेट चटकाए। जवाब में क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ ने 19.2 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 246 रन बनाकर 6 विकेट से जीत अपने नाम कर ली। सलामी बल्लेबाज प्रियांशु पाण्डेय ने मात्र 18 गेंदों पर 4 चौके व 4 छक्के से आतिशी 43 रन बनाते हुए टीम को तेज शुरुआत दी।

भारतीय फुटबॉल टीम 121वें स्थान पर

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम ताजा फीफा रैंकिंग मे चार पायदान गिरकर 121वे स्थान पर खिसक गई जो पिछले कुछ साल मे उसका सबसे खराब प्रदर्शन है। भारत को पिछले महीने गुवाहाटी मे फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर के दूसरे दौर मे अफगानिस्तान ने 2-1 से हराया था। पिछले साल इंटर कांटिनेंटल कप, त्रिकोणीय टूर्नामेंट और सैफ चैम्पियनशिप जीतकर भारत शीर्ष सौ मे पहुंचा था लेकिन 26 मार्च को अपने से नीची रैंकिंग वाली अफगानिस्तान टीम से हार अप्रत्याशित रही। जनवरी मे एशियाई कप मे भारतीय टीम एक भी मैच नही जीत सकी और चार टीमो के ग्रुप बी मे चौथे स्थान पर रही। गत विश्व चैम्पियन अर्जेंटीना शीर्ष पर है जबकि फ्रांस दूसरे, इंग्लैड तीसरे और बेल्जियम चौथे स्थान पर है। ब्राजील पांचवें स्थान पर है।

कुवैत और कतर के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर मुकाबलों में भारतीय टीम के प्रभारी बने रहेंगे स्टिमक

नई दिल्ली। आलोचनाओ का सामना कर रहे इगोर स्टिमक कुवैत और कतर के खिलाफ भारत के फीफा विश्व कप के दूसरे दौर के क्वालीफाइंग मुकाबलों के प्रभारी बने रहेंगे क्योंकि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने सीनियर पुरूष टीम के मुख्य कोच से आगामी दो मैचों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा है। भारतीय फुटबॉल के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी आईएम विजयन की अध्यक्षता वाली तकनीकी समिति ने 26 मार्च को गुवाहाटी में घरेलू चरण के मुकाबले में अफगानिस्तान से मिली चौंकाने वाली हार के बाद क्रोएशिया की विश्व कप टीम के खिलाड़ी रह चुके स्टिमक को बर्खास्त करने की सिफारिश की थी लेकिन अब एक हफ्ते बाद एआईएफएफ ने फिलहाल उन्हें बरकरार रखा है।

पंजाब एफसी के दिल्ली में अंतिम दो आईएसएल मैच खाली स्टेडियम में होंगे

चंडीगढ़। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टीम पंजाब एफसी अपने आखिरी दो मैच अप्रत्याशित परिस्थितियो के कारण दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम मे खाली स्टेडियम में खेलेगी। क्लब ने गुरुवार को बयान में यह घोषणा की। क्लब ने कहा कि कोलकाता के दिग्गज मोहन बागान एसजी और ईस्ट बंगाल के खिलाफ क्रमशः छह और 10 अप्रैल को होने वाले मैच दर्शको के बिना होंगे। पंजाब एफसी ने कहा, हमे यह बताते हुए दुख हो रहा है कि अप्रत्याशित परिस्थितियो के कारण छह अप्रैल को मोहन बागान एसजी के खिलाफ और 10 अप्रैल को ईस्ट बंगाल के खिलाफ मैच खाली स्टेडियम मे खेले जाएंगे।

सात्विक -चिराग बैडमिंटन एशिया से हटे

भाषा। नई दिल्ली

स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी कंधे की चोट से नहीं उबर पाए हैं जिसके कारण उनकी और चिराग शेट्टी की गत चैंपियन पुरुष युगल जोड़ी गुरुवार को अगले सप्ताह होने वाली बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप से हट गई। सात्विक और चिराग की दुनिया की नंबर एक जोड़ी ने पिछले साल अप्रैल में 58 साल के सूखे को खत्म करते हुए इतिहास रचा था क्योंकि वे दिनेश खन्ना के बाद दुबई में एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप में चैंपियन बनने वाले पहले भारतीय बने थे। दिनेश ने 1965 में स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि मौजूदा सत्र में फ्रेंच ओपन सुपर 750 जीतने के अलावा दो टूर्नामेंट के उप विजेता रहे सात्विक और चिराग ने गुरुवार को टूर्नामेंट से बाहर होने का फैसला किया।मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, यह कोई नई चोट नहीं है, यह कुछ ऐसा है जो कंधे के अत्यधिक उपयोग के कारण होता है और सात्विक पहले से ही ठीक होने की राह पर हैं। वे अब भी प्रशिक्षण ले रहे हैं लेकिन तीव्रता थोड़ी कम है। इसलिए बड़ी तस्वीर को देखते हुए उन्होंने हटने का फैसला किया।

उबर कप नही खेलेगी सिंधू, थॉमस कप के लिए भारत की मजबूत टीम

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और शीर्ष दो युगल टीमो ने उबर कप से नाम वापिस ले लिया है लेकिन पुरूष वर्ग मे मजबूत टीम 27 अप्रैल से चेंगडू में होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में खेलेगी। फरवरी में बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के जरिए वापसी करने के बाद से सिंधू ने छह टूर्नामेंट खेले है। उन्होने पेरिस ओलंपिक से पहले रिकवरी के लिए पर्याप्त समय की जरूरत को देखते हुए नाम वापिस लिया है। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद और अश्विनी पोनप्पा तथा तनीषा क्रास्टो ने भी नाम वापिस ले लिया है। उनका फोकस ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिए दूसरे टूर्नामेंटो पर है। बीएआई सचिव संजय मिश्रा ने कहा , सिंधू चोट के बाद वापसी कर रही है और पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए उसे समय चाहिए। युगल टीमो ने भी नाम वापिस ले लिया है क्योंकि उन्होने पिछले कुछ समय मे काफी टूर्नामेंट खेले है और अब फोकस क्वालीफिकेशन पर है।

अनमोल खरब समेत पांच भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में

भाषा। अस्ताना

युवा बैडमिंटन खिलाड़ी अनमोल खरब समेत पांच भारतीय महिला खिलाड़ी गुरुवार को कजाखस्तान इंटरनेशनल चैलेंज बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। अनमोल के अलावा देविका सिहाग, पूर्व राष्ट्रीय चैम्पियन अनुपमा उपाध्याय, सातवीं वरीयता प्राप्त तान्या हेमंत और ईशारानी बरूआ ने महिला एकल में अंतिम आठ में जगह बनाई। गत राष्ट्रीय चैम्पियन अनमोल ने यूएई की नूरानी रातु अजाहरा को दूसरे दौर में 21-11, 21-7 से हराया। अब उनका सामना जापान की सोरानो योशिकावा से होगा। वहीं इस साल चार फाइनल में पहुंचकर दो अंतरराष्ट्रीय चैलेंज खिजाब जीतने वाली सिहाग ने अजरबैजान की केइशा फातिमा अजाहरा को 21-12, 21-12 से शिकस्त दी। अब उनका सामना हमवतन अनुपमा से होगा जिसने चेक गणराज्य की टेरेजा एस को हराया। सातवीं वरीयता प्राप्त तान्या ने इजराइल की सेनिया पोलिकारपोवा को 21-11, 21-18 से मात दी। अब वह हमवतन ईशारानी से खेलेंगी जिसने न्यूजीलैंड की टिफानी हो को 21-10, 20 -14 से हराया। पुरुष एकल में रवि, भरत राघव और तरुण मानेपल्ली क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। रवि ने हमवतन मनराज सिंह को 21-19, 22-20, भरत ने साइ चरण कोया को 21-13, 21-17 और तरुण ने एस शंकर मुथुसामी को रोमांचक मुकाबले में 22-24, 21-18, 21-13 से हराया। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रूत्विजा गाडे, अभ्युदय चौधरी और वैष्णवी खाडकेकर, संजय श्रीवत्स और मनीषा के और अलीशा खान और झाकुओ सेई भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

वूशु में उत्तर प्रदेश ने जीते 4 स्वर्ण, 3 रजत व 6 कांस्य

● लखनऊ के अथर्व सक्सेना ने जीते दोहरे स्वर्ण पदक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने 23वीं सब जूनियर राष्ट्रीय बालक व बालिका वूशु प्रतियोगिता में 4 स्वर्णए 3 रजत व 6 कांस्य पदक अपने नाम किए। जम्मू विश्वविद्यालय में गत 26 से 31 मार्च 2024 तक आयोजित इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश ने ताओलु श्रेणी में द्वितीय उपविजेता की ट्रॉफी अपने नाम की। इस चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए लखनऊ के अथर्व सक्सेना ने बालक ताओलु श्रेणी में दाओशू और गुंशू में दोहरे स्वर्ण पदक पर कब्जा जमा लिया। चैंपियनशिप में बालक सांडा श्रेणी में मेरठ के शौर्य ने 48 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता। मेरठ के कार्तिक ने 21 किग्रा मेंए गाजियाबाद के दीपक कुमार ने 42 किग्रा में व गौतमबुद्ध नगर के मयंक रोसा ने 45 किग्रा में रजत पदक जीते। मेरठ के दीपांशु को 60 किग्रा में कांस्य पदक मिला। दूसरी ओर बालिका सांडा श्रेणी में मेरठ की माही चौधरी ने 36 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता। कांस्य पदक विजेताओं में गौतमबुद्ध नगर की आराध्या ने ने 30 किग्रा मेंए श्रेया ने 39 किग्रा में व प्रतिभा ;गौतमबुद्ध नगरद्ध ने 52 किग्रा में रहे। इसके अलावा जौनपुर की आर्या यादव को 33 किग्रा में व बागपत की देवनंदनी को 45 किग्रा में कांस्य पदक मिला। उत्तर प्रदेश टीम के अच्छे प्रदर्शन की सराहना करते हुए उत्तर प्रदेश वूशु एसोसियेशन के महा सचिव मनीष कक्कड़ ने खिलाड़ियों सहित टीम कोच मनोज गुप्ताए अमित रोसा एवं टीम मैनेजर प्रवीन कुमार व डिम्पी तिवारी को बधाई दी।

फिरोजा के खिलाफ अभियान शुरू करेंगे प्रज्ञानानंदा, विदित से भिड़ेंगे गुकेश

कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट

टोरंटो। भारत के स्टार खिलाड़ी आर प्रज्ञानानंदा यहां शुरू हुए कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ खेलेंगे जबकि ऑल इंडियन मुकाबले में डी गुकेश और विदित गुजराती आमने-सामने होंगे। दो सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले खिलाड़ियों फाबियानो करुआना और हिकारू नाकामूरा के बीच ऑल अमेरिकी मुकाबला होगा। दिन के एक अन्य मुकाबले में अजरबेजान के निजात अबासोव की भिड़ंत रूस के इयान नेपोमनियाची से होगी।महिला वर्ग के पहले दौर में भी दो भारतीय खिलाड़ी आर वैशाली और कोनेरू हंपी आमने-सामने होंगी। रूस की दो खिलाड़ी एलेक्सांद्रा गोरयाचकिना और कैटरीना लेगनो भी पहले दौर में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। चीन की लेइ टिंगजी और उनकी हमवतन टैन झेंगई भी पहले दौर में एक दूसरे का सामना करेंगी। चौथी और अंतिम बाजी में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक का सामना टूर्नामेंट की सबसे युवा खिलाड़ी बुल्गारिया की नुर्गयुल सेलिमोवा से होगा। टूर्नामेंट के टाइम कंट्रोल के अनुसार दो घंटे में 40 चाल होंगी और बाकी मुकाबले के लिए 30 मिनट का समय होगा जिसमें 41वीं चाल से प्रत्एक चाल के बाद 30 सेकेंड जोड़े जाएंगे। यह रोमांचक होने वाला है। टाइम कंट्रोल का मतलब है कि हमें घड़ी पर भी नजर रखनी होगी क्योंकि शुरुआती 40 चाल तक समय में कोई इजाफा नहीं होगा। टूर्नामेंट के कार्यक्रम को देखते हुए प्रज्ञानानंदा का पलड़ा भारी रह सकता है क्योंकि दूसरा हाफ महत्वपूर्ण रहने की उम्मीद है। भारतीय खिलाड़ी को पहले हाफ में नाकामूरा और करुआना के अलावा हमवतन गुजराती से काले मोहरों से खेलना है। यह काफी महत्वपूर्ण हो सकता है क्योंकि युवा भारतीय खिलाड़ी को उलट मुकाबलों में सफेद मोहरों से खेलने को मिलेगा। गुकेश को शुरुआती हाफ में सफेद मोहरों से खेलते हुए फायदा उठाना होगा। विदिता के लिए मोहरों का रंग अधिक मायने नहीं रखता और वह अच्छी स्थिति का फायदा उठाने के लिए जाने जाते हैं। महिला वर्ग में हंपी और वैशाली से उम्मीदें होंगी। बाइस साल की वैशाली प्रज्ञानानंदा की बड़ी बहन हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।
मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।